जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 252 प्रभात चूरू, बुधवार 8 जनवरी, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

दिल्ली की मु.मंत्री आतिशी सिंह ने आरोप लगाया, तीन महीने में दूसरी बार बेघर किया केन्द्रीय सरकार ने

भाजपा ने प्रत्युत्तर में कहा, आतिशी को बेघर करने का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि ग्यारह अक्टूबर को ''शीश महल'' ऑफर हुआ, पर, उन्होंने आज तक उसका कब्जा नहीं लिया है, अतः शीश महल का उनका आवंटन रद्द करना पड़ा था

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जनवरी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी सिंह के दावे, कि केन्द्र सरकार ने उनका घर छीन लिया है और भाजपा के इसके जोरदार खंडन के बाद कंट्रोलर एण्ड ऑडिटर जनरल (सी.ए.जी.) की एक रिपोर्ट आई है जिसमें केजरीवाल के बंगले की मरम्मत व साज-सज्जा पर हुए भारी खर्च का जिक्र हैं।

ऑडिटर रिपोर्ट जिसे दिल्ली विधानसभा में पेश नहीं किया गया में बताया गया है कि केजरीवाल के बंगले 6, फ्लैग स्टाफ रोड के लिए पर्दे खरीदने पर 96 लाख रुपए, इटालियन मार्बल की खरीद पर 14 लाख रुपए और मार्बल स्टोन पर 66 लाख रु. खर्च किए। शुरुआत में मरम्मत व साज-सज्जा पर 7.91 करोड़ रु. खर्च होने का अनुमान था पर काम खत्म होते-होते यह खर्च बढ़कर 33.66 करोड़ रु. हो गया।

केजरीवाल के शीश महल पर मंगलवार को तब विवाद बढ़ा जब मुख्यमंत्री आतिशी सिंह ने दावा किया कि केन्द्र सरकार ने तीन माह में दूसरी बार उनसे आवास छीन लिया, उन्हें दिया हुआ आवंटन रद्द करके। इस पर भाजपा के अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा कि मुख्यमंत्री को कभी भी निकाला नहीं गया। असल में वे कभी भी शीश महल में गई ही नहीं जो उन्हें गत वर्ष 11 अक्टूबर को आवंटित हुआ था।

भाजपा नेता ने आतिशी पर झूठ बोलने का आरोप लगाया और पब्लिक वर्क्स डिपार्टमैंट के दो पत्र शेयर किए जिनमें स्पष्ट किया गया था आवंटन वापस लिया गया क्योंकि आतिशी कभी इसमें गईं ही नहीं। इसकी बजाय उन्हें दो बड़े बंगले आवंटित किए गए। मालवीय ने कहा, उन्होंने शीश महल में रहना स्वीकार नहीं किया क्योंकि वो केजरीवाल को नाराज़ नहीं करना चाहती थी।''

शीश महल विवाद अगले माह होने वाले विधानसभा चुनाव में आप के लिए शुभ संकेत नहीं है। क्योंकि इससे केजरीवाल की आम आदमी के नेता की छवि खराब हो सकती है।

सी.ए.जी. रिपोर्ट की टाइमिंग महत्वपूर्ण है। यद्यपि यह स्पष्ट नहीं है कि क्या रिपोर्ट के निष्कर्ष आप के जनाधार पर नकारात्मक और दूरगामी प्रभाव डाल सकते है। सी.ए.जी. रिपोर्ट में बताया गया है कि खर की मरम्मत और साजसज्जा में कितने महंगे आइटम प्रयुक्त किए गए। मुख्यमंत्री आवास में 8 शयन कक्ष, तीन मीटिंग रुम, दो ड्राईंग रुम, दो किचन और 12 टॉयलैट है। यहां तक कि टॉवल रैक व सोप होल्डर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इस संबंध में भाजपा ने यह कटाक्ष भी किया कि केजरीवाल ने बहुत तबियत से, अपने मु.मंत्री निवास ''शीश महल'' को 33.66 करोड़ रूपये खर्च करके ठीक-ठाक कराया। अतः आतिशी केजरीवाल के ''शीश महल'' में शिफ्ट करके केजरीवाल की नाखुशी नहीं लेना चाहती थीं, इसलिए शीश महल को उन्होंने अपना निवास कभी नहीं बनाया।
- 33.66 करोड़ रूपये ''रैनोवेशन'' पर खर्च होने की बात सी.ए.जी. ने अपनी रिपोर्ट में भी कही है।
- पर, दिल्ली में विधानसभा चुनाव से दो महीने पहले ही रिपोर्ट आना इस घटनाक्रम में राजनीतिक पुट होने का संदेह जरूर जगाती है। सी.ए.जी. की रिपोर्ट का केजरीवाल के वफादार वोट बैंक पर कितना असर होगा, यह अभी नहीं आंका जा सकता।

नाबालिग से अश्लीलता करने वाले को 5 साल की सजा

जयपुर, 7 जनवरी। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर, द्वितीय, ने 6 साल की पीड़िता के साथ अश्लीलता करने वाले अभियुक्त परमा उर्फ गोलू को पांच साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर पांच हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी नरेन्द्र सिंह मालावत ने अपने आदेश में कहा कि ऐसे अपराधों से समाज की नैतिकता और बालिकाओं की सुरक्षा का खतरा है। इसलिए अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक ललिता संजीव महरवाल ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के परिजनों ने 17 नवंबर, 2023 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसके पास वाले कमरे में किराए पर रहने वाले अभियुक्त ने उसकी छह साल की बेटी को कमरे में बुलाया और अश्लील हरकत की। पीड़िता का रोना सुनकर जब वे कमरे में गए तो अभियुक्त ने पीड़िता के कपडे खोल रखे थे और उससे अश्लीलता कर रहा था।

रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने 17 नवम्बर, 2023 की घटना पर निर्णय सुनाया।

क्या बिहार में राष्ट्रपति शासन लगेगा?

केन्द्रीय गृह मंत्री द्वारा बिहार दौरा रद्द करने से अटकलों का बाज़ार गर्माया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जनवरी। तेजस्वी यादव ने बिहार के गवर्नर से मुलाकात की ओर संकेत दिया कि नीतीश कुमार की सरकार 24 घंटे में सत्ता से बाहर हो जाएगी।

उन्होंने राज्यपाल से कहा कि पटना में छात्र उग्र हो रहे हैं। तेजस्वी ने गवर्नर को लिखे अपने पत्र में कहा कि नीतीश हिंसा की साजिश रच रहे हैं।

दिल्ली में भाजपा सूत्रों ने कहा कि तेजस्वी ने पटना में दंगे की चेतावनी दी है, इससे नीतीश को सत्ता से हटाकर भाजपा को सत्ता में आने में मदद मिलेगी।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी धमकी मिली है कि उन्हें पद से हटा दिया जाएगा। शाह ने दो दिन पहले बिहार दौरा भी स्थगित कर दिया और अब वे बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाने पर विचार कर रहे हैं ताकि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता में आने में मदद मिल जाएगी।

नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात करने दिल्ली गए थे पर मोदी ने नीतीश को मिलने का समय ही नहीं दिया। भाजपा बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाने का विचार कर रही है। छात्रों ने पटना में चक्का जाम कर रखा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- समझा जाता है कि मोदी और शाह नीतीश से सख्त नाराज हैं, कारण है, नीतीश और लालू यादव की मुलाकात।
- बताया जाता है कि नीतीश, प्र.मंत्री मोदी से मिलने दिल्ली गए, पर, मोदी ने उन्हें मुलाकात का समय ही नहीं दिया।
- तेजस्वी यादव ने भी राज्यपाल से मुलाकात की और मुलाकात के बाद कहा कि 24 घंटे में नीतीश सरकार चली जाएगी।

जवाब नहीं दिया तो मानेंगे, सरकार एस.आई. भर्ती रद्द करना चाहती है

जयपुर, 7 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 के मामले में स्पष्ट किया है कि यदि सरकार ने इस मामले में कोई जवाब नहीं दिया तो यह माना जाएगा कि वह एसआईटी की रिपोर्ट, एजी की राय और कैबिनेट सब कमेटी की ओर से भर्ती रद्द करने की सिफारिश पर सहमत है। वहीं, इसे आधार मानते हुए अदालत भी अपना फैसला देगी। अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि वह 9 जनवरी को एसआईटी की 13 अगस्त 2024 की रिपोर्ट, एजी की 14 सितंबर 2024 की विधिक राय व कैबिनेट सब कमेटी की 7 अक्टूबर व 10 अक्टूबर 2024 की बैठकों का विस्तृत रिकार्ड भी पेश करे। जस्टिस समीर जैन ने ये निर्देश कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य के प्रार्थना पत्र पर दिए। अदालत की ओर से मंगलवार को यह आदेश सार्वजनिक करने पर यह जानकारी सामने आई है।

अदालत ने कहा कि यदि 18 नवंबर 2024 के आदेश में दिए गए निर्देशों के विपरीत जाकर कोई भी कार्रवाई या फील्ड पोस्टिंग दी जाती है, तो इसके जिम्मेदार अफसर व व्यक्तियों के खिलाफ भी निर्णायक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, यदि इस संबंध में कोई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाई कोर्ट ने एस. आई. टी. की रिपोर्ट, ए.जी. की विधिक राय तथा कैबिनेट सब कमेटी की बैठकों का विस्तृत रिकॉर्ड भी मांगा।

चीन अरुणाचल प्रदेश में नये आतंकवादी ग्रुप, ''यूनाइटेड टानी आर्मी'' को पनपा रहा

इस ग्रुप का मुख्य ध्येय भारत द्वारा अरुणाचल प्रदेश में ''हाइड्रो इलैक्ट्रिसिटी'' जनरेट करने के लिये प्रस्तावित बड़े-बड़े बाँधों के निर्माण का विरोध करना है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जनवरी। भारत के अरुणाचल प्रदेश में चीन एक उग्रवादी समूह ''यूनाईटेड टानी आर्मी'' (यू.टी.ए.) के गठन में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। यू.टी.ए. का मुख्य लक्ष्य क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हो रहे बांध निर्माण का विरोध करना है और उसमें व्यवधान डालना है। ये बांध परियोजनाए भारत के ''क्लीन एनर्जी'' लक्ष्य तथा क्षेत्रीय विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इनका उद्देश्य अरुणाचल प्रदेश के हाइड्रो इलैक्ट्रिक क्षमता का पूरा लाभ उठाना है जिससे भारत की ''ऊर्जा सुरक्षा'' बढ़ सकती है।

चीन की विस्तृत रणनीति, जिसका लक्ष्य भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में अस्थिरता फैलाना है, के तहत यू.टी.ए. की स्थापना की गई है। ऐसे उग्रवादी संगठनों को समर्थन व सहायता देकर चीन भारत के लिए आन्तरिक सुरक्षा चुनौतियां पैदा करना चाहता है जिससे नई दिल्ली को अपनी ऊर्जा व संसाधन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाल ही में इस आतंकवादी ग्रुप ने एक वक्तव्य जारी कर अरुणाचल में बड़े बाँधों के निर्माण का तो विरोध किया ही, साथ में कई क्षेत्रीय भावात्मक मांगों को साथ में जोड़ दिया। जैसे, चकमा जनजाति के विस्थापितों को बसाने के लिये सरकार की व्यवस्था में कमियां-खामियों को उजागर करना तथा आदिवासी महिलाओं के गैर-आदिवासी पुरुषों से शादी व इस विवाह से उत्पन्न बच्चों को आदिवासी ''स्टेटस'' देने का विवाद आदि।
- चीन जानता है, ऐसे भावात्मक मुद्दे उठाने से इस आतंकवादी संगठन से कुण्ठित युवा जुड़ेगा तथा चीन, भारत के नॉर्थ-ईस्ट क्षेत्र को अस्थिर कर सकेगा और वहाँ अशांति बनी रहेगी।

न्याय मित्र महिला टॉयलैट्स के हालात पर रिपोर्ट पेश करे

जयपुर, 7 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने कार्यस्थल और सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं के लिए टॉयलैट्स की कमी व मौजूदा टॉयलैट्स में आधारभूत सुविधाओं की कमी से जुड़े मामले में केन्द्र व राज्य सरकार से पूछा है कि महिला टॉयलैट्स के मौजूदा हालात क्या हैं और महिला शौचालयों के सुधार के लिए उनकी क्या कार्य योजना है। इसके साथ ही अदालत ने मामले से जुड़े न्याय मित्रों को कहा है कि वे भी सर्वे कर महिला शौचालयों के हालातों पर अपनी रिपोर्ट पेश करें। सीजे एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने यह आदेश मंगलवार को प्रदेश में महिला शौचालयों में आधारभूत सुविधाओं की कमी पर लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान मामले में सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान केन्द्र सरकार की ओर से एएसजी राजदीपक रस्तोगी और राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता माही यादव पेश हुए। दोनों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाई कोर्ट ने केन्द्र व राज्य सरकार से महिला शौचालयों के सुधार पर कार्य योजना माँगी।

फी ट्रेड, फ्री इन्वैस्टमैंट का सबसे बड़ा व प्रबल समर्थक अमेरिका अब इतना कैसे बदल गया?

अमेरिका ने चीन की बड़ी कम्पनियों पर, चीन की सेना से नज़दीकी संबंधों का आरोप लगाकर, अमेरिका में इन कम्पनियों का माल प्रवेश करने पर भारी पाबंदी लगा दी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जनवरी। किसी समय युनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका फ्री ट्रेड (मुफ्त व्यापार), फ्री इन्वैस्टमैंट (मुफ्त निवेश) तथा व्यापार एवं उद्योग में किसी भी तरह के सरकारी हस्तक्षेप नहीं होने का सबसे बड़ा हिमायती वही आज अमेरिकी बाज़ार में विदेशी व्यापार व उद्योग को प्रवेश करने से रोकने के लिए सरकारी कंट्रोल का पक्षधर बन गया है।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने उन चीनी कंपनियों को चिन्हित किया है जो चीन मिलिटरी से जुड़ी हैं। इस प्रकार उसने सैन्य उत्पादों के लिए लाभकारी व विशाल अमेरिकी बाज़ार में इन चीनी कंपनियों के प्रवेश को प्रतिबंधित कर दिया है।

यू.एस.ए. ने सबसे बड़ी चीनी शिपिंग कंपनी कॉस्को (सी.ओ.एस.सी.ओ.), जो एक मिलिटरी कंपनी है, को चिन्हित किया है, और अमेरिकी बाज़ारों में, शिपिंग व माल ढुलाई के उसके कार्य संचालन को प्रतिबंधित कर दिया है। यह कंपनी चीनी सैन्य हार्डवेयर यूनिट्स के लिए माल और सामान ढोती है।

साथ ही साथ, अमेरिका ने चीन के सबसे बड़ी ऑफशोर तेल उत्पादक, सी.एन.ओ.ओ.सी. पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह एक राज्य समर्थित कंपनी है और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पी.एल.ए.) के साथ इसके सक्रिय लिंक है। अमेरिका की, रुसी तथा ईरानी तेल कंपनियों और सख्त प्रतिबंध लगाने की योजना है, इन कंपनियों के राजस्व को कम करने के लिए।

एक और अलगावादी कदम में, यू.एस. सरकार ने जापान की कंपनी निप्पॉन स्टील द्वारा अमेरिका की बीमार स्टील कंपनी, यू.एस. स्टील्स को खरीदने के प्रयास को रोक दिया है। सरकार के इस कदम के जवाब में दोनों कंपनियाँ री-स्ट्रक्चरिंग के लिए पुनः योजना बना रही है।

ये कदम नुकसानदेह हो सकते हैं तथा वैश्विक गैस व तेल की कीमतों को बढ़ा सकते हैं। तेल बाज़ार की रिपोर्टों के अनुसार प्रमुख कच्चे तेलों में पहले ही कड़ी वृद्धि देखी जा रही है। वर्तमान में ब्रैंट क्रूड लगभग 77 डॉलर प्रति बैरल बिक रहा है और सर्दियों की मांग के कारण यह जल्द ही 80 डॉलर तक पहुंच सकता है।

सबसे ज्यादा चौंकाने वाला कदम यह रहा कि अमेरिका ने चीन की सबसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पहले अमेरिका का नारा होता था, बिज़नेस व उद्योग पर सरकार का कुछ भी हस्तक्षेप नहीं होना चाहिये।
- पर, अब बड़ी-बड़ी चीन की कम्पनियों पर, जैसे चीन जल परिवहन की सबसे बड़ी कम्पनी कोस्को, चीन ''ऑफ शोर'' ऑयल प्रोडक्शन की सबसे बड़ी कम्पनी सीनुक तथा चीन की सबसे बड़ी इंटरनैट कम्पनी, टैनसैन्ट पर चीन की सेना से ''लिंक'' होने का आरोप लगाकर, अमेरिका में धंधा करने पर पूरी रोक लगा दी है। यही हाल विश्व में बिजली की कारों के लिये सबसे बड़ी इलैक्ट्रिक बैट्री निर्माता कम्पनी चीन के सी.ए.टी.एल. के साथ भी अमेरिका ने यह ही किया है।
- अब विश्व यह ही देख रहा है कि अमेरिका किन और कम्पनियों पर, सेना से लिंक होने का आरोप लगाकर, अमेरिका में व्यापार करने पर पाबंदी लगायेगा।

सांसद पप्पू यादव की 12 को बिहार बंद की घोषणा

पटना, 07 जनवरी। बिहार में पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) 70 वीं परीक्षा को रद्द कर पुनर्परीक्षा कराने एवं अनियमितताओं की जांच के लिए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा।

यादव ने मंगलवार को यहां बताया कि अब तक हुई सभी परीक्षाओं में पेपर लीक की जांच का आश्वासन राज्यपाल ने दिया है। उन्होंने राज्यपाल को बताया कि बीपीएससी की 70वीं पीटी परीक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- उन्होंने परीक्षा रद्द कर पुनः परीक्षा कराने व अनियमितताओं की जांच के लिये राज्यपाल को ज्ञापन दिया।

दिल्ली विधानसभा चुनाव 5 फरवरी को, मतगणना 8 फरवरी को

चुनाव आयोग ने दिल्ली विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जनवरी। जैसी आशा थी, भारतीय चुनाव आयोग ने आज दिल्ली विधानसभा चुनावों की घोषणा कर दी। मतदान एक ही चरण में, 5 फरवरी को होगा तथा परिणामों की घोषणा तीन दिन बाद, 8 फरवरी को की जायेगी।

इन चुनावों में तीनों पार्टियों- आम आदमी पार्टी (आप), इसे मुख्य चुनौती देने वाली भाजपा तथा कांग्रेस का बहुत कुछ दाँव पर लगा हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी में कभी बहुत प्रभावी रही कांग्रेस और भाजपा एक दशक पुरानी आप को हराने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। आप ने इन दोनों पार्टियों को दिल्ली में दीन-हीन स्थिति में पहुँचा दिया है।

जहाँ भाजपा जनता की नज़रों में आप की जबरदस्त छवि को नष्ट करने के लिये उचित-अनुचित सभी तरह के तरीके अपना रही है, वहीं कांग्रेस, जिसके पास संसाधनों का नितान्त अभाव है, तीसरी ताकत के रूप में दृढ़तापूर्वक संघर्ष कर रही है।

भाजपा के लिये यह लड़ाई इसलिये और भी प्रतिष्ठा की हो गई है, क्योंकि गत वर्ष के लोकसभा चुनावों में उसे अपेक्षित सफलता भले ही न मिली हो, लेकिन कुछ माह पूर्व हुये हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में उसने चौंका देने वाली वापसी की है। इस चुनाव में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ब्रान्ड वैल्यू दाँव पर लगी हुई है।

जहाँ आप के लिये यह चुनाव अब तक का सबसे मुश्किल चुनाव है, वहीं भाजपा लगभग ढ़ाई दशक बाद, सत्ता में लौटने के लिये एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। दूसरी तरफ, कांग्रेस दोनों का सामना करने के लिये बाध्य हैं, हालाँकि उसे मालूम है कि उसे जो भी मिलेगा, वह उसे शिरोधार्य होगा क्योंकि उसके पास खोने के लिये कुछ भी नहीं है।

एक भ्रष्टाचार-विरोधी आंदोलन की कोख से जन्मी आप 2013 में, अपने पहले चुनाव में आँधी-तूफान की तरह आई और 29.49 प्रतिशत वोट शेयर के साथ, दिल्ली की 70 में से 28 सीटें जीत लीं। दो साल बाद, 2015 में, इसने अपने विरोधियों को धूल चटा दी तथा 70 में से 67 सीटें जीतीं तथा भाजपा को केवल 3 सीटें और कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली। 2015 में इसका वोट शेयर 54.35 प्रतिशत रहा। आप ने अपना यह असाधारण प्रदर्शन 2020 में भी दोहराया। इसकी सीटों में मामूली सी कमी आई तथा इसे 62 सीटें मिलीं तथा वोट शेयर 53.70 प्रतिशत रहा।

लेकिन, जिस पार्टी ने कभी अपने आप को परिवर्तन की प्रतिनिधि के रूप में प्रोजैक्ट किया था, वही पार्टी भ्रष्टाचार के आरोपों से घिर चुकी है। स्वयं केजरीवाल ने करीब 6 महीने जेल में गुजारे हैं। दिल्ली के कथित आबकारी नीति घोटाले में उनकी भूमिका को लेकर पहले उन्हें ई.डी. ने गिरफ्तार किया था तथा उसके बाद सी.बी.आई. ने। उन्हें गत वर्ष सितम्बर में जमानत मिली थीं

केजरीवाल के मुख्य सहयोगी तथा दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी आबकारी नीति केस में 17 महीने से ज्यादा समय तक जेल में रहे थे। एक अन्य पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन तथा राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी गिरफ्तार हुये थे तथा इस समय वे जमानत पर हैं।

2015 से दिल्ली के राजनैतिक परिदृश्य पर छाई रही तथा 2022 में एक दूसरे राज्य, पंजाब में जीत का डंका बजाने वाली आप, पिछले कुछ दशकों में भारत की सर्वाधिक सफल पोलिटिकल स्टार्टअप रही है। इसकी सफलता के पीछे केजरीवाल का वैलफेयर मॉडल था, जिसमें मोहल्ला क्लीनिक, सरकारी स्कूलों में सुधार, बिजली तथा पानी में दी गईं सब्सिडी शामिल थे। लेकिन इसके साथ ही सत्ता-विरोध, बुरी तरह खराब हो चुकी इसकी छवि तथा इसकी चमक-दमक का फीका पड़ना- जैसे कारण इसके लिये संकट बन रहे हैं।

भाजपा, जिसे उच्च मध्यम वर्ग, पंजाबी समुदाय तथा व्यापारी वर्ग का समर्थन हासिल है, के वोट बैंक में इस प्रकार की कोई कमी दिखाई नहीं दे रही है।

भाजपा का पूरा फोकस भ्रष्टाचार के मुद्दे पर आप को निशाना बनाने तथा मुख्यमंत्री निवास के कायाकल्प में की गई फिजूलखर्ची को लेकर केजरीवाल पर व्यक्तिगत हमले करने पर है। आप को पहली बार भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। केजरीवाल ने कभी स्वयं को एक ऐसे ''शिक्षित'' बाहरी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- दिल्ली विधानसभा का चुनाव त्रिकोणात्मक हो रहा है, आप, भाजपा और कांग्रेस एक-दूसरे को टक्कर देंगे। आम आदमी पार्टी के लिए यह अब तक सबसे कठिन चुनाव है, वहीं भाजपा भी 25 साल बाद सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही है। साथ ही कांग्रेस भी बेहद आशान्वित है।
- भाजपा ने बेहद उग्र प्रचार अभियान छेड़ रखा है। उसका निशाना केजरीवाल हैं। यहाँ प्रधानमंत्री ने खुद मोर्चा संभाला है।
- इस बार कांग्रेस भी दिल्ली को लेकर बेहद आशान्वित है। वर्ष 1998 के विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के साथ कांग्रेस लगातार 15 साल सत्ता में रही, जिसे 2013 में आप ने सत्ता से बेदखल किया।

विचार बिन्दु

मनुष्य तो दुर्बलताओं की प्रतिमा है जिसमें देवत्व और दानत्व दोनों का ही समावेश है। –हितोपदेश

मशीन बुद्धि से काम होगा तब मानव मस्तिष्क क्या करेगा!

अब जब मशीन बुद्धि 'एआई' लगातार उच्च स्तर छूती जा रही है, तब यह सवाल भी उठ रहा है कि मनुष्य की बुद्धि, जो मशीनी बुद्धि को नित नये आयाम दे रही है, उसका खुद का क्या होगा? दो साल से भी कम समय में 'ओपन एआई' एक गैर-लाभकारी प्रयोग से निकलकर एक वैश्विक व्यवसाय में तब्दील हो गई है, जिसके बाद और अधिक परिष्कृत एआई तैयार करने वाली बडी कंपनियों के बीच अब जबरदस्त प्रतिस्पर्धा छिडी हुई है। जीव विज्ञानी बताते हैं कि मानव बुद्धि भी रासायनिक यांत्रिक प्रक्रियाओं वाली कोशिकाओं की मशीन मस्तिष्क से ही तैयार होती है। नई परिस्थितियों में इस चेतन मशीन मस्तिष्क का क्या होगा? एआई का विकास जिस स्तर पर पहुंच गया है, उसमें मशीनी बुद्धि न केवल गणित के कठिन सवाल हल कर सकती है बल्कि बेहतरीन निबंध और फीचर लेख लिख सकती है, चिट्ठियां लिख सकती है, चित्र बना सकती है, मानव स्वर और साजों की आवाजों को बना कर संगीत की रचना कर सकती है। इससे मानव मस्तिष्क को अवश्य ही अवकाश मिलेगा, मगर उसके क्या परिणाम होंगे, यह सवाल भी उठता है। डिजिटल तकनीक को विकसित करने वाले इंसानी दिमाग ने जो अजूबा कर दिखाया है उससे हर वह काम जो मनुष्य कर सकता है मशीन भी अपने को दी गई बुद्धि से कर सकती है, यहां तक कि जीवित मानव शरीर पर शल्य क्रिया भी। इसीलिए अब यह सवाल उठ खडा हुआ है कि अगर मशीन, मनुष्य द्वारा किए जाने वाले तमाम काम संभाल सकती है, और उसे लगातार बिना थके कर सकती है, तो फिर इंसान का दिमाग क्या करेगा या उसके करने के लिये क्या बचेगा?

जनरेटिव एआई के उदय के साथ जब कृत्रिम बुद्धि की संभावना सच होती दिखने लगी थी तब आधुनिक इतिहासकार युवल नोआ हरारी ने टिप्पणी की थी कि कंप्यूटर की भाषा ने "हमारी सभ्यता के ऑपरेटिंग सिस्टम को हैक कर लिया है।" इसे जीव विज्ञानियों और स्नायु विज्ञानियों की मस्तिष्क की उस व्याख्या से समझा जा सकता है जिसमें वे कहते हैं कि खुद मानव बुद्धि का अधिकांश हिस्सा यांत्रिक प्रकृति का है, अर्थात पैटर्न-आधारित है, जिसे निर्जीव मशीनें आसानी से दोहरा सकती हैं। डिजिटल एल्गोरिद्म की भाषा के जरिए सूचना प्रौद्योगिकी के लोग मशीन को मानवीय बुद्धि की यंत्र-क्रिया सिखाते हुए जिस ताकतवर एआई के निर्माण तक पहुंच चुके हैं वह सबके सामने है। मनुष्य के मस्तिष्क सहित शरीर की समस्त कोशिकाओं की आपसी संचार व्यवस्था जो शरीर की क्रिया और प्रतिक्रिया को नियंत्रित करती है, उसे मशीन को सिखा कर उससे करवाना ही एआई का विकास है।

एक नया सवाल यह भी पूछा जाने लगा है कि क्या मशीनी बुद्धि के विकास का अगला चरण मशीन को चेतन बना सकेगा? क्या मशीनें कभी सही मायने में खुद सोच पाएंगी, समझ पाएंगी, या शायद सचेत हो पाएंगी? क्या वे तथाकथित "मानव बुद्धि की ऊंचाइयों" तक पहुँच पाएंगी? इसकी पृष्ठभूमि में एक और अस्पष्ट सवाल मंडराता रहता है कि अगर मशीन में चेतना आई तो क्या उसके हमारे खिलाफ हो जाने की नौबत आ सकती है? क्या वे मानव की प्रतिद्वंद्वी प्रजाति बन जाएगी? इस डर ने वर्षों से मानवीय कल्पनाओं को हवा दी है। इस विषय पर अनेकों उपन्यास लिखे गये और दर्जनों फिल्में बनी हैं जो अत्यंत लोकप्रिय तथा बॉक्स ऑफिस पर सफल हुई हैं। इससे आमजन में इस सवाल के जवाब पाने की उत्सुकता और बढ गई है कि क्या होगा यदि इस नई दुनिया में, एआई न केवल शब्द, बल्कि विश्वास, मिथक और शायद एक नई तरह की संस्कृति भी बनाना शुरू कर दे जो मानव इतिहास के पाठ्यक्रम को पूरी तरह से बदल सकती हो? मगर अधिकांश दार्शनिकों ने यह कहते हए इस विचार को खारिज कर दिया है कि एआई, मानव दिमाग की नकल और अनुकरण करके एक शानदार प्रदर्शन तो कर सकता है, किन्तु इसका खुद अपना दिमाग नहीं हो सकता है। दार्शनिक स्वेन न्यहोम ने एक दिन, चैटजीपीटी पर टाइप किया, मार्टिन हाइडेगर एआई की नैतिकता के बारे में क्या सोचते होंगे? कंप्यूटर ने तुरंत ही इस विषय पर एक बहुत ही प्रभावशाली लघु निबंध तैयार करके दे दिया। न्यहोम को उसे पढ कर स्वीकार करना पडा कि चैटजीपीटी ने जो लिख कर दिया है वह संभवत: बहुत से छात्रों की तुलना में बेहतर काम किया है। वर्ष 2023 में प्रकाशित यह किस्सा, कंप्यूटर के बडे भाषा मॉडल (एलएलएम) के विकास के दौरान बहुत शुरुआती चरण में आया था। अब तो किसी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर द्वारा लिखे गए पेपर और एक एआई द्वारा तैयार किए गए पेपर के बीच अंतर बताना लगभग असंभव लग सकता है। ऐसे में क्या आने वाले समय में मानव मस्तिष्क की हमारी असीम क्षमता कोई महत्व रख पायेगी? कुछ दार्शनिकों ने इस संकट को महसूस करना शुरू भी कर दिया है। इस बारे में गंभीर चर्चाएं भी हो रही हैं कि अगर मशीनें बिना किसी वास्तविक समझ के प्रभावशाली परिणाम देगी तब इंसान का क्या महत्व रह जाएगा? ऐसे दर्शनशास्त्री भी हैं जो मानते हैं कि जब एआई, मानव बुद्धिमत्ता को पूरी तरह से ग्रहण कर लेगा तो हमारा जगत ऐसे निष्क्रिय इंसानों के समाज में बदल जाएगा जो केवल अवकाश और मनोरंजन पर केंद्रित होगा। जब बाजार की ताकतों द्वारा संचालित मशीनें किसी भी डॉक्टर से बेहतर हमारा निदान करेंगी, पुस्तकों का अनुवाद करेंगी, बीथोवेन के मुकाबले सिम्फनी की रचना करेंगी, अभूतपूर्व दर्शन की रचना करेंगी और यहां तक कि हमारे अनुसरण के लिए नए गुरुओं और देवता भी बना देगी। तब बाज़ार नियंत्रित एआई "छवि निर्माण" करेगी जो हमारी प्रतिक्रियाओं को हमारी दिनचर्या में बदल देगी। यह यांत्रिक बुद्धि अब हर जगह पसार रही है, जो चुपचाप मानव अनुभव से उसकी गहराई को खत्म कर रही है। लगता है कि जैसे-जैसे मशीनी बुद्धि हमारी सोच पर ज़्यादा हावी होती चली जाएगी, हमारा मस्तिष्क आलसी, असंयत और, स्पष्ट रूप से, ऊबाऊ होने का जोखिम उठाने लगेगा। ऐसी दुनिया में जहां काम और संघर्ष अतीत की बातें हो जाएंगी तब हमारे अनुभव मनोरंजन और आनंद की खोज से ज़्यादा कुछ नहीं रह जाएंगे।

यह यांत्रिक बुद्धि अब हर जगह पसार रही है, जो चुपचाप मानव अनुभव से उसकी गहराई को खत्म कर रही है। लगता है कि जैसे-जैसे मशीनी बुद्धि हमारी सोच पर ज़्यादा हावी होती चली जाएगी, हमारा मस्तिष्क आलसी, असंयत और, स्पष्ट रूप से, ऊबाऊ होने का जोखिम उठाने लगेगा।

ऐसा भी कहा जा रहा है कि जब एआई से इंसानों जैसा दिमाग विकसित किया जा रहा है तब इंसान खुद अपना दिमाग मशीन जैसा बना रहा है? हम अपने दिमाग को मशीनों का प्रतिबिंब बनाने का जोखिम उठा रहे हैं, क्योंकि मानव मस्तिष्क और कंप्यूटर के बीच की रेखा दिन-प्रतिदिन धुंधली होती जा रही है। मगर इंसान कल्पना करता है, सोचता है और उसकी सोच, उसे अधिक बुद्धिमान और रचनात्मक बनाती है। सोचना मन की गणना संबंधी आदत होती है। एक ऐसा यांत्रिक चक्र है जो "अनुभव से शुरू होता है, जो स्मृति के रूप में मस्तिष्क की कोशिकाओं में संग्रहीत होकर ज्ञान बन जाता है; फिर स्मृति से, विचार होता है। अनुभव, स्मृति और ज्ञान की यह श्रृंखला, प्रतिक्रिया व पुनरावृत्ति से मजबूत होती है। हम इस आंतरिक भंडार के आधार पर कार्य करते हैं और प्रतिक्रिया करते हैं, उन क्रियाओं और प्रतिक्रियाओं से सीखते हैं, और अधिक अनुभव, स्मृति और ज्ञान इकट्ठा करते हैं। हमारा सोचना "स्मृति प्रतिक्रियाएं है, जो एक तरह की आंतरिक प्रोग्रामिंग है और कंप्यूटर के काम करने के तरीके से काफी मिलती-जुलती है। आखिरकार, कंप्यूटर भी तो जानकारी के इंसानी मस्तिष्क जैसे गोदाम होते हैं, जो सीखने और खुद को सुधारने का काम करते हैं। हालांकि वे इस चक्र को बिना सही मायने में 'सोचने' के चलाते हैं। तो क्या हम यह जानकर तसल्ली पा लें कि कम से कम हमारे वास्तविक, भौतिक अनुभव एक-दूसरे से अलग हैं? दलील दी जाती है कि कोई भी अल्ट्रा-स्मार्ट मशीन मानव रूप में नहीं आ सकती क्योंकि वह प्यार में नहीं पड सकती, चांद-सितारों को देखकर आहें नहीं भर सकती, न यह कह सकती है कि वाह क्या शानदार रात है! मगर हमारी देहधारी चेतना यह संभव करती है। तब हमारे सामने दो रास्ते होंगे। या तो हम लगातार मनोरंजन के आगे समर्पण कर देंगे या फिर हम उच्चतर चेतना के प्रति जागकर अपने दिमाग को तेज रखने का निर्णय लेंगे। आशावादी लोग सोच सकते हैं कि एआई के जरिए एक बार दिनचर्या से मुक्त होने के बाद मानव मस्तिष्क स्वाभाविक रूप से उच्च लक्ष्यों की ओर बढ जाएगा। किन्तु बहुतों को संदेह है कि यांत्रिक विचारों के लिए अनुकूलित मस्तिष्क बिना कुछ गंभीर प्रयास के अचानक तैयार हो जाएगा। इसलिए सलाह दी जा रही है कि हम अपने दिमाग को सक्रिय बनाए रखें और एक ऐसा अभ्यास सतत करें जो हमें मशीनों से अलग करता है, और उन गतिविधियों और क्षमताओं का पता लगाएं जो केवल सोचने से संभव हैं। हमारे दिमाग में और भी बहुत कुछ है जिसे कंप्यूटर कभी नहीं पकड सकते हैं। इसीलिए इन तकनीकों के उपयोग के नैतिक मूल्यों पर बात होती है। मशीनी बुद्धि पर गहरी चर्चा करते हुए दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक और अस्तित्वगत बदलाव की चिंता की जाती है। मशीन जब इंसानी बुद्धि की और ऊंचाइयां हासिल कर लेगी तब मनुष्य का दिमाग क्या करेगा? इस सवाल का जवाब यही दिया जा सकता है कि उसे जो अवकाश मिलेगा उससे वह चेतना की और उचाईयों को छूने का प्रयास करेगा। एक मानव चित्रकार अपने हर ब्रशस्ट्रोक को गहराई से महसूस करता है जबकि कंप्यूटर सॉफ़्टवेयर बिना किसी भावना के समान रूप से उत्तेजक कुछ बना सकता है? क्या इससे कोई फर्क नहीं पडने वाला?

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

प्रवासी दृष्टि: समाज, संस्कृति और सोच भारतीय समाज में बड़े होने का अभिशाप

डॉ. पंकज राजवंशी

जब भारतीय परिवार में पहला बेटा जन्म लेता है, तो उसके साथ ही एक अदृश्य बड़े होने का अधिकार उसे दे दिया जाता है। यह अधिकार, जिसे समाज और माता-पिता मिलकर पोषित करते हैं, शुरू में जिम्मेदारी के रूप में आता है। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, यह जिम्मेदारी बड़े होने का अभिशाप बन जाती है-एक ऐसा बोझ, जिसे उठाते हुए बड़े बेटे की व्यक्तिगत इच्छाएं और सपने कहीं खो जाते हैं।

बचपन से ही बड़े बेटे को सिखाया जाता है कि वह घर का सबसे समझदार और जिम्मेदार सदस्य है। माता-पिता और समाज उसे परिवार का नेता बनाते हैं। लेकिन यह नेतृत्व अक्सर बोझिल हो जाता है। छोटे भाई-बहनों की देखभाल, उनके भविष्य के लिए अपने सपनों का त्याग और माता-पिता की उम्मीदों पर खरा उतरने की लगातार कोशिश-यह सब मिलकर उसे न केवल थका देता है, बल्कि उसकी जिंदगी के हर पहलू को नियंत्रित करने लगता है।

माता-पिता बड़े बेटे को परिवार का आधार मानते हैं। तुम बड़े हो, तुम्हें समझना चाहिए, यह वाक्य बार-बार दोहराया जाता है। इससे वह बचपन से ही त्याग और जिम्मेदारी को अपना धर्म समझने लगता है। उसकी पढ़ाई, नौकरी, यहां तक कि जीवनसाथी का चयन भी अक्सर परिवार की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाता है। यह त्याग और बलिदान उसकी पहचान बन जाता है।

लेकिन समस्या तब शुरू होती है, जब यह बलिदान बाद में अनदेखा कर दिया जाता है। बड़े बेटे को लगता है कि उसने परिवार के लिए जो कुछ भी किया, उसका सम्मान नहीं हुआ। छोटे भाई-बहन, जो बड़े होने पर अपनी स्वतंत्रता चाहते हैं, उसके निर्देशों को नजरअंदाज करना शुरू कर देते हैं। मैंने तुम्हारे लिए इतना कुछ किया, और अब तुम मेरी बात भी नहीं मान सकते, यह वाक्य उन बड़े भाइयों की आम आवाज बन जाता है, जिन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा परिवार के लिए समर्पित कर दिया।

बड़ा भाई, जिसे बचपन से यह सिखाया गया था कि वह घर का मुखिया है, जब अपने छोटे भाई-बहनों की स्वतंत्रता की मांग को देखता है, तो उसे यह एक विद्रोह जैसा लगता है। वह इसे अपनी भूमिका और बलिदान के अपमान के रूप में लेता है। लेकिन छोटे भाई-बहनों के नजरिए से यह बड़े होने का अधिकार एक अनुचित दबाव और नियंत्रण का प्रतीक है।

माता-पिता भी इस स्थिति को जटिल बना देते हैं। वे बड़े बेटे से यह अपेक्षा करते हैं कि वह हर समस्या का हल निकाले और परिवार को एकजुट रखे। लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि इस भूमिका को निभाने में बड़ा बेटा भी भावनात्मक और मानसिक थकान का अनुभव कर सकता है।

समाज भी इस बड़े होने के अधिकार को और मजबूत करता है। बड़े बेटे को घर का नेता और रक्षक माना जाता है। लेकिन यह अधिकार धीरे-धीरे परिवार पर नियंत्रण की कोशिश में बदल जाता है। यह मैं बड़ा हूं, इसलिए मेरी बात मानो वाला दृष्टिकोण छोटे भाई-बहनों के साथ टकराव का कारण बनता है। अमेरिकी संस्कृति में यह स्थिति अलग है। वहां बड़े और छोटे भाई-बहनों के बीच समानता पर जोर दिया जाता है। बड़े भाई-बहन का रोल मॉडल बनना वहां स्वाभाविक है, लेकिन इसे किसी अधिकार या नियंत्रण के रूप में नहीं देखा जाता। वहां हर व्यक्ति अपने जीवन का मालिक होता है।

भारतीय समाज में यह मॉडल अब आधुनिक समय में विफल हो रहा है। छोटे भाई-बहन अपनी स्वतंत्रता और अधिकार चाहते हैं। वे अपने जीवन के फैसलों में बड़े भाई का हस्तक्षेप नहीं चाहते। लेकिन बड़ा भाई, जिसने परिवार के लिए अपना सब कुछ त्याग दिया, इसे अपना अपमान मानता है। इस बड़े होने के अधिकार को बदलने की जरूरत है। बड़े भाई को एक प्रेरणा स्रोत और सहयोगी बनाना चाहिए, न कि एक प्राधिकारी। माता-पिता को अपनी जिम्मेदारियां समान रूप से बांटनी चाहिए, न कि सब कुछ बड़े बेटे पर डाल देना चाहिए।

अगर बड़े होने के इस अधिकार को सही दिशा में मोड़ा जाए, तो यह परिवार में सम्मान और सामंजस्य का आधार बन सकता है। लेकिन अगर इसे उसी तरह रखा गया, जैसा यह सदियों से है, तो यह रिश्तों में दरारें पैदा करता रहेगा। बड़े होने का अभिशाप तभी समाप्त होगा, जब इसे अधिकार की जगह सम्मान और सहयोग का प्रतीक बनाया जाएगा।

–डॉ. पंकज राजवंशी
सिएटल (अमरीका) में
गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट।

लोयल से भुकाना सीमा तक बनाई गई सड़क डेढ़ महीने में ही क्षतिग्रस्त हुई

डेढ़ किलोमीटर लंबी सड़क 71 लाख रुपये की लागत से बनाई गई थी

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के लोयल गांव में बनाई गई सड़क में अनियमितता को लेकर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने बेहतर क्वालिटी से सड़क का निर्माण कार्य करवाने की मांग की है।

विरोध कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि लोयल से भुकाना सीमा तक बनाई गई सड़क महज डेढ़ महीने में क्षतिग्रस्त हो गई है, जिस पर ग्रामीणों ने घटिया सामग्री का उपयोग करने का आरोप लगाया है। यह सड़क लगभग 71 लाख रुपये की लागत से बनाई गई थी और डेढ़ किलोमीटर लंबी है। ग्रामीणों में इस सड़क के क्षतिग्रस्त होने से आक्रोश है तथा सड़क निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय जांच करवाने और फिर से सड़क का निर्माण करवाने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीण विद्याधर काजला, हवलदार रोहिताश काजला ने बताया कि सड़क के निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है, जिसके कारण यह सड़क जगह-जगह से टूट गई है। सड़क क्षतिग्रस्त होने से आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, जिसके निर्माण कार्य को लेकर जन प्रतिनिधियों से सड़क का निर्माण कार्य करवाने की गुहार लगाई तो राज्य सरकार की ओर से 71 लाख रुपए स्वीकृत कर सड़क का निर्माण कार्य शुरू करवा दिया, लेकिन सड़क का निर्माण कार्य कर रही ठेका कंपनी निर्धारित मापदंड के अनुसार सड़क का निर्माण कार्य नहीं करने से सड़क बनने के कुछ दिन बाद ही क्षतिग्रस्त होने लगी है। ऐसे में यदि सड़क का निर्माण में बेहतर क्वालिटी का उपयोग नहीं किया गया तो सड़क का निर्माण कार्य बंद करवा दिया जाएगा। इस दौरान ग्रामीणों ने इस सड़क की जांच करवाने और दोबारा से सड़क का निर्माण कार्य करवाने की मांग की है। इस मौके पर रामकिशन काजला, घीसाराम मीणा, राजेंद्र काजला, प्रकाश मेघवाल, कालूराम शर्मा, समदर सिंह चौहान, उम्मेद मेघवाल, समदर सिंह राजपूत सहित अनेक लोग मौजूद थे।

ग्रामीणों ने घटिया सामग्री का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

- **ग्रामीणों ने बेहतर क्वालिटी से सड़क का निर्माण कार्य करवाने की मांग की**

मथुरादास माथुर अस्पताल में ठेके पर लगे कर्मचारियों को तीन माह से वेतन नहीं मिला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के मथुरादास माथुर (एम.डी.एम.) अस्पताल में ठेका कंपनी की ओर से ठेके पर लगे कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने से भुखमरी की स्थिति बन गई है। ठेका कर्मचारियों को पिछले तीन माह से वेतन नहीं मिला है। कई बार एमडीएम अस्पताल प्रशासन को बताने के बावजूद कोई सुधार नहीं हुआ तो आखिरकार धरना देना शुरू कर दिया। इसके चलते अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

ठेका कर्मचारी महासंघ राजस्थान के अध्यक्ष तेजपाल ने बताया कि पूर्व में हमने अस्पताल अधीक्षक को ज्ञापन भी दिया था, जिसमें वेतन देने और कर्मचारियों को श्रम विभाग की गाइडलाइन के अनुसार एरियर देने की मांग भी की गई थी। वर्तमान में जनवरी 2023 से दिसंबर 2024 तक बकाया एरियर की राशि 16 हजार से अधिक की है। हमें बार बार वेतन पाने के लिए धरना देना पड़ रहा है। ठेका कंपनी राजदीप इंटरप्राइजेज कंपनी पर हॉस्पिटल प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

जानकारी के अनुसार अस्पताल में ठेका कंपनी राजदीप एंटरप्राइजेज को लेकर लंबे समय से कई बार शिकायतें भी की गई है। यहां पर काम करने वाले कर्मचारियों ने कई बार अस्पताल प्रशासन से इस कंपनी पर कार्रवाई की मांग भी की है।

उन्होंने ज्ञापन में बताया कि ठेका कंपनी की ओर से ना तो कर्मचारियों को समय पर वेतन दिया जा रहा है ना ही उनके बकाया एरियर का भुगतान किया जा रहा है, जबकि वेतन के अभाव में उन्हें परिवार चलाना भी मुश्किल हो रहा है। अस्पताल में लगे ठेका कर्मियों को प्रति माह के हिसाब से करीब सात हजार रुपये का भुगतान किया जाता है।

- **कई बार एमडीएम अस्पताल प्रशासन को बताने के बावजूद कोई सुधार नहीं हुआ तो ठेका कर्मचारियों ने वेतन नहीं मिलने पर धरना देना शुरू किया**
- **वेतन के अभाव में ठेका कर्मचारियों को परिवार चलाना भी मुश्किल हो रहा है**

लेक्चरर के रूप में प्रमोट हुए टीचर्स के काउंसलिंग कार्यक्रम में बदलाव

बीकानेर, (निसं)। राज्य के सरकारी सीनियर सेकंडरी स्कूल में लेक्चरर के रूप में प्रमोट हुए टीचर्स के काउंसलिंग के कार्यक्रम में फेरबदल हो गया है। अब दस जनवरी से माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में काउंसलिग की जाएगी।

शिक्षा निदेशालय ने 19 दिसम्बर को बड़ी संख्या में टीचर्स को लेक्चरर के रूप में प्रमोट किया था। तब इन टीचर्स को यथावत ही कार्यभार ग्रहण करवा दिया गया था लेकिन अब इनकी काउंसलिंग के आधार पर पोस्टिंग होगी। इसके लिए पूर्व में जारी कार्यकम को बदलते हुए नया कार्यक्रम तय किया गया है। इसमें दस जनवरी को प्राथमिकता श्रेणी के साक्ष्य एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। अंतिम रूप से वरीयता सूची का प्रकाशन और रिक्तियों का प्रकाशन किया जाएगा। 11 जनवरी से 16 जनवरी के बीच वरीयता सूची के आधार पर चयन और ऑप्शन लॉक करने का अवसर दिया जाएगा। रात बारह बजे तक चयन और ऑप्शन लॉक करने का अवसर मिलेगा। इसके बाद इसके बाद बीस जनवरी को विकल्प के आधार पर एनआईसी की ओर से शाला दर्पण जयपुर और बीकानेर में रिजल्ट तैयार किया जाएगा। 22 जनवरी को इन टीचर्स के काउंसलिंग रिजल्ट के आधार पर पदस्थापन किया जाएगा। उधर, शिक्षक संगठनों का आरोप है कि सभी स्कूल के रिक्त पद नहीं खोले जा रहे हैं। ऐसे में दूरस्थ विद्यालयों के ही रिक्त पद खोलने से टीचर्स को शहर और शहर के नजदीक के विद्यालय नहीं मिल रहे हैं।

- **अब दस जनवरी से होगी काउंसलिंग, सभी रिक्त पद सार्वजनिक नहीं हो रहे**

रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया

कोटा, (निसं)। मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा ने कोटा-बस्सी बेरीसाल रेल खण्ड का संरक्षा विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। डीआरएम ने विशेष रूप से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित बूंदी एवं मांडलगढ़ स्टेशन के निर्माण कार्यों की समीक्षा की। बूंदी एवं मांडलगढ़ रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य क्रमश: 7.62 करोड़ एवं 5.47 करोड़ की लागत से तैयार हो चुका है। डीआरएम ने पुनर्विकसित उक्त स्टेशनों पर निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं स्टेशन परिसर पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया।

राशिफल

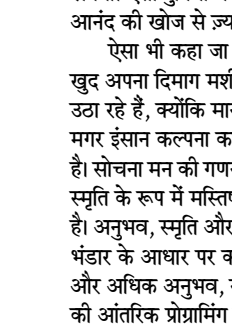

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 8 जनवरी, 2025

पौष मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, अश्विनी नक्षत्र सायं 4:30 तक, सिद्ध योग रात्रि 8:23 तक, कौलव करण दिन 2:26 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-धनु, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। कुमार योग दिन 2:26 से सायं 4:30 तक रहेगा। आज श्री हरि जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:57 तक, शुभ 11:15 से 12:33 तक, चर 3:09 से 4:27 तक, लाभ 4:27 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:45

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। आज नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

तुला

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे।

धनु

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

व्यावसायिक परेशानियों से राहत मिलेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

जिलास्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

सीकर (निसं)। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिला कलेक्टर ने बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारियों को सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों एवं ई-फाइल का समयबद्ध डिस्पोजल करने के निर्देश दिये।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को सम्पर्क पोर्टल, ई-फाईल डिस्पोजल में समय कम लगाने के संबंध में निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जिले में मुख्यमंत्री बजट घोषणाओं के संबंध में सभी अधिकारी अपने-अपने विभाग की भू आवंटन की प्रगति अपलोड़ करवायें। उन्होंने बजट घोषणाओं का त्वरित क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ई-फाइलों का समय पर निस्तारण नहीं करने वाले अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने 12 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाले रोजगार उत्सव के जिला स्तरीय कार्यक्रम के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने शीतलहर के मध्यनजर गौशालाओं में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने, खुले बोरवेल एवं ट्यूबवेलों को बंद कर सर्टिफिकेट लेने, सड़क सुरक्षा माह के तहत सड़क दुर्घटनाएं कम करने के लिए आवश्यक गतिविधियां आयोजित करने तथा राइजिंग राजस्थान के तहत जिले में हुए एमओयू के संबंध में आ रही समस्याओं का संबंधित विभाग द्वारा निस्तारण करने, हर्ष पर्वत पर पर्यटन संबंधित आधारभूत व्यवस्थाएं विकसित करने, रोडवेज डिपो में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने, सीएसआर फंड के तहत खेलकूद की आधारभूत व्यवस्थाएं विकसित करने, पीएम सूर्यघर मुक्त बिजली योजना की प्रगति बढ़ाने, बजट घोषणा के तहत धोद एवं खंडेला में बनने वाले रोडवेज डिपो के लिए भूमि आवंटन करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित।

उन्होंने गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित करने के लिए सिर्फ योग्य एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले

■ चाइनीज मांझा बेचने पर दर्ज होगा मुकदमा

अधिकारियों एवं कार्मिकों के प्रस्ताव ही भेजें जाए।

चाइनीज मांझा बेचने पर दर्ज होगा मुकदमाः- जिला कलेक्टर शर्मा ने निर्देशित किया कि शहर में किसी भी दुकानदार के पास चाइनीज मांझे का स्टॉक मिलने पर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्यवाही करें। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर भावना शर्मा ने सीएमओ एवं लाईट्स पोर्टल के प्रकरणों का समयबद्धता से निस्तारण करने तथा कंटेंप्ट आफ कोर्ट के मामलों में रिप्लाई फाइल करने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम सिटी भावना शर्मा, जिला परिषद के सीईओ राजपाल यादव, यूआईटी सचिव जेपी गौड़, अधीक्षण अभियन्ता विद्युत अरूण जोशी,जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी चुन्नी लाल भास्कर, डीईओ शीशराम कुलहरि, सीपीओ अरविन्द सामौर, उप निदेशक डॉ अनिल कुमार सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल महोदय के नाम ज्ञापन सौंपा

रतनगढ़,(निसं)। विधायक पूसाराम गोदारा के निर्देशानुसार शहर अध्यक्ष तरुण चाकलान व देहात अध्यक्ष भानीराम मेघवाल के नेतृत्व में शहर एवं देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश की वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा जो जनता के हितों पर कुठाराघात करते हुए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा घोषित सीकर सहित तीनों संभागों व 9 जिलों को निरस्त किया गया है उससे क्षेत्र सहित प्रदेश के विकाश को अवरुद्ध करने का जनविरोधी कृत्य किया गया है उसके विरोध में तहसील मुख्यालय, रतनगढ़ स्थित उपखण्ड कार्यालय में माननीय राज्यपाल महोदय के नाम ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में सीकर को पुनः संभाग का दर्जा देने की माँग की गई। उक्त विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेशचंद्र इंदौरिया पूर्व शहर अध्यक्ष अरविंद चाकलान, जिला महामंत्री सुरेंद्र हुड्डा, शहर संगठन महामंत्री रोहित लाटा, पूर्व चेयरमैन रमेश कुमावत, राजलदेसर मण्डल अध्यक्ष जब्बार खोखर, पार्षद राजेंद्र बबेरवाल, मुख्तियार खान, युधिष्ठिर जोशी, राजेश गहलोत, अब्बास गोरी, दिनेश कुमावत,जसकरण गौड़, निरंजन ताम्रायत महेंद्र सैनी, अजय बंसिया, रामवीर राईका,भागीरथ खीचड,सेहला मण्डल अध्यक्ष रणजीत खोत, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

सार-समाचार

श्रीमदभागवत कथा में उमड़ी भीड़

सादुलपुर, (निसं)। श्री रामदेव मन्दिर प्रांगण राजगढ में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में मंगलवार को दर्शकों की खूब भीड उमडी। शाम पांच बजे दी जानकारी में कथावाचक रमाकांत गोस्वामी महाराज ने मंगलवार को जरासंध की कथा विस्तृत रूप से सुनाई। उन्होंने बताया कि भगवान अपने-अपने भक्तों को बचाने के लिए अपने हाथ की सबसे छोटी अंगुली पर गिरिराज पर्वत को उठाकर भयंकर बारिश से बचा लिया। जिसमें सभी बृज वासियों ने डंडे और लाठियों से पर्वत को उठाने में सहयोग किया। उन्होंने बताया कि भगवान श्री कृष्ण सभी बृज वासियों को अपने परिवार सदस्यों की तरह मानते थे, कोई भेद नहीं करते थे, इसलिए हम सभी को भी जाति पाती के भेद को मिटाकर एकजूट होकर अपने राष्ट्र निर्माण और भारतीय सभ्यता और संस्कृति रहेगी। उन्होंने कहा कि ताकि इस राष्ट्र को विकसित, संस्कारित, सुरक्षित, शिक्षित और शक्तिशाली बनाया जा सके।

जरूरतमंद बच्चों को स्वेटर वितरित किए

पाटन । मेहता हॉस्पिटल कोटपूतली के डायरेक्टर और युवा जनजाति समिति के संयोजक डॉक्टर दिलीप यादव ने अपनी बेटी शौर्वी के जन्मदिन पर एक अनूठी पहल की। डॉ दम्पति द्वारा पाटन कस्बे के निकट राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, छाजा की नांगल में आयोजित कार्यक्रम में जरूरतमंद बच्चों को स्वेटर वितरित कर बेटी का जन्मदिन मनाया । यह पहला मौका नहीं है जब डॉक्टर यादव ने इस तरह की पहल की है। पिछले वर्ष भी उन्होंने अपनी बेटी के जन्मदिन पर सरकारी विद्यालयों में स्वेटर वितरित कर, समाज सेवा के इस कार्य को जारी रखा था।

इतिहास विभाग की संगोष्ठी कार्यशाला आयोजित

रतनगढ़,(निसं) ।राजकीय महाविद्यालय,रतनगढ़ में इतिहास विभाग की संगोष्ठी और कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। प्रथम दिन भारतीय संस्कृति के मूल आधार विषय पर परिचर्चा हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ ए के सक्सेना ने की।इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ मरियम बानो ने मुख्य विषय का परिचय देते हुए भारतीय संस्कृति को महान बताया।

गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच 9 जनवरी को

सीकर । चिकित्सा विभाग की ओर से 9 जनवरी को गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की जाएगी। इस दिन संस्थाओं में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया जाएगा। यह दिवस माह में तीन बार मनाया जाता है। विभाग की ओर से 9, 18 व 27 तारीख को सभी चिकित्सा संस्थानों में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की जाती है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ निर्मल सिंह ने बताया कि गर्भावस्था व प्रसव के दौरान जोखिम को कम करने के लिए प्रत्येक माह विभाग की ओर से सभी राजकीय चिकित्सा संस्थानों में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया जाता है। इसके तहत सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, एसडीएच और जिला अस्पताल में गर्भवती महिलाओं की जांच की जाती है। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ छोटेलाल गढवाल ने बताया कि चिकित्सा संस्थानों पर गर्भवती महिलाओं की हिमोग्लोबिन, एचआईवी, सिफलिस, ब्लड प्रेशर, तापमान की जांच, हृदय स्पंदन व प्रसव से संबंधित जटिलताओं की जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि पीसीटीएस पर पंजीकृत गर्भवती महिलाओं की एलएमपी तारीख के अनुसार दूसरी या तीसरी तिमाही में प्रत्येक माह की 9, 18 व 27 तारीख को आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री मातृत्व अभियान दिवस पर आवश्यक जांच के साथ साथ सोनोग्राफी जांच करवाने के लिए क्यूआर कोड युक्त कूपन भी दिया जाएगा। इस कूपन के माध्यम से गर्भवती महिला विभाग से अधिकृत किसी भी निजी सोनोग्राफी केंद्र पर अपनी सोनोग्राफी जांच निःशुल्क करवा सकती है। इसके अलावा पूर्व की भांति सरकारी सोनोग्राफी सेंटर पर निशुल्क सोनोग्राफी जारी है। यह वाउचर एक माह तक वैलिड रहता है।

लोहा की बेटी का राजस्थान हैंडबॉल में चयन

रतनगढ़ । समाचार जगत ब्यूरो।जिले के हैंडबॉल भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र के कोच सुमन पूनिया ने जानकारी दी है कि साई सेंटर लोहा से राज कंवर पुत्री श्री सुरेन्द्र सिंह का 17 वर्षीय स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा युवा सेवा और खेल निदेशालय तेलंगाना में आयोजित हो रहे 68वें राष्ट्रीय स्कूल खेल हैंडबॉल प्रतियोगिता 17 वर्षीय में राजस्थान की टीम से राज कंवर अपने खेल का लोहा मनवायेगी। इस उपलब्धि पर बाल साध्वी हेमलता बाईराम, साई सेंटर के इंचार्ज अयूब खान लोहा गांव के सरपंच भंवरलाल पूनिया और पंचायत समिति सदस्य राजेश रुलानिया, पूर्व साई इंचार्ज कुलदीप व्यास, हैंडबॉल एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष शशि गौड़, सेवानिवृत शारीरिक शिक्षक रवि गौड़, शिक्षक संघ अंबेडकर के जिलाध्यक्ष शिवाराम मेघवाल, सहित सभी खेल प्रेमियों ने बधाई और शुभकामनाएं देकर खुशी मनाई।

राजस्थान में पत्रकारों के साथ हुई बदसलूकी व पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग

■ नीमकाथाना पत्रकार समिति ने एडीएम को सौंपा ज्ञापन

पाटन । नीमकाथाना पत्रकार समिति ने पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या की निष्पक्ष जांच व पत्रकार सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर प्रधानमंत्री व राजस्थान में पत्रकारों को समाचार कवरेज के दौरान सुरक्षा एवं स्वतंत्रता सुनिश्चित करने को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एडीएम भागीरथ साख को ज्ञापन सौंपा हैं। सचिव मनीष टांक ने बताया कि बस्तर जिले के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हाल ही में हुई निर्मम हत्या ने पत्रकार समुदाय और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले प्रत्येक नागरिक को गहरे आघात में डाल दिया है। मुकेश चंद्राकर भ्रष्टाचार और अन्य सामाजिक मुद्दों को उजागर करने में सक्रिय थे। उनकी हत्या इस बात का स्पष्ट संकेत है कि समाज में सच्चाई की आवाज को दबाने के लिए हिंसा का सहारा लिया जा रहा है। पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। यदि सच्चाई को उजागर करने वाले पत्रकार सुरक्षित नहीं रहेंगे, तो समाज में पारदर्शिता और जवाबदेही समाप्त हो जाएगी। इस घटना ने देश के पत्रकार समुदाय में भय और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। समिति ने मांग की है कि मुकेश चंद्राकर की हत्या की सीबीआई या एसआईटी के माध्यम से निष्पक्ष जांच कराई जाए। इस मामले में दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कठोर दंड दिया जाए। देश भर में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए एक सशक्त कानून बनाया जाए। भ्रष्टाचार और सामाजिक बुराइयों को उजागर करने वाले पत्रकारों को सरकारी स्तर पर संरक्षण और प्रोत्साहन प्रदान किया जाए। इस घटना से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता और उनके बच्चों की शिक्षा एवं भविष्य की जिम्मेदारी सरकार द्वारा उठाई जाए। वहीं राजस्थान के समस्त पत्रकार एवं मीडियाकर्मी, आपको यह ज्ञापन सौंपते हुए गहरी चिंता व्यक्त कर रहे हैं कि हाल ही में राज्य में पत्रकारों के साथ हुई घटनाओं ने हमारे स्वतंत्र और निष्पक्ष कार्य पर गंभीर प्रभाव डाला है। विशेष रूप से, कोटपुतली में बोरवेल में गिरी बच्ची को रेस्क्यू और सरिस्का में बाघ को ट्रेंकुलाइज करने की घटनाओं की कवरेज के दौरान प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारियों द्वारा पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार किया गया। इस प्रकार की घटनाओं की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पत्रकारों को समाचार कवरेज के दौरान सुरक्षा और स्वतंत्रता प्रदान करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

बस स्टैंड पर प्याऊ मय वाटर कूलर का उद्घाटन

सादुलपुर, (निस)। खारियाबास के बस स्टेण्ड पर मंगलवार को जाखड परिवार के स्वर्गीय चौधरी उम्मेदसिंह जाखड (मिस्त्री) की पुण्य स्मृति में उनके सुपौत्रों द्वारा विमला देवी की प्रेरणा से निर्मित प्याऊ मय वाटर कूलर का उद्घाटन उनकी सुपौत्री रिया चौधरी सुपौत्र मोहित जाखड के कर कमलों से गाँव के गणमान्यजनों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। जिला ग्राम विकास संयोजक एवं आयुष योग प्रशिक्षक योगाचार्य नरेन्द्र भारतीय ने वैदिक वंदना प्रस्तुत कर वैदिक आर्ष ज्ञान साहित्य वैदिक संसार विशेषांक भेंट कर जल मंदिर से लोक सेवा की महत्ता को रेखांकित किया। वहीं फौजी प्रमोद कुमार जाखड एएनएम गायत्री देवी एवं सुरजीतसिंह ने सभी का स्वागत कर आभार जताया तथा मुकेश मील ने सभी का तिलकार्चन किया।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), उत्तर पश्चिम रेलवे, बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से बीकानेर मण्डल पर Advertisement - out of Home, Advertisement - on station premise Non- Digital, Advertisement - Train Exterior (Below window), parking ठेको के लिए ई-ऑक्शन प्रारम्भ किये गये है जिनका विवरण निम्न प्रकार है। **1) केटलॉग संख्या: Adv-OOH-BKN-28. कार्य का नाम व स्थान:** 1. Advertisement - out of Home at :- सादुलपुर, गजसिंहपुर,रामा, श्रीविजयनगर, रामपुरबेरी, राजलदेसर, बीकानेर, नोहर, अनुपगढ। 2. Advertisement - on station premise Non- Digital at भिवानी, सिरसा। **ई-ऑक्शन की दिनांक व समय:** दिनांक: **09.01.2025** समय **15.30** बजे ई-ऑक्शन होगा। **2) केटलॉग संख्या: Adv-VW-BKN-04. कार्य का नाम व स्थान:** 1. Train No. 04702/01 LGH-ABS Special, 04771/72 BTI-APH SPL, 04783/84 BTI-SSA SPL, 14722/21 ABS-JU EXP (DAILY) 2. Train No. 04705/06 [SGNR- JP TOD SPL] SGNR-JP, 04753/54 [BTI- SGNR PASSENGER] BTI-SGNR, 04755/56 [BTI-SGNR PASSENGER] BTI- SGNR, 04765/66 [DUI-BTI PASSENGER] DUI-BTI, 14735/36 [SGNR- . UMB EXP] SGNR-UMB (Daily) 3. Train No. 14727/28 [SGNR TKJ EXP] SGNR -TKJ, 14737/38 [BHIWANI TKJ EXP] BNW-TKJ (Daily). 4. Train No. 04759/60 [SGNR-SOG PASSENGER] SGNR-SOG, 04761/62 [SGNR-SOG PASSENGER] SGNR-SOG, 04763/64 [SDLP-SGNR PASSENGER] SDLP-SGNR, 04767/68 [HMH-SGNR PASSENGER] HMH- SGNR, 04769/70 [HMH-SGNR PASSENGER] HMH-SGNR, 04773/74 [SGNR-SOG PASSENGER] SGNR-SOG, 04775/76 [SDLP-HMH PASSENGER] SDLP-HMH, 04777/78 [SDLP-HMH PASSENGER] SDLP- HMH, 04779/80 [SGNR-SOG PASSENGER] SGNR-SOG (Daily). 5. Train No. 12439/40 [NED-SGNR EXP VIA HMH] NED-SGNR (Weekly), - 12485/86 [NED SGNR EXP] NED-SGNR (Twice in Week). **ई-ऑक्शन की दिनांक व समय:** दिनांक: **10.01.2025** समय **15.30** बजे ई-ऑक्शन होगा। **EAPARKING 21-** भिवानी, सिरसा प्रथम प्रवेश द्वारा, गजसिंहपुर, जैतसर, हांसी रेलवे स्टेशनों पर साईकल, स्कूटर, मोटर साईकल, कार पार्किंग स्टेण्ड। **ई-ऑक्शन की दिनांक व समय:** दिनांक: **15.01.2025** समय **11.00** बजे ई-ऑक्शन होगा। अन्य सूचना एवं नियम व शर्तो के लिये **I R E P S** की वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर लॉगिन करे।

20-AR/25

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान चूरू जिले में बढ़े 25 हजार मतदाता

■ जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा ने प्रेस वार्ता कर दी फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी

चूरू । अर्हता दिनांक 01 जनवरी 2025 के संदर्भ में मतदाता सूचियों के संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के बाद मंगलवार को हुए अंतिम प्रकाशन के अनुसार जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 16 लाख 81 हजार 767 हो गई। जिला निर्वाचन अधिकारी व जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने मंगलवार को डीओआईटी वीसी सभागार में हुई प्रेस वार्ता के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मतदाता सूचियों के संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान कुल 32 हजार 916 नाम मतदाता सूची में जोड़े गये तथा 7 हजार 914 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से विलोपित किये गये। जिले में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 में 14 हजार 807 पुरुष, 18 हजार 108 महिला व 01 तृतीय लिंग मतदाता सहित कुल 32 हजार 916 मतदाताओं के नाम जोड़े गए तथा 4059 पुरुष एवं 3855 महिला मतदाताओं के नाम विलोपित किए गए। अंतिम प्रकाशन के अनुसार जिले में 8 लाख 74 हजार 151 पुरुष मतदाताओं, 8 लाख 07 हजार 605 महिला मतदाता एवं 11 तृतीय लिंग मतदाताओं सहित कुल 16 लाख 81 हजार 767 मतदाता पंजीकृत हैं। उन्होंने बताया कि प्रकाशित प्रारूप के अनुसार जिले के सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र में 130890 पुरुष व 122402 महिला, 01 तृतीय लिंग मतदाता सहित कुल 253293 मतदाता, तारानगर विधानसभा क्षेत्र में 140168 पुरुष, 128883 महिला व 03 तृतीय लिंग मतदाता सहित कुल 269054 मतदाता, सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र में 164119 पुरुष, 149042 महिला व 03 तृतीय लिंग मतदाता सहित कुल 313164 मतदाता, चूरू विधानसभा क्षेत्र में 135302 पुरुष, 127790 महिला व 02 तृतीय लिंग मतदाता सहित कुल 263094 मतदाता, रतनगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 147718 पुरुष, 136456 महिला व 01 तृतीय लिंग मतदाता सहित कुल 284175 मतदाता तथा सुजानगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 155954 पुरुष, 143032 महिला व 01 तृतीय लिंग मतदाता सहित कुल 298987 मतदाता पंजीकृत हैं। सुराणा ने बताया कि मंगलवार को हुए मतदाता सूचियों के अंतिम प्रकाशन के अनुसार जिले का लिंगानुपात 924 हो गया है। इस प्रकार संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान जिले में लिंगानुपात में 5 की वृद्धि हुई है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अर्पिता सोनी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं निर्वाचन विभाग, राजस्थान-जयपुर द्वारा अर्हता दिनांक 01 जनवरी 2025 के संदर्भ में फोटोयुक्त मतदाता सूचियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 निर्धारित किया गया था। उन्होंने बताया कि जिले में दिनांक 01 जनवरी, 2025 की अनुमानित जनसंख्या के अनुसार लिंगानुपात 923 है, जिसके विरूद्ध मतदाता सूची में पंजीकृत मतदाताओं का दिनांक 07 जनवरी 2025 को लिंगानुपात 924 है।

छत्रर सिंह बोथरा परिवार ने की जरूरतमंद व्यक्तियों को कंबल की वितरित

राजलदेसर । राजलदेसर युवा विकास समिति की प्रेरणा से स्वर्गीय किरण देवी बाबूलाल बोथरा की स्मृति में उनके सुपुत्र छत्रर सिंह बोथरा के द्वारा 240 जरूरतमंद परिवार जनों को उच्च क्वालिटी की गरम कंबल वितरित की गई।

बाजोरिया सत्संग हॉल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तहसीलदार जितेंद्र सिंह, थाना प्रभारी कमलेश सैनी, बोथरा परिवार के प्रतिनिधि भेरूदान गीड़िया , भाजपा नगर अध्यक्ष पवन बोथरा, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर हीरालाल सोनी, युवा विकास समिति के अध्यक्ष रतनलाल बारूपाल,पूनम चंद्र गर्ग, शंकर लाल खडोलिया, दीनदयाल स्वामी आदि के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया इस अवसर पर तहसीलदार जितेंद्र सिंह ने कहा और राजलदेसर युवा विकास समिति के प्रेरणा से भामाशाह छत्रर सिंह बोथरा परिवार की ओर से जो प्रतिवर्ष सर्दी के मौसम में जरूरतमंद परिवार जनों को कंबल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है बहुत पुण्य का कार्य है साथ ही उन्होंने राजलदेसर कस्बे में इसी तरह नरसेवा को नारायण सेवा की तरह कार्य करते रहने की बात कही । थाना प्रभारी कमलेश सैनी ने कहा राजलदेसर कस्बा भामाशाह की नगरी है यहां के भामाशाह प्रवासीगण अपनी मातृभूमि पर रहने वाले जरूरतमंद परिवार की इतनी चिंता रखते हैं जो कि प्रतिवर्ष कुछ न कुछ कार्यक्रम यहां पर आयोजित होते रहते हैं उन भामाशाह के लिए मेरे पास कोई शब्द नहीं है उन्होंने बोथरा परिवार की प्रशंसा करते हुए कहा कि सर्दी के मौसम में कंबल वितरित करके बहुत ही पुण्य का कार्य किया है कार्यक्रम के दौरान पशु चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर हीरालाल सोनी ने बोथरा परिवार की प्रशंसा की एवं राजलदेसर युवा विकास समिति के द्वारा कस्बे में कराए जा रहे हैं कार्यों की प्रशंसा की ।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 2/2025
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूकिं श्री देवेन्द्र कुमार पुत्र श्री रमेश चन्द्र निवासी, ग्राम रूकनसर तहसील रामगढ़ शेखावटी जिला सीकर राज. ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1950 की धारा 17(1) के अन्तर्गत महात्मा शेरनाथ जी गौशाला समिति, श्री नाथ जी का आश्रम, ग्राम रूकनसर, तहसील रामगढ़ शेखावाटी, जिला सीकर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युका प्रन्यास जिसकी जाचं की जा रही है। में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां। यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तिया नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रासित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 07.01.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 11.03.2025

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवास्थान विभाग, जयपुर

कार्यालय नगरपालिका तारानगर (चूरू) राज.
Office Telephone No. 01561-240245 , E-mail- eotrn2009@gmail.com

क्रमांक :/न.पा.ता./2024/4972-76 दिनांक :-03.01.2025

ई- निविदा सूचना 8/2024-25

सर्व साधारण एवं पंजीकृत ठेकेदारो/फर्मो की जानकारी हेतु प्रसारित किया जाता है कि तारानगर नगरपालिका क्षैत्र मे नगरपालिका तारानगर स्वीकृत कार्य ऑन लाईन निविदाऐ आंमत्रित की जाती है। नगरपालिका तारानगर द्वारा नगरपालिका,राज्य व केन्द्र सरकार के सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो को कार्य हेतु पंजीकृत संवेदको से टेण्डर के माध्यम से दिंनाक 03.01.2025 से दिंनाक 21.01.2025 को निविदा ऑनलाईन आमंत्रित की जायेगी। जिसकी निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण व शर्ते वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No DLB2425A4756
Amount :- 73.92 Lakh

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका तारानगर

राज.संवाद/सी/24/9950

साधारण सभा में हाई मास्क लाइटों को बदलकर नई लगाने की उठी मांग

■ खेतड़ी नगर पालिका में साधारण सभा की बैठक का हुआ आयोजन

खेतड़ी , (निसं) । खेतड़ी नगर पालिका परिसर में मंगलवार को पालिका की साधारण सभा की बैठक आयोजन किया गया। पालिका अध्यक्ष गीता देवी सैनी की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर आगामी विकास कार्यों को लेकर चर्चा की गई।

बैठकमें पार्षद हरमेंद्र चनानिया ने बताया कि नगरपालिका की ओर से कस्बे के मुख्य स्थानों पर हाई मास्क लाइटें लगाई गई थी, जिनमें कुछ लाइटें खराब होने पर उन्हें ठीक नहीं करवाया गया, जिससे कई स्थानों पर अंधेरा हो रहा है। जिसको लेकर खराब लाइटें बदलकर नई लाइटें लगाई जाए। इसके अलावा कस्बे में सीवरेज के कार्य के दौरान कस्बे के अधिकांश स्थानों पर सड़कों का दुरतीकरण नहीं किया गया, जिससे आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा। ऐसे में सीवरेज ठेका कंपनी को निर्देश देकर जल्द सड़कों को दुरुस्त करवाया जाए। पालिका अध्यक्ष गीता देवी सैनी ने बताया कि खेतड़ी के विकास को लेकर नगरपालिका की ओर से बेहतर कदम उठाए जा रहे है। खेतड़ी रियासत कालीन समय में पूरे विश्व में विख्यात थी, लेकिन धीरे-धीरे खेतड़ी का अस्तित्व खतरे में आ गया था। सरकारों की उदासीनता के चलते खेतड़ी पर्यटन के रूप में विकसित नहीं हो पाई। अब खेतड़ी को पर्यटन के रूप में विकसित करने के लिए बेहतर प्रयास किए जा रहे है तथा जल्द ही खेतड़ी को पर्यटन के रूप में विकसित कर क्षेत्र के लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए जाएंगे। स्वामी विवेकानंद व राजा अजीत सिंह की प्रेरणा से खेतड़ी विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। खेतड़ी का ऐतिहासिक अजीत विवेक संग्रहालय युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहा है।

पालिका अध्यक्ष गीता देवी सैनी की अध्यक्षता में हुई बैठक हुई ।

इस दौरान नगरपालिका का विस्तार होने के साथ राजोता, नानूवाली बावड़ी व बीलवा रोड़ पर मुख्य द्वार बनाने का निर्णय लिया गया। इस दौरानबैठकमें ईओ नागरमल गुर्जर, लीलाधर सैनी, राहुल सैनी, मोहन राजोरिया, सुगनचंद, गोकुलचंद, वेणी शंकर, अरूण, पार्षद सुनीता देवी, निर्मला देवी, मोहम्मद हारून, सुनीता देवी, हरमेन्द्र चनानिया, प्रियंका देवी, सोनी देवी, रामकला यादव, संगीता वर्मा, संतोष देवी, नगेंद्र सिंह सोढा, मोहनलाल सैनी, कृष्ण कुमार सहित अनेक लोग मौजूद थे।

खेलकूद प्रतियोगिता आज से

सादुलपुर, (निसं)। स्व कोच मनोज कुमार पूनिया की तृतीय पुण्य तिथि पर आदर्श स्पोर्ट्स एंड डिफेंस एकेडेमी, झुंझुनू पिलानी बाई पास पर राजगढ में छात्र-छात्रा वर्ग की अलग-अलग रेस (दौड) 08 जनवरी को होगी। छात्र वर्ग 1600 मीटर रेस में प्रथम को 2100, द्वितीय को 1100 व तृतीय को 500 रुपये नगद दिए जाएंगे। उधर 400 मीटर रेस में प्रथम 1100, द्वितीय 500 व तृतीय को 300 रुपये मिलेंगे। तथा छात्रा वर्ग में 1500 मीटर में प्रथम को 2100 रुपये द्वितीय को 1100 रुपये तथा तृतीय को 500 रुपये दिए जाएंगे। कृष्ण पूनिया जनाऊ ने बताया कि छात्रा वर्ग 200 मीटर दौड में प्रथम 1100, द्वितीय 500 तथा तृतीय 300 रुपये मिलेंगे।कोच जेपी पूनिया ने बताया कि बूढा दौड भी होगी जिसका इनाम हुक्का व कली आदि प्रदान किये जायेंगे। दिवंगत मनोज कुमार पूनिया की पुण्य स्मृति में आयोजित इस दौड प्रतियोगिता में बालक बालिकाएं उत्साह से भाग लेंगे। ये प्रतियोगिता आदर्श स्पोर्ट्स एवं डिफेंस एकेडेमी में प्रातः 11 बजे होगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे

हॉल्ट एजेंट हेतु आमंत्रण सूचना

निविदा सं.: 91 आर बी /हॉल्ट एजेंट / नोटिस / 2025, दिनांक 06.01.2025.

कमीशन आधार पर हॉल्ट एजेंट की नियुक्ति हेतु जन सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य) उत्तर पश्चिम रेलवे, बीकानेर मण्डल के निम्नलिखित हॉल्ट स्टेशन के संचालन हेतु पाँच वर्ष की अवधि के लिए हॉल्ट स्टेशन क्षेत्र के स्थानीय निवासियों से, जो उस जिले के निवासी हो, जिसमे हॉल्ट स्टेशन स्थित है, तथा जो कमीशन आधार पर हॉल्ट एजेंट के रूप में कार्य करने के इच्छुक हो, से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

क्रम. सं.	हॉल्ट स्टेशन का नाम
1.	हांसियावास
2.	सिरसला
3.	नलोई बरवा

आवेदक की आयु कम से कम 18 वर्ष दिनांक 05.02.2025 तक तथा दसवी पास हो। आवेदन पत्र मण्डल रेल प्रबन्धक, (वाणिज्य) उत्तर पश्चिम रेलवे, बीकानेर मण्डल कार्यालय में दिनांक 05.02.2025 को 17 बजे तक पहुँच जाने चाहिए। दिनांक 05.02.2025 (05 फ़रवरी 2025) के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।

प्रार्थी आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण पत्र संलग्न करेंगे (स्वयं द्वारा सत्यापित)

(1) दसवी पास शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र।
(2) आयु का प्रमाण पत्र (18 वर्ष से अधिक)
(3) सरकारी अस्पताल के द्वारा जारी किया गया स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जिसमे स्पष्ट हो कि उनमे कार्य करने की क्षमता है तथा वे किसी बीमारी से पीड़ित नहीं है।
(4) पुलिस सत्यापन प्रमाण पत्र।
(5) स्थानीय निवासी का जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट से जारी मूल निवास प्रमाण पत्र।

आवेदन के संबंध में विस्तृत जानकारी www.nwr.indianrailway.gov.in. वैबसाईट से अथवा वाणिज्य शाखा, मण्डल कार्यालय, बीकानेर में किसी भी कार्य दिवस को प्राप्त की जा सकती है।

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य),
उत्तर पश्चिम रेलवे, बीकानेर

23-AR/25

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

37 लाख रुपए का स्मैक पाउडर जब्त, महिला सहित तस्कर गिरफ्तार

पुलिस ने दोनों से 4 लाख 10 हजार की नगद राशि भी जब्त की

देवली, (निसं)। मादक पदार्थ के विरुद्ध चल रहे अभियान के तहत मंगलवार रात्रि को देवली थाना पुलिस ने स्मैक पाउडर की एक बड़ी खेप पकड़ी है। पुलिस ने मादक पदार्थ के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक महिला और एक पुरुष तस्कर को चार लाख रुपए की राशि के साथ गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई पुलिस ने स्मैक परिवहन पर की है। यहां मादक पदार्थ के विरुद्ध कार्रवाई के दौरान मामला यह सामने आया कि पुलिस ने एक महिला और पुरुष तस्कर से 36 लाख 80 हजार रुपए की कीमत का स्मेक पाउडर जब्त किया है। यह कार्रवाई पिछले एक वर्ष में सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

पुलिस ने एक महिला और एक पुरुष तस्कर को गिरफ्तार किया।

- यह कार्रवाई पिछले एक वर्ष में सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम बेनीवाल व उप अधीक्षक रामसिंह समेत अधिकारियों के सुपरविजन में मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी के चलते मंगलवार को दौलता मोड़ स्थित पनवाड़ कॉलोनी में एक व्यक्ति पुलिस जाब्ते को देखकर भाग कर एक घर में घुस गया था। जिसे देखकर पुलिस को शंका हुई। पुलिस ने उक्त हालातों को देखते हुए जांच की तो वहां एक पुरुष व महिला दिखाई दिये। पुलिस ने इस दौरान उक्त महिला और पुरुष की तलाशी लेना शुरू कर दी। तभी तलाशी के दौरान महिला और पुरुष तस्कर के पास स्मैक पाउडर पुलिस ने बरामद किया। पुलिस ने बताया कि तस्करों से बरामद हुई स्मैक पाउडर की बाजार कीमत 36 लाख 80 हजार रुपए है। वहीं पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से स्मेक के विक्रय पेटे प्राप्त हुई 4 लाख 10 हजार रुपए की नगद राशि और एक देशी शराब की पेटी जब्त की है। पुलिस ने आरोपी लाली देवी पत्नी भगवान सांसी निवासी पोल्याड़ा थाना दूनी हाल निवासी पनवाड़ कॉलोनी देवली तथा जीतसिंह उर्फ आंसू पुत्र रामफूल सांसी निवासी मंडावर पुलिस थाना बरौनी जिला टोंक को गिरफ्तार किया है, जिनके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों से पूर्व के मादक पदार्थ परिवहन की जानकारी प्राप्त की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि पांच जनवरी को देवली पुलिस में गश्त के दौरान एक युवक को गिरफ्तार किया था। जिनके पास 2.97 ग्राम स्मैक बरामद हुई थी। उक्त कार्रवाई में हेड कांस्टेबल रामेश्वर लाल, पुलिसकर्मी राज कुमार, नरेंद्र सिंह का योगदान रहा है। गौरतलब कि पिछले दो-तीन साल से देवली शहर और आसपास क्षेत्र में मादक पदार्थ का कारोबार चरम सीमा पर बना हुआ है। यहां नशे के बढ़ते व्यापार के बीच पुलिस की उक्त कार्रवाई कुछ समय तक शायद शहरवासियों को राहत पहुंच पाएगी। गौरतलब है कि शहर समेत आसपास के इलाकों में कई युवा नशे के आदी हो चुके हैं। जिनका जीवन तबाह हो रहा है। प्रतिदिन हो रही थाना पुलिस की कार्रवाई से इस बात की भी पुष्टि हो रही है कि क्षेत्र में चोरी छिपे मादक पदार्थों की बिक्री जोरों पर हो रही है। वहीं इन मादक पदार्थों के सेवन से युवा पीढ़ी नशे के दलदल में फंसती चली जा रही है।

फोन चोरी कर एक लाख रूपए निकाले

उदयपुर, (कासं)। साथ में काम करने वाले युवक ने फोन चोरी कर ऑनलाइन एक लाख रूपए निकाल लिए। मनीष कुमार पुत्र श्रीराम निर्मल होटल वसन्त कुंज रिसोर्ट में काम करता है। पांच दिसम्बर को होटल से होटल सामग्री सब्जीयां खरीदने सवीना सब्जी मण्डी आया था। साथ में स्टाफ का सम्पत पनवाल भी साथ में आया था। तब सम्पत मोबाइल चोरी कर ले भाग गया। 5 दिसम्बर से 6 दिसम्बर को मेरे फोनपे से 1 लाख 5 हजार रूपए चोरी करके निकाल लिए हैं।

सूने मकान में चोरी

उदयपुर, (कासं)। सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर मकान से 150 ग्राम सोने व करीब तीन किलो चांदी के जेवरात व अन्य सामान चोरी कर ले गए। नारायणसिंह पुत्र किशनसिंह चौहान निवासी गांधीनगर विक्रमादित्य चौराहा कालका माता रोड ने रिपोर्ट दी कि मेरी बड़ी साली का निधन होने से मैं तीन जनवरी को अपनी पत्नी के साथ मेरे गांव दपाली बड़ाखेड़ा टॉडगढ़ ब्यावर गया हुआ था। मेरा बड़ा पुत्र रविन्द्र सिंह चौहान बच्चों के स्कूल में अवकाश होने के कारण एक जनवरी को अपने ससुराल ब्यावर गया था। पांच जनवरी शाम को मेरा पुत्र रविन्द्र सिंह वापस निवास पर आया तो बताया कि हमारे मकान के मुख्य कमरे का ताला टूटा हुआ है और दरवाजे खुले हुए हैं तथा सामने अलमारी भी खुली हुई है और सामान बिखरा हुआ पड़ा है। सूचना पर सुखेर थाने से जाब्ता पहुंचा। हमारे मकान के बाहर की ओर चार सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, जो पांच जनवरी को बंद हो गए। मेरे मकान के सामने स्थित मकान में एक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी तो पता चला कि चार जनवरी को रात्रि में दो अज्ञात व्यक्ति दो बजे अंदर जाते दिखे और चोरी की यह वारदात कर 3.10 बजे कर दो बैग में सामान भरकर वापस निकल गए, जिसमें एक बैग मेरी पौत्री पारूल का स्कूल बैग था। चोर मेरी पुत्रवधु रजनी कंवर के सोने-चादी के गहने चोरी कर ले गए।

कार्यालय नगर पालिका सपोटरा, जिला-करौली

क्रमांक :– 1147 दिनांक :– 03.01.2025

निविदा सूचना

नगर पालिका सपोटरा की ओर से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा से संम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in पर निम्न (NIB CODE – DLB2425A4746) UBN No –DLB2425WSOB14499, DLB2425WSOB14500, DLB2425WSOB14501, DLB2425WSOB14502, DLB2425WSOB14503, DLB2425WSOB14504, DLB2425WSOB14505, DLB2425WSOB14506 पर देखी जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका सपोटरा

राज.संवाद/सी/24/9954

कार्यालय नगर पालिका मंडरायल, जिला-करौली

क्रमांक :– 781 दिनांक :– 02.01.2025

निविदा सूचना

नगर पालिका मंडरायल की ओर से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा से संम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in पर निम्न (NIB CODE – DLB2425A4710) UBN No –DLB2425WSOB14365, DLB2425WSOB14366, DLB2425WSOB14367, DLB2425WSOB14368, DLB2425WSOB14369 पर देखी जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मंडरायल

राज.संवाद/सी/24/9962

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स नं :– 0151–2226906, फोन नं:– 0151–2226902, 2226905,
Email Address :- bikanernagarnigam@gmail.com, Website :- www.bikanermc.org

क्रमांक/स्टेशनरी/2024–25/224 दिनांक 03.01.2025

निविदा सूचना संख्या 02/2024-25/स्टेशनरी

नगर निगम बीकानेर द्वारा फ्लैक्स बैनर आयरन पाईप फरेंमिंग एवं फिटिंग फिक्सिंग का आपूर्ति कराने का अनुबंधित कार्य करने के इच्छुक सम्भरणकर्त्ता जो कार्य करने/सामग्री सम्भरण करने के लिए अधिकृत/पंजीकृत हो से दरें निर्धारित निविदा प्रपत्र में आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बधित विवरण राज्य सरकार की ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in तथा नगर निगम, बीकानेर की वेबवाईट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती हैं।

UBN Number :- DLB2425WSOB14423
अनुमानित लागत राशि :–12.00 लाख

आयुक्त
बीकानेर नगर निगम

राज.संवाद/सी/24/9990

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स नं :– 0151–2226906, फोन नं:– 0151–2226902, 2226905,
Email Address :- bikanernagarnigam@gmail.com, Website :- www.bikanermc.org

क्रमांक/स्टेशनरी/2024–25/231 दिनांक 03.01.2025

निविदा सूचना संख्या 03/2024-25/स्टेशनरी

नगर निगम बीकानेर द्वारा डिजिटल कैमरे से फोटोग्राफी व विडियोग्राफी का कार्य करने के इच्छुक सम्भरणकर्त्ता जो कार्य करने/सामग्री सम्भरण करने के लिए अधिकृत/पंजीकृत हो से दरें निर्धारित निविदा प्रपत्र में आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बधित विवरण राज्य सरकार की ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in तथा नगर निगम, बीकानेर की वेबवाईट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती हैं।

UBN Number : DLB2425SLOB14431
अनुमानित लागत राशि :–12.00 लाख

आयुक्त
बीकानेर नगर निगम

राज.संवाद/सी/24/9988

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता मुरलीपुरा जोन नगर निगम, ग्रेटर जयपुर

मुरलीपुरा स्कीम, साकी मण्डी, जयपुर

क्रमांक :- ज.स.अ./2024/216 दिनांक :- 03/01/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 24-25/2024-25

केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत "एए" व "ए" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से विभिन्न विकास कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राज्य सरकार के ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in तथा नगर निगम ग्रेटर, जयपुर की Web Site www.jaipurmc.org पर देखी व Download की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकेगीं।

UBN No. JMC2425WSOB01104 To 01105
अधिशाषी अभियन्ता (मुरलीपुरा जोन), नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

राज.संवाद/सी/24/9947

RAJASTHAN POLICE INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT CORPORATION LTD, JAIPUR

(Government of Rajasthan Undertaking) CIN NO. U45201RJ2013SGC083014, Regd. Office : 756, Police Head Quarter, Lal Kothi, Jaipur (Raj.), Phone: 0141-2740784, Fax: 0141-2744294, e-mail: rpidcl@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- RPIDCL/469/NIT/2024-25/D-3138 दिनांक :- 02/01/2025

ई-निविदा सूचना सं. 20/2024-25

निम्नलिखित कार्यों के लिए राज्य/केन्द्र सरकार के अभियांत्रिकी विभागों/उपक्रमों में समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत योग्य एवं अनुभवी संवेदकों से नियमानुसार पाँच वर्षो की डीएलपी के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्र में 01 कार्यो के लिए क्रम संख्या 01 की निविदा Two Bid System के तहत आमंत्रित की जाती है।

निविदा की कुल लागत	रूपये 1205.00 लाख
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने की तारीख	07 जनवरी 2025 प्रातः 9.30 बजे से 27 जनवरी, 2025 सायं 04.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की तारीख	27 जनवरी 2025 सायं 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तारीख	28 जनवरी 2025 सायं 4.00 बजे

निविदा सम्बन्धित जानकारी राजस्थान पुलिस की बेबसाइट www.police.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध रहेगी। इच्छुक संवेदको को निविदा संबंधित जानकारी प्रबन्ध निदेशक कार्यालय से कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है। भविष्य में निविदाओं में संशोधन होने पर उपरोक्त वेबसाइटों पर ही प्रेषित किया जावेगा। UBN No. : RID2425WLOB00338

महाप्रबन्धक

राज.संवाद/सी/24/9961

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

विभागीय दूरभाष नं. 0294-2415091 विभागीय एक्सटेंशन नम्बर 211, 212 व 219
क्रमांक निदे/अ.ख.अ. नीलामी (QL4)/निलामी (4)/2024/ई-09655

नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय-IV के तहत अप्रधान खनिजों के 71 क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का आंवटन किये जाने के लिए ई-नीलामी के माध्यम से इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। क्वारीं लाईसेंस प्लॉटों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:-

क्र. सं.	जिला	ग्राम (तहसील)	खनिज	कुल प्लॉट
1	भीलवाड़ा	पचानपुरा, सुखपुरा-एल (बिजौलियां)	सेण्डस्टोन	40
2	चित्तौड़गढ़	बिनौता (निम्बाहेड़ा)	लाईमस्टोन (खण्डा, फर्शी, पट्टी)	31

क्वारीं लाईसेंस प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्तें विभागीय वेबसाइट WWW.mines.rajasthan.gon.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd की वेबसाइट WWW.mstcecommerce.com पर उपलब्ध हैं।

भवदीय
(भगवती प्रसाद) IAS, निदेशक

DIPR/C/66/2025

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
P.H.E.D RIGEP DIVISION BARMER

Phone No 02982-222228 Email: eerigep@gmail.com
No. E.E/PHED/NIT-/2024-25/3366-81 Date: 01/01/25

NIT No.2024-25/15
(PHE2425A3704)

Online tenders are invited on behalf of the Governor of Rajasthan for the following works from enlisted contractors with the PHED Rajasthan and meeting eligibility criteria, Contractors enlisted with other Departments of Government of Rajasthan and enlisted with CPWD/Postal, Telecom, Railway, MES, other state Govt. Central Govt. undertaking/ organizations equivalent in Rajasthan meeting eligibility criteria may apply after giving prescribed Earnest Money. The tender documents can be downloaded from the web site http://eproc.rajasthan.gov.in. Details of this tender notification can also be seen in NIT exhibited on web site. www.dipronline.org. & sppp.rajasthan.gov.in

Item No.	Name of work	UBN Code	Estimated cost (Rs in Lac)	Earnest Money (in Rs)	Tender Fee	Time period
1.	Providing, L & J of Pipe Line under Rigep Division Barmer on Annual Rate Contract	PHE 2425 WSRC 07799	120.00	240000.00	2500/-	12 Month
2.	Deepening and Desilting of Open well under Rigep Division Barmer on annual rate contract	PHE 2425 WSRC 07801	30.00	60000.00	500/-	12 Month

Various critical dates of the tenders are as below:-
Last date & time of downloading and bid submission-20.01.2025 up to 4.00 pm
Date & time of Opening of Physical Submission-20.01.2025 up to 5.00 pm
Date & time of opening of technical bid-20.01.2025 up to 5.00 pm
Date & time of opening of financial bid - Shall be intimated later through online

(Jairamdas)
Executive Engineer
PHED RIGEP Division Barmer

DIPR/C/155/2025

एक ही परिसर में चलने वाली 169 स्कूलों को मर्ज किया

बीकानेर, (निसं)। राज्य सरकार ने 190 स्कूलों को बंद कर दिया है। इनमें अधिकांश स्कूल में स्टूडेंट्स की संख्या जीरो थी, वहीं कुछ स्कूल ही परिसर में सुबह-शाम चल रहे थे। ऐसे स्कूलों को मर्ज करते हुए एक ही कर दिया गया है। 169 स्कूलों में स्टूडेंट ही नहीं थे, वहीं 21 स्कूलों को मर्ज किया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह जिले जोधपुर से बीस स्कूलों को बंद कर दिया गया है।

- शून्य छात्र संख्या वाले 21 स्कूल भी बंद किये, आदेश जारी

प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने इन स्कूलों को बंद करने के आदेश किए हैं। इन स्कूलों में पहले से कार्यरत टीचर्स को अब अन्य स्कूलों में लगाया जाएगा। वहीं जिन स्कूलों को मर्ज किया है, वहां पढ़ ने वाले स्टूडेंट्स को उस स्कूल में एडमिशन दिया जाएगा, जिसमें वो मर्ज हुई है। निदेशालय से जारी आदेश में अलवर के पांच, बालोतरा के नौ, बांसवाड़ा के तीन, बारां के एक, बाडमेर के पांच, ब्यावर के दो, भरतपुर के दो, बीकानेर के चार, बूंदी के तीन, चित्तौड़गढ़ के दो, चूरू के चार, दौसा के छह, डीडवाना-कुचामन के ग्यारह, डूंगरपुर के तीन, श्रीगंगानगर के चार, हनुमानगढ़ के दो, जयपुर के 18, जैसलमेर के तीन, जालौर के पांच, झालावाड़ के पांच, झुंझुनूं के एक, जोधपुर के सत्रह, करौली के दस, कोटा के तीन, कोटपुतली-बहरोड़ के सात, नागौर के सात, पाली के पांच, फलौदी के तीन, प्रतापगढ़ के दो, राजसमंद के दो, सवाई माधोपुर के चार, सीकर के पांच, सिरोही के दो, टोंक के दो और उदयपुर के पांच स्कूलों को बंद किया गया है।

सी.एम. भजनलाल व डिप्टी सी.एम. बैरवा की ओर से अजमेर दरगाह में चादर पेश

प्रदेश में अमन-चैन और शांति भाईचारे की दुआ मांगी, दोनों का संदेश पढ़ा

अजमेर/जयपुर, (कासं)। ख्वाजा गरीब के 813वें उर्स में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा की तरफ से चादर पेश की गई। चादर पेश कर प्रदेश में अमन-चैन और शांति भाईचारे की दुआ मांगी गई। इसके बाद दोनों का संदेश पढ़ा गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की तरफ से चादर लेकर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हामिद खान मेवाती दरगाह पहुंचे। इससे पहले सर्किट हाउस में उनका स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि ख्वाजा साहब के 813 वें उर्स के मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उर्स की मुबारकबाद पेश की है। सीएम ने संदेश दिया कि राजस्थान की इस पावन धरती पर गंगा-जमुना तहजीब का जो प्रदेश है वह बना रहना चाहिए। अमन, चैन, शांति, भाईचारा का पैगाम देकर मुख्यमंत्री ने अजमेर भेजा है। मेवाती ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री सबका साथ सबका विकास की बात करते हैं। 36 कौम को साथ लेकर चलने का भी काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक साल के अंदर ऐतिहासिक काम किए हैं। उनके लिए आज दरगाह में दुआ की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चादर भेजकर पैगाम दिया कि हमारी गंगा.जमुना तहजीब का जो प्रदेश है जिसमें अमन, चैन और शांति भाईचारा बना रहे। असामाजिक ताकतों को जवाब देने का काम राजस्थान के मुख्यमंत्री ने किया है।

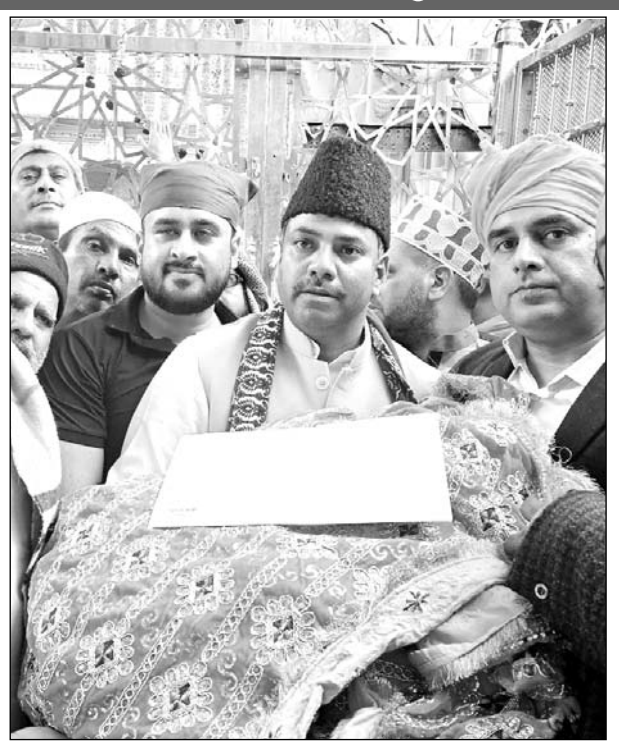

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की तरफ से चादर लेकर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हामिद खान मेवाती दरगाह पहुंचे।

- 'ख्वाजा साहब के उर्स के मौके पर मुख्यमंत्री शर्मा ने उर्स की मुबारकबाद पेश की है'

ज़ियारत से पूर्व सर्किट हाउस पहुंचने पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हामिद खान मेवाती और अन्य अतिथियों का भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के शहर अध्यक्ष एवं पूर्व देहात अध्यक्ष ग़ुलाम मुस्तफा के नेतृत्व में स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा शहर अध्यक्ष रमेश सोनी सहित रचित कच्छवा भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मेवाती के साथ मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुसैन खान, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एम. सादिक खान, प्रदेश महामंत्री जावेद कुरैशी, प्रदेश उपाध्यक्ष मुंसिफ अली खान, अयूब खान, जंग बहादुर पठान, प्रदेश मंत्री मुराद अली शेख, महबूब कुरैशी, मुनव्वर खान, उस्मान चौहान, फरीदुद्दीन शेख, इरशाद हसनपुरा, सैयद सादिक़ अली, इरफान शेख, अलीम शेख, तेजपाल सहनी, हनीफ शेख, अयूब खान, हुसैन पठान, गुलाम मुस्तफा, अतीक खान, महबूब कुरैशी, ताहिर कुरैशी, शहजाद खान, इशरत परवीन, इमरान खान, सैयद इमरान चिश्ती, सैयद सादिक अली, सैयद सलीम आफताब, सैयद आदिल हुसैन आदि ने भी जियारत व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

विधवा का भूखण्ड हड़पने का प्रयास

उदयपुर, (कासं)। एक महिला का भूखण्ड हड़पने के लिए एक युवक द्वारा उसे धमकाने और फर्जी स्टॉम्प पर उधारी बताकर हड़पने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। जगन्नाथी बाई पत्नी स्व. पन्नालाल गमेती निवासी बड़गांव ने रिपोर्ट दी उसका एक भूखण्ड जो कि बाण्डी नाल में राडाजी बावजी के पास स्थित है। यह प्लॉट मेरे सास-ससुर का था और वर्तमान में मेरे पास है। बड़गांव के ही कुछ भूमाफिया मेरे भूखण्ड को हड़पना चाहते हैं और मुझ प्रार्थिया को जबरन मेरे भूखण्ड से बेदखल करना चाहते हैं। मेरे भूखण्ड के आसपास भील समाज के व्यक्ति रहते हैं। रोशन शर्मा पुत्र निरंजन शर्मा नामक व्यक्ति अपने साथ अपने परिवार की औरतों को लाकर जबरन प्लॉट हड़पना चाहता है। रोशन शर्मा द्वारा एक फर्जी स्टाम्प पर उधारी की लेन-देन बताकर मेरे बेटे के नाम से धमकी दे रहा है। बड़गांव थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर बजरी के वाहनों से वसूली करने वाला गिरफ्तार

बजरी के वाहनों से अवैध वसूली कर रहा था, लाल बत्ती लगी गाड़ी जब्त

पुलिस थाने में जब्त गाड़ी।

निवाई, (निसं)। बरोनी थानान्तर्गत गांव जामडोली व नोहटा के बीच लाल बत्ती लगाकर फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर बजरी के वाहनों से अवैध वसूली के आरोपी लोकेश पुत्र गिर्राज मीणा निवासी जामडोली को धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने लाल बत्ती लगी हुए गाड़ी को भी जब्त कर लिया।

बरोनी थानाधिकारी मानवेंद्रसिंह ने बताया कि आरोपी फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर ग्रामीणों पर धौंस जमा रहा था। गाड़ी पर लाल बत्ती व पुलिस महानिरीक्षक की नेम प्लेट लगाकर बजरी के वाहनों से अवैध वसूली करने की शिकायत ग्रामीणों ने पुलिस को दी। इस पर डीवाईएसपी मृत्यंजय मिश्रा व थानाधिकारी मानवेन्द्रसिंह मय पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और आरोपी से पूछताछ की। आरोपी ने पुलिस को बताया था कि उसने टोल बचाने के लिए गाड़ी पर लाल बत्ती लगा रखी है। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की लाल बत्ती लगी हुई गाड़ी को जब्त कर लिया और धोखाधड़ी व अवैध वसूली करने का मामला दर्ज कर लिया।

लाल बत्ती लगी गाड़ी में धौंस जमाने वाला फर्जी आर.ए.एस. गिरफ्तार

जैसलमेर, (निसं)। एसपी सुधीर चौधरी ने शहर में लाल बत्ती लगी गाड़ी में पुलिस वालों पर धौंस जमाते फर्जी आरएएस बने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया अजमेर निवासी युवक हरजीतसिंह (32) खुद को आरएएस अधिकारी बताकर पुलिस पर धौंस जमा रहा था। एसपी ने सादा वर्दी में घूमते हुए हरजीतसिंह से बात की और आईडी कार्ड दिखाने के लिए कहा। तब हरजीत सिंह ने आरएएस का एक फेक आईडी कार्ड बताया।

- एसपी ने सादा वर्दी में घूमते हुए फर्जी आरएएस से बात की और आईडी कार्ड दिखाने के लिए कहा
- हरजीत सिंह ने आरएएस का एक फेक आईडी कार्ड बताया, शक होने पर पुलिस ने गिरफ्तार किया

शक होने पर एसपी सुधीर चौधरी युवक को लाल बत्ती लगी गाड़ी समेत कोतवाली थाना लेकर आए। पड़ताल करने पर युवक हरजीत सिंह ने खुद को अजमेर निवासी बताया व आरएएस अधिकारी बताया। साथ ही उसने खुद को किसी मीडिया हाउस का प्रोपराइटर भी बताया। पुलिस ने फर्जी आरएएस अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया। उसके फर्जी आरएएस अधिकारी बनकर जैसलमेर आने व लाल बत्ती लगी गाड़ी में घूमने को लेकर जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई सोमवार देर रात करीब नौ बजे की गई।

एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि सोमवार रात को सादा वर्दी में वे गश्त की मॉनिटरिंग कर रहे थे। उस दौरान सोनार किले में नो पार्किंग जगह पर मल्टी कलर लगी (लाल बत्ती) गाड़ी में एक व्यक्ति पुलिस कांस्टेबल से उलझ रहा था और खुद को आरएएस अधिकारी बता रहा था। आरोपी युवक के पास से सभी कागज फर्जी पाए गए हैं। उसके पास से राजस्थान सरकार की मोटर गैराज की लाल पट्टी लगी इनोवा गाड़ी भी जब्त की गई है।

विवाहिता ने आत्महत्या की, मामला दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर के कुड़ी भगतासनी सेक्टर दो में रहने वाली एक विवाहिता ने शादी के दो महिने में ही अपने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। मृतका के भाई की तरफ से पति और ससुराल वालों के खिलाफ दहेज हत्या में रिपोर्ट दी गई है। पुलिस ने शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजन के सुपुर्द किया। मामले में जांच एसीपी आनंद सिंह की तरफ से की जा रही है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

एसीपी बोरानाडा आनंद सिंह ने बताया कि मूलत: अजमेर जिले के शिवांजी किशनगंज की रहने वाली 30 वर्षीय किरण पुत्री कैलाशचंद तंवर की शादी 12 नवंबर 2024 को कुड़ी भगतासनी निवासी दिलीप कुमार के साथ हुई थी। किरण ने अपने ससुराल में फंदा लगाकर जान दे दी। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला, मगर उसके भाई नरेंद्र तंवर ने ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। किरण के फंदा लगाने की जानकारी मिलने पर परिजन उसे फंदे से उतार कर अस्पताल लेकर गए, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। एसीपी आनंद सिंह के अनुसार शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजन को सुपुर्द किया गया। मामले में किरण के पति दिलीप कुमार, विद्या देवी, राजेश, रूबी सहित अन्य ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ अब जांच आरंभ की गई है।

शेखावाटी को मिलने वाले यमुना जल का इंतजार होगा खत्म : भजनलाल शर्मा

यमुना जल समझौते की क्रियान्वयन के लिए जल्द ही बनेगी ज्वाइंट टास्क फोर्स

जयपुर/नई दिल्ली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के शेखावाटी अंचल के किसानों को जल्द ही यमुना जल का लाभ मिल सकेगा। इस संबंध में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल के समक्ष हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ आज चर्चा पूरी हो गई है। शर्मा ने कहा कि इस जल समझौते की जल्द क्रियान्वित के लिए दोनों राज्यों के अधिकारियों की एक ज्वाइन्ट टास्क फोर्स बनेगी, जो की डीपीआर पर काम करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना जल समझौता दोनों राज्यों के लिए यह बहुत अच्छा समझौता है। राजस्थान का शेखावाटी अंचल लंबे समय से यमुना जल का इंतजार कर रहा है। अब वो इंतजार खत्म होने जा रहा है और जल्द ही अधिकारियों की ज्वाइन्ट टास्क फोर्स डीपीआर का काम शुरू करेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री शर्मा ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री का आभार प्रकट करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्रीय मंत्रालय द्वारा जिस तरह जल जीवन मिशन और नदियों से जोड़ने का काम किया है उससे राजस्थान सहित पूरे देश में पानी की कमी नहीं होगी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मीडिया से संवाद करते हुए कहा कि हरियाणा में जो अतिरिक्त पानी है, वह राजस्थान को मिले यह एक सकारात्मक पहल है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यमुना जल के संबंध में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल के समक्ष हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ चर्चा की।

ड्रग्स सप्लाई करने वाला तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन "क्लीन स्वीप" के तहत बगरू थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित के पास से 11 ग्राम 57 मिलीग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक एवं बिक्री की राशि 1 लाख 25 हजार 300 रुपये बरामद भी किए है। पुलिस के अनुसार जब्त अवैध मादक पदार्थ स्मैक की अनुमानित कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 2 लाख 31 हजार 400 रुपये की है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत बगरू थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले तस्कर राकेश योगी (27) निवासी चौथ का बरवाड़ा जिला सवाई माधोपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित के पास से 11 ग्राम 57 मिलीग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक एवं बिक्री की राशि सवा करोड़ रुपये बरामद किए है।

गिरफ्तार आरोपित अवैध मादक तस्करी का काम करता है। जो यह अवैध मादक पदार्थ स्मैक सरिता सांसी से लेकर आना और रीको एरिया बगरू में काम करने वाले मजदूरों को बेचना स्वीकार किया है।

निर्माण स्थलों पर लापरवाही मिली तो कार्रवाई होगी : डॉ. रश्मि शर्मा

हाऊसिंग बोर्ड कमिश्नर डॉ. रश्मि शर्मा ने मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। हाऊसिंग बोर्ड कमिश्नर डॉ. रश्मि शर्मा ने मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, ऑनलाइन सेवाओं के उपयोग, भूमि बैंक, महत्वपूर्ण न्यायिक मामले, जलापूर्ति, सीवर लाइन, सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट, डीएलपी कार्य, वृक्षारोपण अभियान और आगामी "बुधवार नीलामी उत्सव" को लेकर चर्चा की।

आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी अधिकतम काम ऑनलाइन करके पारदर्शिता लाएं। उन्होंने बुधवार नीलामी उत्सव में अधिशेष संपत्तियों को शामिल करने की तैयारियों पर चर्चा की।

डॉ.शर्मा ने अधिकारियों और इंजीनियर्स को चेताते हुए कहा कि निर्माण स्थल पर बचाव और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। निर्माण स्थल पर निर्माण कार्य शुरू होने से पहले वहां बोर्ड लगाया जाए, बैरिकेडिंग कर रिफ्लेक्टर लगाये जाए जिससे कि कोई हादसा ना हो। इसमें किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

- **बैठक में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, ऑनलाइन सेवाओं के उपयोग, भूमि बैंक, महत्वपूर्ण न्यायिक मामले, जलापूर्ति, सीवर लाइन, सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट, डीएलपी कार्य, वृक्षारोपण अभियान और आगामी "बुधवार नीलामी उत्सव" को लेकर चर्चा हुई**

आवासन मंडल का भूमि बैंक मजबूत करें

डॉ. शर्मा ने अधिकारियों को भूमि बैंक को मजबूत करने के लिए उपलब्ध भूमि संसाधनों की पहचान और दस्तावेज़ीकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अभियंता फील्ड में जाकर स्थानीय प्रशासन के सहयोग से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अविलंब जमीनों के प्रस्ताव तैयार करें। पारदर्शिता बनाए रखने और अतिक्रमण को रोकने के लिए आवासन आयुक्त ने क्षेत्र में मंडल की सभी जमीनों पर बोर्ड लगाने के भी निर्देश दिए।

जलापूर्ति-सीवर लाइन में कोताही पर होगी कार्रवाई

डॉ शर्मा ने परियोजनाओं में जलापूर्ति और सीवर लाइन की कार्य प्रगति की भी समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी योजना के निर्माण कार्य के आरंभ होने से पहले ही सीवर लाइन तथा जलापूर्ति संबंधी प्लानिंग की जाए। हमे हमेशा दो कदम आगे का सोचकर प्लानिंग करनी चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने हस्तांतरण की जा चुकी परियोजनाओं में भी नियमानुसार रखरखाव के निर्देश दिए। जलापूर्ति और सीवर लाइन में कोताही पर सख्त करवाई की जाएगी।

डॉ. शर्मा ने सड़क निर्माण एवं रखरखाव के साथ-साथ स्ट्रीट लाइटों को लगाने एवं मरम्मत का जायजा लिया। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड के तहत होने वाले कार्यों को डीएलपी नियमानुसार ही करवाया जाना सुनिश्चित किया जाए। किसी भी परिस्थिति में ऐसे कार्यों के लिए पुनः वित्तीय स्वीकृति नहीं जारी की जाए, अगर ऐसे मामले सामने आये तो दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इस बैठक में मुख्य सम्पदा प्रबंधक प्रवीण अग्रवाल, मुख्य अभियंता अमित अग्रवाल, मुख्य अभियंता मुख्यालय तेजवीर मीना, मुख्य नगर नियोजक अनिल माथुर, वित्तीय सलाहकार रोहताश यादव सहित समस्त अधिकारी एवं अभियंता उपस्थित रहे।

'विशेषज्ञ कमेटी ने सवाल सही जांचे हैं'

- **हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती लेवल प्रथम की उत्तर कुंजी को चुनौती देने वाली अपील याचिकाओं को खारिज किया**

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2022 लेवल प्रथम की उत्तर कुंजी को चुनौती देने वाली अपील याचिकाओं को खारिज कर दिया है। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश कपिल कुमार व अन्य के साथ दायर एक दर्जन से अधिक अपीलों पर सुनवाई करते हुए दिए। खंडपीठ ने कहा कि विशेषज्ञ कमेटी ने सवालों के जवाब सही जांचे हैं और उसमें अदालत को हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है।

अपीलों में कहा गया कि भर्ती एजेंसी ने तृतीय श्रेणी लेवल प्रथम शिक्षकों के पदों पर भर्ती निकाली थी। परीक्षा के बाद जारी उत्तर कुंजी में कई सवालों के जवाब गलत जांच गए। ऐसे में उत्तर कुंजी को हाईकोर्ट की एकलपीठ के समक्ष याचिका दायर कर चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि मान्यता प्राप्त पुस्तकों के अनुसार उनकी ओर से दिए जवाब सही हैं और भर्ती एजेंसी ने सवालों के जवाब गलत जांचे हैं। अपील में कहा गया कि एकलपीठ ने 31 मई को याचिकाओं को खारिज कर दिया था। ऐसे में एकलपीठ के आदेश को रद्द करते हुए उत्तर कुंजी को निरस्त किया जाए और विशेषज्ञ कमेटी गठित कर विवादित सवालों को जांच के लिए भेजा जाए। जिसके जवाब में भर्ती एजेंसी के वकील नलिन नारायण ने कहा कि विशेषज्ञ कमेटी की ओर से उत्तर जांचने के बाद ही उत्तर कुंजी जारी की गई थी। एकलपीठ ने भी याचिकाएं खारिज कर चुकी हैं। ऐसे में इस संबंध में दायर अपीलों को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद खंडपीठ ने अपीलों को खारिज कर दिया है।

दिव्यांग गृह के अधीक्षक सहित अन्य कर्मचारियों के खिलाफ जांच के आदेश

जयपुर। एसटी, एससी मामलों की विशेष अदालत ने जामडोली स्थित बौद्धिक दिव्यांग गृह की कमियों को उजागर करने पर तत्कालीन महिला केयर टेकर को प्रताडित करने के मामले में गृह अधीक्षक गौरव शर्मा, गार्ड सुपरवाइजर सुरजीत, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रुकमणी और महिला गार्ड तारा और शीला के खिलाफ कानोता थाना पुलिस को मामला दर्ज कर जांच के आदेश दिए हैं। अदालत ने यह आदेश तत्कालीन महिला केयर टेकर के परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए।

परिवाद में अधिवक्ता असलम खान ने बताया कि परिवादी दिव्यांग गृह की महिला विंग में केयर टेकर के तौर पर संविदा पर कार्यरत थी। इस दौरान उसने गृह में कई कमियां देखी। उसने दिव्यांग बालिकाओं के बिस्तरों में कीडों की शिकायत की शिकायत उच्चाधिकारियों को करने की कोशिश की, लेकिन नर्सिंग स्टाफ ने उसे रोक लिया। इसकी शिकायत उसने अधीक्षक गौरव शर्मा से की तो उसने भी परिवादी को भगा दिया। वहीं गत 11 अक्टूबर को अधीक्षक के कहने पर ठेकेदार ने उसे नौकरी से निकाल दिया। परिवाद में आरोप लगाया कि आरोपियों ने उससे मारपीट की और प्रताडित किया। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कानोता थाना पुलिस को मामले की जांच करने के आदेश दिए हैं।

मदन राठौड़ ने तिलहन एवं दलहन उत्पादन पर दिये सुझाव

जयपुर। नई दिल्ली में आज कृषि, पशुपालन एवं खाद्य प्रसंस्करण संबंधित संसदीय स्थाई समिति की बैठक आयोजित की गई।

संसदीय शोध भवन परिसर में आयोजित बैठक लोकसभा सांसद चरणजीत सिंह चन्नी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। "देश में तिलहन एवं दलहन का उत्पादन एवं उपलब्धता" विषय पर आधारित बैठक में राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ भी उपस्थित रहे।

राठौड़ ने कहा कि दलहन और तिलहन के उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ हमें पॉम आयल के सेक्टर में भी अध्ययन करना चाहिए। विदेशों में पॉम आयल के उत्पादन और वैश्विक स्तर पर इसकी सप्लाई की जा रही है, ऐसे में हमें भी इस सेक्टर में अध्ययन करना चाहिए। बैठक में दलहन के उत्पादन को बढ़ाने के लिए उन्नत कृषि पर भी चर्चा की गई। इस दौरान समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

मानवता की सेवा प्राथमिकता और जिम्मेदारी : प्रो. दुबे

जयपुर। मानवता की सेवा उच्चतम आदर्श है, जो समाज के प्रति दायित्व का बोध कराती है। यह न केवल नैतिक जिम्मेदारी है, बल्कि समाज में सद्भाव, एकता और भाईचारे को प्रोत्साहित करने का सशक्त माध्यम भी है। यह बात मंगलवार को जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामसेवक दुबे ने ऊनी वस्त्रों के वितरण समारोह में कही। मित्राय फाउंडेशन की ओर से विश्वविद्यालय में हुए समारोह के मुख्य अतिथि कैप्टन शशिकिरण ने कहा कि व्यक्ति को विपरीत परिस्थितियों में भी घबराना नहीं चाहिए और मानवता के कल्याण के लिए संघर्ष करते रहना चाहिए। मानवता की सेवा का उद्देश्य शारीरिक रूप से मदद करना नहीं है, बल्कि यह मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक समर्थन भी प्रदान करना है।

मित्राय फाउंडेशन के विनीत शर्मा और रश्मि शर्मा ने कहा कि हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह दूसरों की मदद करने के लिए आगे बढ़े, चाहे यह समय, संसाधन या श्रम के रूप में हो। यह न केवल आंतरिक शांति और संतोष देता है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान भी करता है। समारोह संयोजक शास्त्री कोसलेंद्रदास ने बताया कि विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के साथ ही लगभग 200 जरूरतमंद लोगों को शॉल, ऊनी वस्त्र वितरित किए गए।

एच.एम.पी. वायरस सामान्य रोग, घबराने की जरूरत नहीं : खींवसर

- **चिकित्सा मंत्री ने कहा कि "चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार यह वायरस वर्ष 2001 से मौजूद है, लेकिन रोगियों पर इसका प्रभाव सामान्य रहा है। इस वायरस से मौत का कोई मामला और चिंताजनक स्थिति सामने नहीं आई है।"**

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा है कि देश में कुछ राज्यों में ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस (एचएमपीवी) के कुछ केस सामने आए हैं, लेकिन इससे घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। खींवसर ने कहा कि चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार यह वायरस वर्ष 2001 से मौजूद है, लेकिन रोगियों पर इसका प्रभाव सामान्य रहा है। इस वायरस से मौत का कोई मामला और चिंताजनक स्थिति सामने नहीं आई है।

खींवसर ने कहा है कि प्रतिवर्ष की भांति सर्दी के मौसम को देखते हुए बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं एवं गंभीर रोगों से ग्रसित व्यक्ति सर्दी, खांसी, जुकाम, बुखार आदि होने पर अस्पताल में चिकित्सक से परामर्श लें। उन्होंने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को इस वायरस के संबंध में सभी राज्यों के स्वास्थ्य सचिवों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें भी रपष्ट किया गया है कि यह वायरस घातक नहीं है। खांसी-जुकाम जैसे सामान्य लक्षणों के साथ सर्दी के मौसम में आमतौर पर कुछ केस इस वायरस के सामने आते रहे हैं, जिस कम में विगत कुछ माह में मार्च से दिसम्बर तक देशभर में 9 केस चिन्हित हुए हैं।

चिकित्सा मंत्री ने कहा है कि केंद्र सरकार के अनुसार एचएमपी वायरस का प्रसार वर्तमान में नगण्य है, लेकिन फिर भी एहतियात के तौर पर प्रदेशभर में चिकित्सा अधिकारियों को सजग एवं सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, जांच, उपचार सहित अन्य आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को भी कहा गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में इस वायरस की प्रमाणिक जांच के लिए 5 वीआरडीएल लैब एम्स जोधपुर, सवाई मानसिंह। अस्पताल जयपुर, आरएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर, सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज बीकानेर। एवं एसएन मेडिकल कॉलेज जोधपुर में उपलब्ध हैं। किसी भी अस्पताल में इस वायरस के लक्षणों से संबंधित गंभीर रोगी सामने आने पर इन लैब में जांच करवाई जा सकती है।

खींवसर ने कहा है कि कोई भी निजी अस्पताल किसी रोगी में इस वायरस के संभावित लक्षण पाए जाने पर प्रमाणिक जांच के लिए सैम्पल इन वीआरडीएल लैब में ही भिजवाएं। साथ ही, इस संबंध में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को भी सूचित करें।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड ने कहा कि डूंगरपुर का दो माह का एक बच्चा अहमदाबाद में उपचाराधीन है। प्री-मैच्योर डिलीवरी से जन्मे इस बच्चे में एचएमपी वायरस के लक्षण सामने आए हैं, लेकिन बच्चे की स्थिति वर्तमान में सामान्य है। सर्दी, खांसी-जुकाम से पीड़ित यह बच्चा उपचार के दौरान अहमदाबाद में निजी अस्पताल में 26 दिसम्बर को एचएमपीवी से पॉजिटिव पाया गया था, जिसका उपचार चल रहा है और वह फिलहाल ठीक है।

दवाओं और गहनों की गुणवत्ता की नियमित जांच के निर्देश

- **ऑनलाइन खरीद और साइबर क्राइम रोके जाने की बने ठोस कार्य योजना : गोदारा**

जयपुर। खाद्य,नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि आगामी समय में शादियों के सीजन को ध्यान में रखते हुए ज्वेलरी की गुणवत्ता की जांच के लिए अभियान शुरू करें। गोदारा आज सचिवालय में राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद की बैठक में अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवेश के लोग अपनी आय का ज्यादा धन ज्वेलरी खरीदने में ख़र्च करते हैं। वो किसी भी प्रकार से ठगी के शिकार नहीं हो इसके लिए उन्हें जागरूक करना आवश्यक है। साथ ही निर्देश दिए कि दुकानदार द्वारा उपभोक्ता को दिये गए बिल पर हॉल मार्क की जानकारी अवश्य लिखी होनी चाहिये। सर्राफा बाजार में हॉल मार्क सेंटर की जानकारी क्यू आर कोड के माध्यम से दी जाए। अभी तक राज्य में कुल 20 जिलों में हॉलमार्क सेंटर स्थापित किये जा चुके हैं।

गोदारा ने उपभोक्ताओं के अधिकारों के संवर्धन व संरक्षण के लिए एवं उपभोक्ताओं को त्वरित राहत प्रदान करने के लिए इनका समयबद्ध रूप से निस्तारण करने के निर्देश देते हुए कहा कि उपभोक्ता हेल्पलाइन नंबरों का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाय। दुकानदारो द्वारा दिये जाने वाले बिल पर उपभोक्ता हेल्पलाइन नंबर अंकित किये जाय, सभी को यह जानकारी होनी चाहिये कि यदि आप उत्पाद से संतुष्ट नहीं है तो हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। मानव जीवन से जुड़ी दवाइयो की विश्वसनियता बनाये रखने के लिए एवं पनीर, दूध एवं मावा की रेंडमली जांच करने के निर्देश दिए। बीमा क्लेम व रियल एस्टेट के प्रकरणों का निस्तारण भी शीघ्रता से किया जाय।

उन्होंने बुजुर्ग व्यक्तियों के लिए वीसी के माध्यम सुनवाई की व्यवस्था शुरू करने के बारे में कहा कि यह बुजुर्गों के लिए लाभदायक सिद्ध होगी। समय-समय पर उपभोक्ताओं की जागरूकता के लिए संभाग स्तर पर कार्यशालाएं एवं ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने जागरूकता के लिए ग्राम स्तर पर रात्रि चोपाल आयोजित करने के साथ ही वीडियो ऑडियो का प्रदर्शन करने के निर्देश दिए। जागरूकता का प्रचार जमीनी स्तर पर करने के लिए रोडमैप बनाने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने ऑनलाइन शॉपिंग में होने वाली ठगी पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे सावधान रहने की आवश्यकता है। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी के लिए हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचित करें। राज्य में कुल 36 साइबर स्टेशन क्रियाशील हैं, कुल 1930 साइबर कमांडो तैयार किये जा रहे है। इस पर पूरा फोकस है। ठगी होने के 4 घंटे के भीतर ही यदि शिकायत दर्ज हो जाती है तो पैसा रिकवर होने की संभावना अधिक रहती है।

प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार ने कहा कि विश्व उपभोक्ता दिवस पर 15 फ़रवरी से 15 मार्च तक उपभोक्ता माह के रूप में मनाया जाएगा। प्रारंभ में उन्होंने बैठक की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपभोक्ता संरक्षण परिषद से संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

खाद्य,नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा ने मंगलवार को सचिवालय में राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद की बैठक में अधिकारियों को सम्बोधित किया।

15 जनवरी तक कर सकते हैं आवेदन

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधीन संचालित निदेशालय विशेष योग्यजन द्वारा संचालित मांसपेशीय दुर्विकास से पीड़ित विशेष योग्यजनों को दिए जाने हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसकी अंतिम तिथि 15 जनवरी निर्धारित है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार बजट वर्ष 2024-25 की घोषणा संख्या 93 (2) के अन्तर्गत मांसपेशीय दुर्विकास से पीडित विशेष योग्यजनों को दिये जाने की घोषणा की गई थी। इच्छुक आवेदक अपने आवेदन प्रस्ताव निर्धारित प्रपत्र में ऑफलाईन आवेदन संबंधित जिला कार्यालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में अंतिम दिनांक तक प्रस्तुत करें।

युवा महोत्सव 8 से 12 तक

जयपुर। राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनवरी) के उपलक्ष्य में पांच दिवसीय राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन 8 से 12 जनवरी तक सवाई मानसिंह स्डेडियम में किया जाएगा। बुधवार दोपहर 12:30 बजे आयोजित होने वाले उद्घाटन समारोह में युवा मामले एवं खेल विभाग के मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और राज्य मंत्री कृष्ण कुमार के.के. विश्नोई की उपस्थिति रहेगी। वहीं, 12 जनवरी को आयोजित होने वाले पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि होंगे, जबकि युवा मामले एवं खेल विभाग के मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और राज्य मंत्री कृष्ण कुमार के.के. विश्नोई विशिष्ट अतिथि होंगे।

जयपुर जिले में 62 हजार 688 मतदाताओं की वृद्धि

- **युवा मामले एवं खेल मंत्री ने समिति पदाधिकारियों के साथ की बैठक**
- **आगन्तुकों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश**

जयपुर। विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के तहत जयपुर जिले में मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन किया गया है। जिला कलक्ट्रेट में मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में बैठक का आयोजन हुआ।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष कुमार ने बताया कि विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 (29 अक्टूबर से 28 नवम्बर) के पूर्व जिले में 52 लाख 7 हजार 669 मतदाता थे एवं पुनरीक्षण कार्यक्रम के पश्चात 52 लाख 70 हजार 337 मतदाता हैं।

उन्होंने बताया कि विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के दौरान 83 हजार 311 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए एवं 20 हजार 643 (मृत, स्थानान्तरित एवं दोहरी प्रविष्ठि) मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से विलोपित किए गए। इस प्रकार जिले में कुल शुद्ध वृद्धि 62668 की हुई है।

साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि पुनरीक्षण अवधि के दौरान पुरुषों की संख्या में शुद्ध वृद्धि 26 हजार 745 एवं महिलाओं की संख्या में 35 हजार 923 शुद्ध वृद्धि हुई है। विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के दौरान जयपुर जिले की 19 विधानसभा क्षेत्रों में सर्वाधिक 9 हजार 909 मतदाताओं के नाम कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में जोड़े गए।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष कुमार ने बताया कि जिले में सर्वाधिक 4 हजार 38 महिला मतदाताओं के नाम कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में जोड़े गए। जिले में सर्वाधिक 5 हजार 871 पुरुष मतदाताओं के नाम कोटपूतली विधानसभा में जोड़े गए। वर्तमान में जिले में सर्वाधिक मतदाता 453825 झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में है।

उन्होंने बताया कि विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के पश्चात जयपुर जिले की 19 विधानसभा क्षेत्रों में 66 हजार 349 पुरुष एवं 47 हजार 268 महिला युवा (18-19 वर्ष) मतदाता हैं। विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के दौरान जयपुर जिले की 19 विधानसभा क्षेत्रों में सबसे कम 1 हजार 741 मतदाताओं के नाम सिविल लाईन्स विधानसभा क्षेत्र में जोड़े गए। वर्तमान में जिले में सबसे कम मतदाता 1 लाख 97 हजार 9 किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में है।

813वां सालाना उर्स : पाक जायरीन का 91 सदस्यीय दल अजमेर पहुंचा

कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच पाक जायरीन दल को पुलिस ने सेंट्रल गर्ल्स स्कूल पहुंचाया

अजमेर, (कासं)। विश्व विख्यात सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 813 वें सालाना उर्स में शिरकत करने पाकिस्तान से आया 91 सदस्यीय दल मंगलवार अलसुबह अजमेर रेलवे स्टेशन पहुंचा, जहां कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच पुलिस ने रोडवेज बसों के माध्यम से पुरानी मंडी सेंट्रल गर्ल्स स्कूल पहुंचाया।

मंगलवार अलसुबह पाक जायरीन के अजमेर पहुंचने से पहले जिला पुलिस, खुफिया तंत्र, जीआरपी और आरपीएफ के जवानों ने प्लेटफार्म नंबर सुरक्षा घेरे में लिया। ट्रेन जैसे ही रेलवे स्टेशन पर रुकी तो पाकिस्तान से आए जायरीन की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे। ट्रेन के कोच से उतरते ही जायरीन ने अजमेर की सरजमीं को चूमते हुए ख्वाजा साहब का शुक्रिया अदा किया। रेलवे स्टेशन के बाहर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए भारत सरकार की ओर से किए गए इंतजामों की सराहना की, उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भाईचारा और सौहार्द कायम बना रहे इसकी दुआ करेंगे।

मंगलवार अल सुबह अजमेर रेलवे स्टेशन पहुंचे पाक जायरीन।

सुरक्षा घेरे में रोडवेज बसों से पहुंचाया स्कूल :- अजमेर के प्लेटफार्म नंबर एक सुरक्षा घेरे में रहा, किसी भी यात्री को आने नहीं दिया गया। रस्सी बांधकर बैरीकेटिंग लगाए गए। खुफिया विभाग ने सभी पाक जायरीन की गिनती की और रोडवेज बसों में बैठाकर पुरानी मंडी सेंट्रल गर्ल्स स्कूल रवाना किया। इस दौरान उनके सामानों को स्केनर मशीन से गुजारा गया और जांच की गई। स्कूल में चिकित्सा विभाग की ओर से अस्थाई डिस्पेंसरी लगाई गई। सेंट्रल गर्ल्स स्कूल में पाक जायरीन के लिए जिला प्रशासन की ओर से अस्थाई कंट्रोल रूम स्थापित किया है। रिटायर्ड प्रशासनिक अधिकारी सुरेश सिंधी को यहां की कमान सौंपी गई है। स्कूल परिसर और आसपास के क्षेत्रों में खुफिया पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी है, सादा वर्दी में जवानों को तैनात है। स्कूल से दरगाह जाने के दौरान पाक जायरीन के साथ जिला पुलिस के करीब दो सौ से अधिक सिपाही भी मौजूद रहेंगे। किसी भी पाक जायरीन को शहर में स्वतंत्र घूमने की अनुमति नहीं है और न ही शहर छोड़कर जाने की। पुलिस और खुफिया विभाग निगरानी बनाए हुए हैं।

- पाक जायरीन दल के सदस्यों ने भारत सरकार की ओर से किए गए इंतजामों की सराहना की

रोडवेज बस से अवैध डोडा-चूरा बरामद, तस्कर गिरफ्तार

पुलिस ने बीस किलो डोडा-चूरा बरामद किया

कोटा, (निसं)। कोटा शहर में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की रोकथाम के लिये शहर पुलिस द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन नश्वर के तहत मादक पदार्थ तस्करों पर पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई कर रही है। ऑपरेशन नश्वर अभियान के तहत रानपुर पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान रोडवेज बस से एक तस्कर को गिरफ्तार किया, जिसके पास से दो बैगों में बीस किलो 400 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा पाउडर बरामद हुआ है।

- आरोपी से डोडा-चूरा पाउडर की खरीद-फरोख्त के संबंध में पूछताछ जारी

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि कोटा शहर में अवैध पदार्थ तस्करी की रोकथाम के लिए ऑपरेशन नश्वर अभियान चलाया जा रहा है। शहर एसपी ने बताया कि शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी व पुलिस उपअधीक्षक मनीष शर्मा के निर्देशन में रानपुर के थानाधिकारी मांगेलाल के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि रानपुर थानाधिकारी मांगेलाल मय जाप्ता पुलिस चौकी जगपुरा के सामने नाकाबंदी कर झालावाड़ की तरफ से आने वाहनों की चैकिंग कर रहे थे।

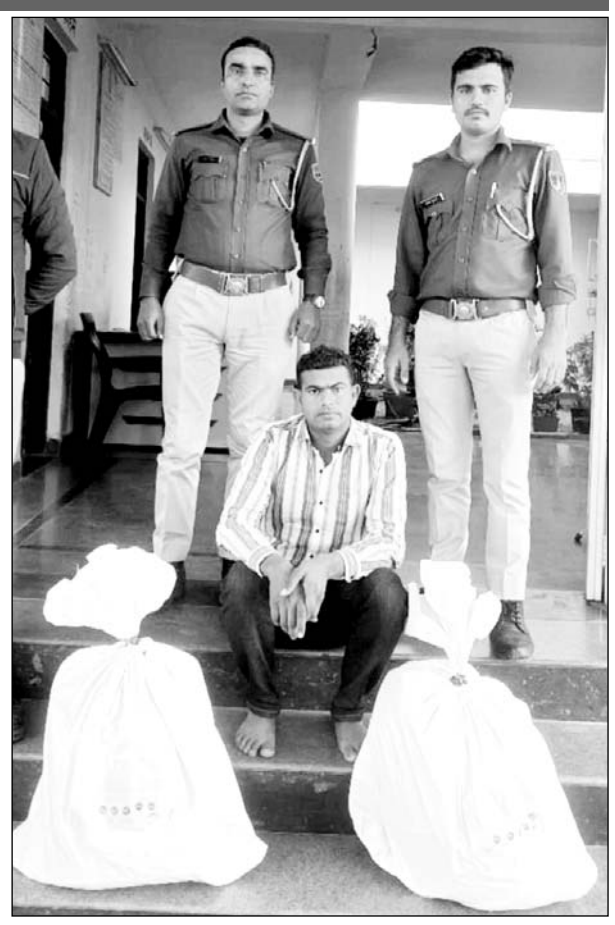

पुलिस ने डोडा-चूरा सहित आरोपी को गिरफ्तार किया।

उसी दौरान मनोहरथाना से कोटा की और आने वाली रोडवेज बस में चैकिंग के दौरान दो बैगों में अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा पाउडर बरामद हुआ। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ बरामद होने पर खोखरिया थाना कापरडा जिला जोधपुर निवासी सुनील कुमार (30) को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी सुनील कुमार से अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा पाउडर की खरीद-फरोख्त के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

साइबर टीम की हिरासत से फरार महिला गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। जीआरपी पुलिस टीम ने दुरंतो एक्सप्रेस में यात्रा के दौरान कोटा स्टेशन से पुणे साइबर टीम को चकमा देकर हिरासत से फरार हुई साइबर फ्रॉड की मुख्य अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। जीआरपी पुलिस उप अधीक्षक शंकरलाल ने बताया कि जीआरपी थानाधिकारी संतोष कुमार के नेतृत्व में साइबर फॉड की वांछित अभियुक्त गुड़िया उर्फ सोफिया उर्फ सानिया सिद्दीकी (24) की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया गया था। जीआरपी पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि करीब साढ़े दस माह बाद जीआरपी टीम के लगातार प्रयास के बाद साइबर फ्रॉड की वांछित अभियुक्त फरीदाबाद हरियाणा निवासी सानिया उर्फ गुड़िया को पुणे महाराष्ट्र से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

जीआरपी पुलिस उपअधीक्षक शंकरलाल ने बताया कि पुलिस थाना पुणे के साइबर पुलिस उपनिरीक्षक प्रमोद खरात ने 19 फरवरी 2024 को जीआरपी थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में बताया था कि 6 फरवरी को साइबर पुलिस टीम पुणे साइबर फ्रॉड में वांछित आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुणे से रवाना हुई थी। रिपोर्ट में कहा कि 16 फरवरी को साइबर फ्रॉड की वांछित मुख्य अभियुक्त फरीदाबाद हरियाणा निवासी सानिया उर्फ गुडिया को दस्तयाब कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। 17 फरवरी को न्यायालय से गिरफ्तारशुदा आरोपी का यात्रा वारंट प्राप्त किया। रिपोर्ट में कहा कि 17 फरवरी को दुरंतो एक्सप्रेस से हजरत निजामुद्दीन से मुख्य आरोपी को लेकर पनवेल के लिये रवाना हुऐ थे यात्रा के दौरान नींद लग जाने पर गिरफ्तारशुदा आरोपी ट्रेन के कोटा रेलवे स्टेशन पर रूकने पर ट्रेन से उतरकर फरार हो गई।

टीचर से परेशान नाबालिग लड़की ने आत्महत्या की

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट के राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र निवासी एक नाबालिग युवती ने अपने अध्यापक से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। उसने सेल्फास की गोलियां खाई थी। इलाज के दौरान नाबालिग ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने प्राइवेट स्कूल टीचर के खिलाफ बेटी को मिलने के लिए दबाव बनाने और धमकी देने का मामला दर्ज करवाया था। परिजनों ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी थाना क्षेत्र के एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ती थी। यहां पर प्राइवेट स्कूल के टीचर ने उनकी बेटी को स्कूल में अश्लील इशारा किया। उससे मिलने के लिए दबाव बनाया और धमकी दी। घर वालों ने स्कूल संचालक और आरोपी टीचर को भी उलाहना दी।इसके बावजूद आरोपी नहीं माना। परेशान होकर बेटी ने पांच दिसंबर को सेल्फास की गोलियां खा ली।

दंपती व बच्चों के शव घर पहुंचे, अंतिम संस्कार किया

सायला, (निसं)। सायला पुलिस थानाक्षेत्र के जीवाणा-भीनमाल स्टेट हाइवे पर उन्नडी-पोषाणा के बीच बाइक सवार दंपती और दो बच्चों की अवैध बजरी से भरे डंपर द्वारा कुचलने से मौत के बाद तीसरे दिन मंगलवार को मृतकों के शव का पोस्टमार्टम हुआ।

सायला के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की मोच्युरी में चारों शवों का मेडिकल टीम द्वारा पोस्टमार्टम किया गया। दोपहर को मृतकों के शव बावतरा पहुंचे तो गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जैसे ही शव घर पहुंचे परिजनों के हृदय विदारक विलाप ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया। ग्रामीणों व समाजबंधुओं ने रोते-बिलखते परिजनों को ढांढस बंधाया। मृतक के माता-पिता और दस वर्षीय बेटे राहुलपुरी का रो-रोकर बुरा हाल था। गमगीन माहौल में मृतकों के शवों का अंतिम संस्कार किया गया।

- तीसरे दिन मंगलवार को मृतकों के शव का पोस्टमार्टम हुआ

जानकारी के अनुसार रविवार को एक सड़क हादसे में बावतरा गांव निवासी उत्तमपुरी पुत्र मांगपुरी (32 वर्ष), उसकी पत्नी डिम्पल देवी (30 वर्ष), बेटी चिंटू (8 वर्ष) और बेटे राजपुरी (5 वर्ष) को अवैध बजरी से डंपर ने कुचल दिया था, जिससे चारों की मौत हो गई थी। मृतका डिम्पल देवी गर्भवती भी थी। अब उत्तमपुरी के परिवार में बड़ा बेटा राहुलपुरी ही बचा है। वहीं मृतक के भाई रमेशपुरी ने डम्पर चालक के विरूद्ध तेज गति व लापरवाही से डम्पर चलाकर गलत दिशा में आकर बाइक के टक्कर मारने का मामला दर्ज करवाया है।

आर्मी कैंट में घूमता संदिग्ध व्यक्ति गिरफ्तार

पोकरण, (कासं)। पोकरण में सोमवार रात्रि में एक संदिग्ध आर्मी कैंट में घूमता पाया गया, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने व्यक्ति को गिरफ्तार कर पूछताछ की। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार रात्रि में करीब दस बजे एक व्यक्ति पोकरण स्थित आर्मी कैंट घूम रहा था। आर्मी के जवानों की सतर्कता से संदिग्ध पकड़ा गया। उक्त व्यक्ति तारबंदी को पार कर आर्मी कैंट के अंदर पहुंचा गया था। इस संदिग्ध के पास एक बैग भी मिला। पोकरण पुलिस के अनुसार इस के पास कोई पहचान संबंधित दस्तावेज नहीं मिले हैं। पोकरण स्थित सुरक्षा एजेंसियों ने संदिग्ध से पूछताछ की जिसमें उसने अपना नाम हसीद फरीदी उर्फ बबलू अमीनाबाद लखनऊ का निवासी बताया है। आर्मी इंटेलीजेंस ने देर रात गहनता से संदिग्ध से पूछताछ की। मगंलवार सुबह पोकरण थाने को उसे सुपुर्द किया। संदिग्ध व्यक्ति आर्मी जवानों की सतर्कता से पकड़ा गया है।

सी.एम. के मीडिया सलाहकार हीरेन जोशी की दादी का निधन

- खैरथल में बैकुंठी यात्रा निकालकर अंतिम संस्कार किया गया
- जयपुर, अलवर सहित खैरथल से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुये

खैरथल, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मीडिया सलाहकार हीरेन जोशी की दादी भगवती देवी का निधन मंगलवार को हो गया, वे 92 साल की थी। खैरथल स्थित निवास स्थान से अंतिम संस्कार के लिए बैकुंठी निकाली गई। यात्रा में शामिल हुए लोग भजन कीर्तन करते हुए मोक्षधाम पहुंचे।

परिवार में उनके पुत्र देवदत्त जोशी, पोत्र कमल जोशी, हीरेन जोशी, प्रपोत्र केशव जोशी हैं। भगवती देवी का जीवन सेवाभावी रहा। उनकी आध्यात्मिक जीवनशैली सदैव ईश्वर भक्ति में समर्पित रही तथा भगवती देवी का आचरण समाज को प्रेरणा देने वाला रहा। पूज्य भगवती देवी की बैकुंठी यात्रा में जयपुर अलवर सहित खैरथल से बड़ी संख्या में मीडिया कर्मी प्रबुद्ध जन समाज के लोग शामिल हुए।

भगवती देवी।

परिवार के अनपढ़ होने का फायदा उठाकर जमीन की रजिस्ट्री करवाई

उदयपुर, (कासं)। एक परिवार के अनपढ़ होने का फायदा उठाकर गांव के लोगों ने इस परिवार के नाम की जमीन को विश्वास में लेकर अन्य लोगों के नाम पर रजिस्ट्री करवा दी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रामलाल पुत्र मोतीलाल गमेती निवासी भील बस्ती ईसवाल गोगुन्दा ने चुन्नीलाल पुत्र रामलाल गमेती निवासी बरोडीया गोगुन्दा, प्रेमलाल पुत्र लोगर लाल गमेती निवासी इसवाल गोगुन्दा, रमेश चन्द्र पुत्र मोहन लाल भील निवासी इसवाल गोगुन्दा, मदन पुत्र लोगर लाल गमेती निवासी ईसवाल गोगुन्दा, अनिल गमेती पुत्र केशुलाल भील निवासी नीमचमाता देवाली के खिलाफ रिपोर्ट दी कि मुझ प्रार्थी के पिता का स्वर्गवास हो चुका है। मेरे पिता के नाम पर हमारे गांव ईसवाल में जो जमीन थी वह पिता के अन्तकाल खुलने पर मुझ प्रार्थी व मेरे भाई देवीलाल, भीमा एवं बहन लक्ष्मी व माता काली बाई के नाम

- गोगुंदा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

राजस्व रिकोर्ड में दर्ज हो गई थी।

करीब चार माह पूर्व मेरे गांव के परिचित प्रेमा गमेती व उसका भाई मदन गमेती व रमेश गमेती ने मुझे व मेरी मां काली बाई व बहन लक्ष्मी बाई को गलत जानकारी देते हुए बताया कि आपके पिता मोतीराम ने पूर्व में जमीन विक्रय की उस जमीन में कुछ हिस्सा बाकी रह गया जो आपके नाम पर है। उसकी हमारे मिलने वालों के नाम पर रजिस्ट्री करवा दो और उसके जो भी पैसे बनते हैं, वो हम आपको दिलवा देंगे। ऐसा बोलकर मुझे व मेरी मां काली बाई व बहन लक्ष्मी बाई को विश्वास में लेकर 19 सितम्बर 2024 को मेरी बहन लक्ष्मी बाई का बनने वाला 1/5वां हिस्सा व बाद में 15 अक्टूबर को मेरी मां काली बाई का बनने वाला 1/5 वा हिस्सा व 5 नवम्बर 2024 को मेरा हिस्सा चुन्नीलाल गमेती निवासी बरोड़िया के नाम पर रजिस्ट्री करवा दी। मेरी बहन लक्ष्मी बाई को बैंक का एक एक लाख का चैक दिया। मुझ प्रार्थी को भी गलत जानकारी देते हुए मेरे हिस्से जमीन की भी रजिस्ट्री करवा कर मुझे एक लाख रूपये का चैक दिया जिसे मेरे बैंक खाते में जमा नहीं करवाया। मेरी बहन ने खाते में जमा करवाया परन्तु रिटर्न हो गया। 3 दिसम्बर को कुछ लोग हमारी जमीन पर कब्जा करने आए तो हमने कब्जा करने से मना कर दिया तो उन लोगों ने कहा कि हमने जमीन खरीद ली उस समय ये लोग धमकी देकर गये कि कब्जा खाली कर देना नहीं तो हम तुम्हें मारपीट कर भगाकर भी कब्जा तो लेकर रहेंगे।

इस पर जब बडगांव तहसील से पता किया तो पता चला कि चुन्नीलाल गमेती ने पहले अपने नाम से पॉवर ऑफ अटार्नी करवा दिया और उसके बाद आधे हिस्से की अपने नाम पर रजिस्ट्री करवा दी। आधे हिस्से की अपने ही पार्टनर अनिल गमेती के नाम पर रजिस्ट्री करवा दी। इस पर गाव के परिचित प्रेमा गमेती व उसका भाई मदन गमेती व रमेश गमेती से इस बारे में सम्पर्क किया तो उन्होंने कहा कि हमारे को उस पार्टी जमीन खरीदने वालों ने खर्च के रूपये दिये थे इसलिए तुम्हारे को लेकर गये।

अब हम भी कुछ भी नहीं कर सकते हैं। मुझ प्रार्थी व मेरे परिवार के सदस्य ने एक भी रूपया प्राप्त नहीं किया। इन सभी लोगो ने हम अनपढ़ होने का फायदा उठाकर मेरे पिता के द्वारा पूर्व में बेची गयी जमीन में से कुछ हिस्सा बेचना बाकी रहने की गलत जानकारी हमारे खातेदारी की सम्पूर्ण जमीन का पॉवर ऑफ अटार्नी लिखवा कर हमारी खातेदारी जमीन की रजिस्ट्री करवा दी है। अब ये लोग आकर धमका रहे हैं। रिपोर्ट पर गोगुंदा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सूरत मामले में आसाराम को जमानत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम को सूरत के अपने आश्रम में महिला अनुयायी से रेप के मामले में 31 मार्च तक बेल मिली है। हालांकि उनके जेल से बाहर निकलने की संभावना नहीं है क्योंकि आसाराम नाबलिग से रेप का भी दोषी है और इस मामले में जोधपुर सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम को निर्देश दिया है कि वे सबूतों से छेड़छाड़ न करे और रिहाई के बाद अपने अनुयायियों से न मिले। अंतरित जमानत के दौरान आसाराम बापू के साथ पुलिसकर्मी भी रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एमएम सुंदरेश और राजेश बिंदल की पीठ ने याचिका के आधार पर पाया कि आसाराम दिल की बीमारी के अलावा उम्र से जुड़ी कई बीमारियों से पीड़ित है। उसका फिलहाल जोधपुर के आरोग्य मेडिकल सेंटर में इलाज चल रहा है। वे जोधपुर सेंट्रल जेल में अपनी सजा काट रहे है, इसे ध्यान मे रखते हुए 31 मार्च तक अंतरिम जमानत दी है।

मारपीट कर 25 हजार और दो फोन छीने

उदयपुर, (कासं)। एडवांस लेकर भागे चालक से बातचीत के दौरान गांव के कुछ लोगों ने एक युवक से मारपीट कर घायल कर दिया और 25 हजार रूपए व दो फोन ले लिए।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मनोहर लाल पुत्र जयराम गुर्जर निवासी रठाना मावली ने रिपोर्ट दी कि पांच जनवरी को करीब 3-4 बजे अहमदाबाद से मेरे लड़के शंकर का फोन आया और मुझे बताया कि आप खादरा जाकर प्रेम को अहमदाबाद बैठाना है। प्रेम ने मुझे फोन किया है इसलिये मैने शाम की 5-6 बजे प्रेम को फोन कर बताया कि तैयार हो जाना

- डबोक थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी

मै तुझे लेने को आ रहा हूं। मेरे जाने में थोड़ा लेट हुआ तो सामने से प्रेम ने मुझे करीब 7-8 बार फोन किया कि आप आ जाओ मैं घर पर ही हूं।

मैं मेरे दोस्त दामोदर पुत्र चुन्नीलाल जोशी निवासी पिपरोली ब्राह्मणों की तलाई की कार लेकर मैं व भतीजा देवीलाल पुत्र जयराम गुर्जर व बालु पुत्र चुना गुर्जर निवासी रठाना के साथ प्रेम को लेने गांव खादरा गए तो वहां लक्ष्मण गमेती शराब की दुकान पर बैठा था जो पूर्व में मेरा ड्राईवर था। उसने मेरे से एडवांस पांच हजार रूपए ले रखे थे। उससे मैं बात कर रहा था तो वह भाग गया तो मैंने उसको आवाज लगाई। इतने में फतह सिंह निवासी खादरा वाडा हनुमान जी मंदिर के पास आया और मेरे साथ मारपीट की। उसके साथ सात-आठ अन्य लोगों ने भी मारपीट की। इस दौरान करीब 25 हजार रुपये व फोन मौके पर गिर गए जो फतह सिंह ने ले लिया और वापस नहीं दिया। लठ्ठ व पत्थर से कार को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दी। रिपोर्ट पर डबोक थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार, जेवर बरामद

पाटन, (निसं)। पुलिस अधीक्षक सीकर भुवन भूषण यादव (आईपीएस) के निर्देशानुसार संपत्ति संबंधी अपराधों में शीघ्र कार्रवाई करते हुए, पुलिस थाना पाटन ने चोरी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर जेवर बरामद किये हैं।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गिरधारीलाल शर्मा और पुलिस उप अधीक्षक अनुज डाल के निर्देशन में पाटन पुलिस ने चोरी के मामले में वांछित आरोपी करण सिंह उर्फ करण धानका को गिरफ्तार किया है। आरोपी करण सिंह उर्फ करण धानका उम्रनिवासी रैया का बास को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं। पुलिस द्वारा आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहां उसे न्यायिक अभिरक्षा में भिजवा दिया गया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पाटन पुलिस ने अज्ञात आरोपियों की तलाश में मुखबिर तंत्र और सूचनाओं का संकलन किया। पुलिस टीम के सक्रिय प्रयासों से आरोपी करण सिंह उर्फ करण धानका को गिरफ्तार कर चोरी का खुलासा किया गया।

पाटन पुलिस ने चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

नीमकाथाना जिला हटाए जाने के विरोध में आठवें दिन भी धरना जारी

भूख हड़ताल पर बैठे लोगों को माला पहनाकर धरने पर बैठाया गया

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना को जिला बनाए रखने की मांग को लेकर भूख हड़ताल आठवें दिन भी जारी रही। भूख हड़ताल पर बैठे लोगों को माला पहनाकर धरने पर बैठाया गया। इस आंदोलन में भूपेन्द्र सिंह तंवर (पंचायत समिति सदस्य, मावण्डां कलां), अवतार गुर्जर (पंचायत समिति सदस्य, गणेश्वर), हरिराम भावरिया (पंचायत समिति सदस्य, प्रितमपुरी), सुभाष सिंघल, महेश शर्मा और सुरज्ञान सिंह (आदिवासी समिति सदस्य) ने नीमकाथाना जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर भूख हड़ताल जारी रखी।

जानकारी के अनुसार जिले को बचाने के लिए मंगलवार को अग्रवाल समाज समिति, विप्र समाज, राजस्थान पेंशनर्स मंच और ग्राम पंचायत नाथा का नांगल के लोगों ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर कार्यालय तक रैली निकालकर विरोध जताया। उन्होंने अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और भूख हड़ताल पर बैठे लोगों को समर्थन दिया। नीमकाथाना को जिला सूची से हटाने के फैसले के खिलाफ लोगों में भारी आक्रोश है। जगह-जगह टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है और भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी हो रही है। जिला बचाओ संघर्ष समिति के नेतृत्व में क्षेत्रीय लोग इस आंदोलन में जुड़ते जा रहे हैं। आगामी 13 जनवरी को रामलीला मैदान में एक विशाल महासभा का आयोजन किया जाएगा। धरने में पूर्व सरपंच बसंत यादव, बाबूलाल यादव, डॉ. जे.पी. यादव, डॉ. जी. एल. सैनी, प्रमोद कुमार शर्मा, डॉ. जगत सिंह मीणा, दाताराम यादव, कांता प्रसाद शर्मा, चन्द्रभान शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, जयदयाल शर्मा, कैलाश चन्द शर्मा, अशोक शर्मा, सुभाष शर्मा, कमलेश मेगोतिया, दिनेश नरेड़ी, राजेश कुमार गुप्ता, संजय चेतानी, महेश गोयल, दीपक गुप्ता, कार्तिक अग्रवाल, मोनू अग्रवाल, सुमेर सिंह तंवर समेत सैकड़ों क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

धरने को कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

सटीकता, गति और जुनून...दुनिया से टकराने के लिए पूरी तरह तैयार! शमी वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। - मोहम्मद शमी

भारतीय तेज गेंदबाज, अपनी फिटनेस के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

यशस्वी जायसवाल

भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कम समय में क्रिकेट जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने घरेलू सरजमीं पर और विदेश में बल्ले से बखूबी छाप छोड़ी है। उन्होंने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में प्रभावित किया, जहां वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय प्लेयर रहे। यशस्वी ने जुलाई 2023 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वह अभी तक टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते हैं, हालांकि, स्टार ओपनर की आने वाले कुछ दिनों में किस्मत चमक सकती है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत टी-20 इतिहास में एक कैलेंडर वर्ष में 200 छक्के लगाने वाली पहली टीम बन गई, ऐसा उसने 2024 में किया।

बुमराह प्लेयर ऑफ द मंथ बन सकते हैं, कमिंस और पैटरसन भी रेस में

नई दिल्ली, 7 जनवरी। जसप्रीत बुमराह दिसंबर की परफॉर्मेंस के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड जीत सकते हैं। आईसीसी ने उनके साथ साउथ अफ्रीका के गेंदबाज डैन पैटरसन और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस को भी नॉमिनेट किया है। विमेंस क्रिकेटर में भारत की स्मृति मंधाना भी रेस में हैं। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड और साउथ अफ्रीका की एन मलाबा भी नॉमिनेट हुई हैं।

बुमराह ने 3 मैच में 22 विकेट लिए जसप्रीत बुमराह ने दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 टेस्ट खेले। इनमें उन्होंने 22 विकेट अपने नाम किए। मेलबर्न और ब्रिस्बेन में तो उन्होंने 18 विकेट लिए। एडिलेड में वह 4 ही विकेट ले सके, क्योंकि दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 2 ही ओवर बैटिंग कर मैच जीत लिया था।

पैटरसन ने 13, कमिंस ने 17 विकेट लिए प्लेयर ऑफ द मंथ की रेस में साउथ अफ्रीका के डैन पैटरसन भी शामिल हैं। उन्होंने श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ 2 ही टेस्ट में 13 विकेट झटक लिए। वहीं ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने भारत के खिलाफ 3 टेस्ट में 17 विकेट लिए। तीनों प्लेयर्स में बुमराह की परफॉर्मेंस बेहतर रही, इसलिए वह इस अवॉर्ड को जीत सकते हैं। मंधाना ने 463 रन बनाए भारत की ओपनिंग बैटर स्मृति मंधाना ने दिसंबर में 9 मैच खेले और 463 रन बना दिए।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक शतक भी लगाया। उन्होंने फिर वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार 5 मैचों में 50 स्कोर बनाए। उन्होंने वनडे में 270 और टी-20 में 193 रन बनाए।

एलियन के ताने से अर्जुन पुरस्कार तक का सफर

तुलसीमति ने पिता को समर्पित किया पुरस्कार

नई दिल्ली, 7 जनवरी। जन्मजात विकृति और गहरे रंग के कारण सहपाठियों से 'एलियन' का ताना सुनने वाली भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी तुलसीमति मुरुगेसन ने पेरिस पैरालंपिक में रजत पदक जीतने के बाद अर्जुन पुरस्कारों की सूची में जगह बनाकर बचपन की अपनी कड़वीं यादों को पीछे छोड़ दिया है। इस 22 साल की लड़की की कहानी अथक दृढ़ता की है जो दिहाड़ी मजदूरी करने वाले अपने पिता डी. मुरुगेसन के अटूट समर्थन से प्रेरित है। उनके पिता ने समाज के विरोध के बावजूद अपनी बेटियों(तुलसीमति और किरुट्टीघा) को खेलों में आगे बढ़ना जारी रखा।

तुलसीमति ने 'पीटीआई' से कहा, ''उन्होंने हमें कभी भी अपने संघर्षों को देखने नहीं दिया। वह नहीं चाहते थे कि हमें पता चले कि उन्होंने हमारे सपनों को साकार करने के लिए कितनी मेहनत की या कितना बलिदान दिया। यही कारण है कि हर पदक, हर पुरस्कार जो मैं जीतती हूं, वह उनका है।'' उन्होंने कहा, '' रिश्तेदार और पड़ोसी मेरे पिता से कहते थे कि हमें खेल के मैदान पर क्यों ले जा रहे हैं। वे लड़कियां हैं और वे शादी कर के चली जायेंगी।''

डी.मुरुगेसन पर हालांकि इसका कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने अपनी बेटियों को हॉकी, टेनिस, फुटबॉल, वॉलीबॉल खेलने के लिए प्रेरित किया। तुलसीमति और उनकी बहन को हालांकि बैडमिंटन सबसे चुनौतीपूर्ण लगा इसलिए उनके पिता ने इस खेल को चुनने का फैसला किया। उन्होंने कहा, ''जब हमने कहा कि यह कठिन है, तो मेरे पिता ने कहा कि 'यही खेल तुम्हारा पेशा होगा'। और फिर उस फैसले ने हमारी जिंदगी बदल दी।''

परिवार की मुश्किल वित्तीय स्थिति के बीच भी मुरुगेसन ने अपनी बेटियों के सपने को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस दौरान छोटे टूर्नामेंटों से मिलने वाली इनामी राशियों का इस्तेमाल उन्होंने खेल से जुड़े उपकरण खरीदने में किया। अपने बचपन के बारे में पूछे जाने पर तुलसीमति ने कहा, '' मैंने कई मुश्किल परिस्थितियों का सामना किया है। मेरे सहपाठी मेरी दिव्यांगता के कारण मुझे चिढाते थे। वे मेरे रंग, मेरे हाथ और मेरी पृष्ठभूमि के कारण मुझे 'एलियन' कहते थे।''

उन्होंने कहा, ''मैंने एक बार जिला स्तर के एक छोटे टूर्नामेंट में भाग लिया था और जब जीत कर लौटी तो कुछ सहपाठी मुझ से बात करने आये। उसी समय मैंने अपनी कड़वी यादों को पीछे छोड़ने के लिए जीवन में कुछ बड़ा हासिल करना के बारे में सोचा।'' 'मस्कुलर डिस्ट्रॉफी' के कारण तुलसीमति का बायां हाथ काम नहीं करता था लेकिन 2022 में एक सड़क दुर्घटना ने उनके इस हाथ को पूरी तरह से खराब कर दिया।

भारतीय खिलाड़ियों को एसए-20 में खेलने की स्वीकृति देगा बीसीसीआई

नई दिल्ली, 7 जनवरी। दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) निकट भविष्य में भारतीय खिलाड़ियों को एसए20 में भाग लेने की अनुमति देगा क्योंकि इससे इस फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग की लोकप्रियता बढ़ेगी। दिनेश कार्तिक एसए20 में भाग लेने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनने वाले हैं लेकिन यह तभी संभव हो पाया जब उन्होंने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। बीसीसीआई अपने सक्रिय खिलाड़ियों को विदेशी लीग में भाग लेने की अनुमति नहीं देता है।

अभी तक भारत से बाहर की प्रतियोगिताओं में खेलने का एकमात्र तरीका स्वदेश में अपने करियर को विराम देना है। डिविलियर्स ने नौ जनवरी से शुरू होने वाले एसए20 के तीसरे सत्र से पूर्व चुनिंदा मीडिया से बात करते हुए कहा, '' मैं और अधिक भारतीय खिलाड़ियों को इसमें शामिल होते देखना पसंद करूंगा। हम जानते हैं कि दिनेश कार्तिक इस साल यहां होंगे जो शानदार है और यह टूर्नामेंट के लिए बहुत अच्छा है।'' उन्होंने कहा, ''और उम्मीद है कि बीसीसीआई भविष्य में और अधिक भारतीय खिलाड़ियों को एसए20 में शामिल होने की अनुमति देगा।''

डिविलियर्स अच्छी तरह से जानते हैं कि बीसीसीआई निकट भविष्य में सक्रिय भारतीय खिलाड़ियों को विदेशी लीग के लिए उपलब्ध नहीं कराने जा रहा है। उनका मानना है कि किसी लीग को प्रतिद्वंद्वियों से आगे रखने का एकमात्र तरीका सर्वश्रेष्ठ विदेशी प्रतिभाओं को आकर्षित करना है जैसा कि आईपीएल ने पिछले कुछ वर्षों में किया है।

पाकिस्तान पर दूसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति के लिए लगा जुर्माना

केपटाउन, 7 जनवरी। पाकिस्तान पर न्यूलैंड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गये दूसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति के कारण मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। पाकिस्तान को निर्धारित समय से पांच ओवर कम फेंकने का दोषी पाया गया। आईसीसी के नियमों के अनुसार पाकिस्तान के खाते से पांच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक काटे गये हैं। यह जुर्माना खिलाडियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार है, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है। नियमों के अनुसार खिलाडियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय में गेंदबाजी नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

विमेंस प्रीमियर लीग लखनऊ और बड़ौदा में होगा

नई दिल्ली, 7 जनवरी। विमेंस प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन के लिए ने 2 वेन्यू फाइनल कर लिए हैं। बड़ौदा और लखनऊ में 5 टीमों के बीच सभी मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट 6 या 7 फरवरी से शुरू हो सकता है। बड़ौदा में सेकेंड फेज के मैच होंगे, जिनमें क्वालिफायर और फाइनल भी शामिल हैं।

टूर्नामेंट का ऑफशियल शेड्यूल रिलीज होना बाकी है। हालांकि, बोर्ड ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन और बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन को उनके ग्राउंड पर मैच कराने की जानकारी दे दी है। शेड्यूल का ऑफिशियल अनाउंसमेंट कुछ ही दिनों में हो जाएगा है। बड़ौदा में विमेंस इंटरनेशनल मैच हुआ था बड़ौदा में कोटाम्बी स्टेडियम है, जिसका उद्घाटन पिछले महीने ही हुआ था। यहां भारत और वेस्टइंडीज के बीच मैच खेला गया था। यहां 3 वनडे हुए थे। इस स्टेडियम में सीनियर विमेंस टी-20 टूर्नामेंट और रणजी ट्रॉफी के मैच भी हो चुके हैं। स्टेडियम में फ्लड लाइट्स लग चुके हैं। 9 जनवरी से शुरू होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट मैच यहां होंगे, इसमें इन लाइट्स की टेस्टिंग भी हो जाएगी।

23 मैच होंगे के शुरुआती 2 सीजन में 5 टीमों के बीच 23-23 मैच खेले गए थे। इस बार भी 23 मैच ही होंगे, जिसके लिए लखनऊ का इकाना स्टेडियम पहला ऑप्शन है। जहां फर्स्ट फेज के 10 या 11 मैच खेले जाएंगे। बड़ौदा में सेकेंड फेज के मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का फाइनल 8 या 9 मार्च को हो सकता है। जिसके बाद 14 मार्च से ही भी शुरू हो जाएगा। का पहला सीजन मुंबई में ही हुआ था। जबकि दूसरे सीजन में बेंगलुरु और दिल्ली को वेन्यू बनाया गया था। बेंगलुरु डिफेंडिंग चैंपियन है, वहीं मुंबई ने पहले सीजन का खिताब जीता था। दोनों फाइनल में दिल्ली को ही हार मिली।

पीएसपीबी इंटर यूनिट स्क्वैश चैम्पियनशिप आज से जयपुर में

जयपुर, 7 जनवरी। इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) की मेजबानी में छठी पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (पीएसपीबी) इंटर यूनिट स्क्वैश चैंपियनशिप 8 से 11 जनवरी तक यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित स्क्वैश एकेडमी कोर्ट्स पर आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में छह टीमें हिस्सा लेंगी। आई जी एल के मानव संसाधन विभागाध्यक्ष शिवनेन्द्र कुमार ने मंगलवार को यहां बताया कि चैंपियनशिप के दौरान पुरुष, महिला और वेटरन कैटेगरी में व्यक्तिगत और टीम चैंपियनशिप के लिए मुकाबले खेले जाएंगे। शिवनेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में मेजबान इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के साथ भारत पेट्रोलियम, आयल इंडिया, एनआरएल असम, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमि. और ओनएनजीसी की टीमें हिस्सा लेंगी। उन्होंने बताया कि बुधवार को उद्घाटन समारोह में आईजीएल के डायरेक्टर (कॉमर्शियल) मोहित भाटिया मुख्य अतिथि होंगे, जबकि बीपीसीएल के डायरेक्टर (एचआर) राजकुमार दुबे और पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के एडवाइजर ललित कुमार वत्स विशिष्ट अतिथि होंगे।

राजस्थान के दीवांश सिंह बने राष्ट्रीय चैम्पियन, राजस्थान ने जीते दो पदक

जयपुर, 7 जनवरी। 41वीं एनटीपीसी राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में राजस्थान के तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदक अपने नाम किए। आज कंपाउंड इवेंट के फाइनल मुकाबलों में प्रतिभागियों ने बेहतरीन कौशल का प्रदर्शन किया। व्यक्तिगत मुकाबले में राजस्थान के दीवांश सिंह ने महाराष्ट्र के मानव यादव को हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया।

राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने जानकारी दी कि स्वर्ण पदक जीतने वाले दीवांश सिंह ने अपनी सटीक निशानेबाजी और आत्मविश्वास से दर्शकों और निर्णायकों को प्रभावित किया। इसके अलावा कंपाउंड पुरुष वर्ग की टीम ने कांस्य पदक हासिल कर राजस्थान का नाम रोशन किया।

मेडल सेरेमनी के मुख्य अतिथि अर्जुन अवार्ड और ओलंपियन डोला बनर्जी ने प्रतिभागियों को सम्मानित किया। अपने उद्बोधन में बनर्जी ने कहा कि राजस्थान में ऐसे आयोजनों से नई प्रतिभाएं उभर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय तीरंदाजी में राजस्थान के तीरंदाजों का हमेशा से महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आयोजन समिति से जुड़े अनिल जोशी ने बताया कि प्रतियोगिता का अगला चरण इंडियन राउंड के मुकाबलों के साथ कल से शुरू होगा।

इन मुकाबलों में भी रोमांचक प्रदर्शन की उम्मीद है। व्यक्तिगत कंपाउंड इवेंट (पुरुष): स्वर्ण पदक: दीवांश सिंह (राजस्थान), दीवान सिंह ने कड़े मुकाबले में महाराष्ट्र के मानव जादव को मात्र एक अंक से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया यह मैच टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मुकाबला माना गया था। दीवान सिंह ने खेलते हुए 150 में से 149 अंक बनाए तो वही महाराष्ट्र के मानव जादव ने 150 में से 146 अंक बनाकर सिल्वर पदक से संतोष करना पड़ा।

कंपाउंड पुरुष टीम इवेंट: कांस्य पदक: राजस्थान, यह आयोजन न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए तीरंदाजी के क्षेत्र में प्रेरणादायक साबित हो रहा है। राजस्थान तीरंदाजी संघ के प्रयासों से राज्य में तीरंदाजी का स्तर लगातार ऊंचा हो रहा है।

रोहित-कोहली का टेस्ट फ्यूटर सिलेक्टर्स पर: गावस्कर

नई दिल्ली, 7 जनवरी। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है की रोहित शर्मा और विराट कोहली का क्रिकेटिंग भविष्य अब सिलेक्टर्स के हाथों में हैं। पिछले छह महीनों से आउट ऑफ फॉर्म चल रहे दोनों बल्लेबाजों की वजह से टीम के प्रदर्शन में कमी आई है। न्यूजीलैंड से घर पर क्लीन स्वीप और 10 साल बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी गंवाने के बाद विराट और रोहित के टेस्ट फ्यूचर पर सवाल उठ रहे हैं। 6 महीने से बल्लेबाजी फ्लॉप गावस्कर ने कहा, भारत (वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप) फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया है। टीम को उन कारणों पर विचार करना होगा कि ऐसा क्यों हुआ, जिससे हमारी बल्लेबाजी खराब रही। न हम खुद बनाए गए स्पिनिंग ट्रैक पर खेल पाए और न ही बाउंसी ट्रैक पर अच्छा परफॉर्म कर पाए।

बैटिंग यूनिट के दो मुख्य बल्लेबाज रोहित और कोहली टीम की सबसे बड़ी कमजोरी साबित हुए। में कोहली ने 9 पारियों में एक नाबाद शतक सहित 190 रन बनाए। जबकि रोहित से 5 पारियों में मात्र 31 रन बन सके। भारतीय टीम सीरीज की 9 इनिंग में 6 बार 200 का आंकड़ा पार न कर सकी।

पूर्व कप्तान ने कहा, पिछले छह महीनों में बल्लेबाजी खराब रही और यही मुख्य कारण था कि हम मैच हार गए जो हमें जीतने चाहिए थे। इसलिए, यदि 2027 के फाइनल में हमें पहुंचना है तो जून से इंग्लैंड में शुरू हो रही टेस्ट सीरीज में सिलेक्टर्स को तय करना होगा कि टीम कैसी बनानी है। 75 वर्षीय ने कहा, डोमेस्टिक सर्किट में अच्छे प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को मौका देने का समय आ गया है। नीतीश के सिलेक्शन पर तारीफ गावस्कर ने नीतीश कुमार रेड्डी जैसे टैलेंटेड खिलाड़ी के चयन के लिए सिलेक्टर्स की सराहना की। में इस बार भारत के तरफ तीन शतक लगे थे। नीतीश के अलावा यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली ने शतक लगाया था।

7 से 13 तक आयोजित सीनियर नेशनल वालीबॉल चैम्पियनशिप का उद्घाटन

जयपुर, 7 जनवरी। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद और वॉलीबॉल फेडरेशन आफ़ इंडिया की एडहॉक कमेटी द्वारा आयोजित सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा एक शानदार समारोह में उद्घाटन किया गया। चैम्पियनशिप के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता राजस्थान के युवा एवं खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने की और सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर सहित कई गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए सभी खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देना अनिवार्य है और राजस्थान में इस तरह के आयोजन करवाए जाने चाहिए ताकि खिलाडियों को बेहतर प्रदर्शन करने का मौका मिल सके। राजस्थान के युवा एवं खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने इस अवसर पर कहा कि पिछले पाँच वर्षों में वॉलीबॉल का कोई आयोजन नहीं हुआ है इसका मतलब यह है कि खिलाड़ियों की एक पीढ़ी आगे बढ़ने से वंचित रह गई।

उन्होंने दोहराया कि ऐड हॉक कमेटी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि खेलों में कोई व्यवधान ना आने पाए और खिलाड़ियों को ध्यान में रखते हुए फैसले लिए जाएं। आयोजन सचिव भरत सिंह के अनुसार इंडोर और आउटडोर कोर्ट में हो रही इस चैंपियनशिप में लगभग 62 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिसमें 34 पुरुष टीमें और 28 महिला टीमें हैं और खिलाड़ियों और अधिकारियों समेत लगभग 1200 खेल से जुड़े लोग इसमें शामिल हो रहे हैं। 7 से 13 जनवरी तक होने वाली इस चैंपियनशिप में देशभर के सीनियर इंटरनेशनल खिलाड़ी बारीकी से प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी अनुभवी निगाहों से परख रहे हैं और आने वाले राष्ट्रीय खेलों में इन प्रतिभावान खिलाड़ियों को खेलने का अवसर मिलेगा।

जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में होने वाले उद्घाटन समारोह के विशिष्ट अतिथि के रूप में एफआईवीवी के प्रतिनिधि हितेश मल्होत्रा अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने जयपुर पहुंच गए हैं और एडहॉक कमेटी वीएफआई के चेयरमैन रोहित राजपाल तथा सदस्य डॉ अलकनंदा अशोक और एस गोपीनाथ मौजूद रहें। सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, राजस्थान क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष नीरज के पवन, सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया सहित कई गणमान्य नागरिक भी इस अवसर पर शामिल थे।

पहले दिन के मुकाबलों में पुरुष वर्ग में पंजाब की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तेलंगाना को 3-2 से शिकस्त दी वहीं चंडीगढ़ की टीम ने नागालैंड को 3-0 से हराया। आंध्र प्रदेश ने छत्तीसगढ़ को 3-1 से और महाराष्ट्र ने अण्डमान को 3-0 से मात दी। वहीं उड़ीसा ने लद्दाख को 3-0 से और जम्मू-कश्मीर ने त्रिपुरा को 3-0 से हराया। बिहार ने मणिपुर को 3-1 से और रेलवे की टीम ने हरियाणा पर 3-1 से जीत दर्ज की। महिला टीमों ने भी अपना शानदार प्रदर्शन किया और दिल्ली की टीम ने पुदुचेरी को 3-0 से हराया और गुजरात ने सिक्किम को शानदार तरीक़े से 3-0 से मात दी।

राजस्थान स्टेट जूनियर अंतर जिला टीम स्पर्धा प्रतियोगिता जयपुर ने जीती

उदयपुर, 7 जनवरी। इन्द्रसिंह बारहठ स्मृति राजस्थान स्टेट जूनियर एवं अंतर ज़िला एवं ओपन टेनिस प्रतियोगिता मंगलवार को जयपुर ने उदयपुर को हराकर जीता। प्रतियोगिता के आयोजन सचिव डॉ. दीपांकर चक्रवर्ती ने बताया कि पहले एकल में जयपुर के प्रियांशु तंवर ने उदयपुर के निखिलेश भट्ट को 8-0 से हराया। दूसरी एकल प्रतियोगिता में उदयपुर के निखिलेश भट्ट ने जयपुर के जेसन जाट को 8-4 से हराया। निर्णायक डबल्स में प्रियांशु तंवर एवं जेसन जाट की जोड़ी ने उदयपुर के नव्य भट्ट एंव निखिलेश भट्ट की जोड़ी को 7-6 के टाई ब्रेकर में हराकर जयपुर को जीत दिलायी। इसके अतिरिक्त अन्डर-14 आयु वर्ग में जेसन जाट ने दिव्यम चौधरी को 8-5 से हराकर खिताब पर कब्जा किया। अन्डर-18 वर्ग में समिफाईनल में प्रियांश तंवर ने नव्य भट्ट को 8-3 से हराकर फाईनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमिफाईनल में सिरोही के नील भारद्वाज ने जयपुर के आर्यन कांकरवाल को 8-6 से पराजित का फाईनल में प्रवेश किया। अन्डर-16 आयु वर्ग में निखिलेश भट्ट ने हर्षिल मेवाड़ा को हराकर फाईनल में प्रवेश किया। डॉ.. चक्रवर्ती ने बताया कि सभी फाईनल बुधवार को राजस्थान कृषि महाविद्यालय के टेनिस कोर्ट पर खेले जायेंगे एवं सभी विजेता एवं उप विजेता खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे।

जीतो जयपुर बैडमिंटन लीग 2025 का शानदार आयोजन

100 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया भाग

जयपुर, 7 जनवरी। जीतो जयपुर चैप्टर द्वारा आयोजित जीतो जयपुर बैडमिंटन लीग 2025 का भव्य आयोजन एसएमएस बैडमिंटन हॉल, एसएमएस स्टेडियम में संपन्न हुआ। इस रोमांचक टूर्नामेंट में जैन समुदाय के विभिन्न आयु वर्ग के 100 से अधिक प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन जीतो स्पोर्ट्स एपेक्स के डायरेक्टर इन चार्ज जिनेन्द्र कुमार मुनोत और जीतो जयपुर चैप्टर की चेयरपर्सन सलोनी जैन ने किया। जयपुर बैडमिंटन संघ से मनोज दासोत और अतुल गुप्ता ने खिलाड़ियों को मेडल देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में प्रदीप सूराना, संयोजक जीतो स्पोर्ट्स जयपुर व अश्विनी मेहता कार्यक्रम संयोजक ने कार्यक्रम में पधारे सभी प्रतिभागियों को जीतो द्वारा किए जा रहे स्पोर्ट्स की गतिविधियों के बारे में बताया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने टीम व व्यक्तिगत श्रेणियों में जोरदार मुकाबले किए। फाइनल मुकाबलों में 45 डबल्स में अनिल जैन व ललित जैन, 35-45 डबल्स की श्रेणी में अभिषेक जैन व अक्षित शाह, 15-35 डबल्स में कार्तिक जैन व प्रयूल जैन व मिक्सड डबल्स में राजुल भंडारी व ऋषभ जैन विजयी रहे व अंडर 15 सिंगल्स मेल में दिव्यांश बोकाड़िया व फीमेल में कशिका जैन, 15-25 में अंशुल जैन, फीमेल में मान्या जैन, 35-45 में आशीष जैन, 45 मुकेश जैन, 25-35 में नमन जैन विजयी रहे। मुकाबलों ने दर्शकों का मन मोह लिया और विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए।

उदयपुर में आयोजित होगा राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह

मुख्यमंत्री भजनलाल ने वरिष्ठ अधिकारियों को आमजन की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा

जयपुर, 7 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 76वें गणतंत्र दिवस का राज्यस्तरीय समारोह हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ भव्य और परंपरागत रूप से आयोजित किया जाएगा। इस बार यह समारोह झीलों की नगरी उदयपुर में

- जयपुर के साथ उदयपुर में भी सभी प्रमुख इमारतों, दर्शनीय स्थलों व सरकारी कार्यालयों में विशेष सजावट की जायेगी।
- पुलिस, शिक्षा, सार्वजनिक विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों को कार्यक्रम के लिये आपसी समन्वय रखने के निर्देश दिये गये।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उदयपुर में होने वाले राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी अधिकारी अपने निर्धारित दायित्व को पूरा करते हुए आपस में समन्वय के साथ कार्य करें।

आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी अधिकारी अपने निर्धारित दायित्व को पूरा करते हुए आपस में समन्वय के साथ कार्य करें। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस के राज्यस्तरीय आयोजन में राष्ट्रीयता की भावना को इंगित करते हुए कार्यक्रम शामिल करें। साथ ही, समारोह में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजधानी जयपुर की सभी प्रमुख इमारतों, दर्शनीय स्थलों तथा सरकारी कार्यालयों के साथ ही, उदयपुर में भी सभी प्रमुख स्थानों पर आकर्षक सजावट की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने वाले अतिथियों को निमंत्रण पत्र भेजने से लेकर उनके आवागमन, ठहरने और भोजन की उचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि राजभवन जयपुर तथा सहेलियों की बाड़ी उदयपुर में आयोजित होने वाले एटहोम कार्यक्रम के लिए भी सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

शर्मा ने निर्देश दिये कि अधिकारी, समारोह स्थल पर आगंतुकों की बैठने की व्यवस्था, पेयजल, मेडिकल टीम, सुरक्षा, बैरिकेडिंग एवं यातायात व्यवस्था सहित, सभी तैयारियां समय पर पूरी होना सुनिश्चित करें। अधिकारी, समारोह के दौरान स्कूली बच्चों के कार्यक्रम, लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुति, पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आदि से संबंधित सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से किया जाना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने पुलिस, शिक्षा, सार्वजनिक निर्माण, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए अपनी-अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सभी स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के भी निर्देश दिए। बैठक में शासन सचिव सामान्य प्रशासन जोगा राम ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस के आयोजन की तैयारियों की रूपरेखा रखी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय समारोह के आयोजन में राज्य की विविधताओं को दर्शाती हुई झांकियों का प्रदर्शन किया जाए। साथ ही, समारोह में बैंड शो, कैमिल शो, घुड़सवारी शो जैसे कार्यक्रम भी शामिल करें, जिससे वे आमजन के लिए आकर्षण का केन्द्र बनें तथा युवाओं में देशप्रेम की भावना जाग्रत हो।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू आर साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण प्रवीण गुप्ता, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता सहित, शिक्षा, सूचना एवं जनसम्पर्क, पर्यटन, जयपुर जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही, उदयपुर जिला प्रशासन के उच्च अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

खदान में फंसे मजदूरों को निकालने के लिये सेना पहुंची

दीमा हसाओ, 07 जनवरी। असम के दीमा हसाओ जिले के उमरंगसो में 300 फीट गहरी कोयला खदान में सोमवार को अचानक पानी भर गया था, जिससे 9 मजदूर अंदर फंस गए। मजदूरों के फंसने की सूचना 34 घंटे पहले, सोमवार सुबह करीब 7 बजे मिली थी। अब इन मजदूरों के रेस्क्यू में सेना को लगाया गया है। असम के माइनिंग मिनिस्टर कौशिक राय घटनास्थल पर मौजूद हैं। भारतीय सेना और असम

- खदान में भरे पानी को दो मोटरों की मदद से निकाला जा रहा है।

राइफल्स के गोताखोर और मेडिकल टीम के साथ इंजीनियर्स टास्क फोर्स रैस्क्यू में शामिल हो गई हैं।

कुछ रिपोर्ट्स में 3 मजदूरों के शव दिखने की बात कही गई। पुलिस ने खदान के मालिक पुनीश नुनिसा को गिरफ्तार कर लिया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह रैट माइनर्स की खदान है। इसमें 100 फीट तक पानी भर गया है, जिसे दो मोटरों की मदद से निकाला जा रहा है।

आसाराम बापू को 31 मार्च तक की अंतरिम जमानत मिली

सुप्रीम कोर्ट ने स्वास्थ्य कारणों से जमानत दी, पर, वे अपने अनुयायियों से मुलाकात नहीं कर पायेंगे

नई दिल्ली,07 जनवरी। राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद आसाराम बापू को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है। कोर्ट ने आसाराम बापू को अंतरिम जमानत दी है। पिछले दिनों बीमार चल रहे आसाराम बापू को इलाज के लिए महाराष्ट्र भी ले जा गया था। बीच में सूरत की लाजपोर जेल में बंद उनके बेटे को गुजरात हाईकोर्ट ने बीमारी के चलते मिलने की अनुमति दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने स्वास्थ्य कारणों के कारण आधार पर आसाराम बापू को 31 मार्च तक अंतरिम जमानत दी है। हालांकि, इस दौरान कड़ी शर्तें भी लागू रहेंगी। आसाराम बापू अंतरिम जमानत की अवधि में अपने फॉलोवर्स और अनुयायियों से मुलाकात नहीं कर पाएंगे। आसाराम बापू 17 दिन की पैरोल खत्म होने के बाद छह दिन पहले

- आसाराम 17 दिन का पैरोल खत्म होने पर 6 दिन पहले ही जोधपुर जेल वापस आये थे।
- वे 2013 में गिरफ्तार हुये थे तथा तब से जेल में है।

ही राजस्थान की जोधपुर जेल में वापस लौटे थे।

ज्ञातव्य हैं कि आसाराम को जोधपुर पुलिस ने 31 अगस्त 2013 को बलात्कार के मामले में गिरफ्तार किया था और तब से वे जेल में हैं। एक किशोरी ने उन पर जोधपुर के पास मणई गांव में स्थित उनके आश्रम में यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर की रहने वाली यह लड़की आश्रम में छात्रा थी। आसाराम बापू को इसके अलावा गांधीनगर की अदालत ने बलात्कार के मामले में सजा दी थी।

इस मामले में आसाराम को सेशन कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी। आसाराम के खिलाफ रेप का यह मामला साल 2013 में दर्ज हुआ था। पीड़िता के साथ रेप की वारदात साल 2001 से 2006 के बीच हुई थी। यह मामला अहमदाबाद के चांदखेड़ा थाने में दर्ज हुआ था। आसाराम पिछले साढ़े 11 साल से जेल में हैं। आसाराम के बेटे नारायण साईं के खिलाफ भी दुष्कर्म का केस दर्ज हुआ था। इस मामले में साईं को उम्रकैद हुई है। वह सूरत की जेल में बंद है।

डल्लेवाल की स्थिति नाज़ुक, दिन में एक घंटा बेहोश रहे

किसान मोर्चा ने केन्द्र सरकार को चेतावनी दी कि डल्लेवाल को कुछ हो गया, तो स्थिति नहीं संभलेगी

पटियाला, 07 जनवरी। खनौरी बॉर्डर पर 43 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की बिगड़ती स्थिति को लेकर किसान मोर्चा के सब्र का बांध टूटने लगा है।

किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने मंगलवार को केंद्र सरकार को चेतावनी दी। कोहाड़ ने कहा कि अगर डल्लेवाल को कुछ हो गया तो केन्द्र स्थिति को संभाल नहीं पाएगा। बेहतर है कि समय रहते केन्द्र सरकार किसानों की बातों को गंभीरता से सुने और उनकी मांगों को पूरा करे।

वहीं, डल्लेवाल की हालत

- डल्लेवाल के स्वास्थ्य पर जारी बुलेटिन के अनुसार, रात में उनका बी.पी. व पल्स बहुत नीचे गिर गया था। यदि यही हालात रहे तो कभी भी कुछ भी हो सकता है।

नाजुक बनी हुई है। मीडिया बुलेटिन जारी करते हुए डॉ. अवतार सिंह ने बताया कि डल्लेवाल बात तक नहीं कर पा रहे हैं।

ब्लड प्रेशर ऊपर-नीचे हो रहा है। मंगलवार को कमजोरी की वजह से वे करीब एक घंटा तक बेहोश रहे। डॉक्टरों ने उन्हें पानी पिलाया, तब जाकर कुछ राहत मिली। बीती रात भी उनका बीपी 77/45 और पल्स रेट 38 से भी नीचे गिर गया था। रात ढाई बजे जाकर बीपी कुछ स्थिर हुआ। उन्होंने बताया कि अगर यही हालात रहे तो उन्हें कभी भी कुछ भी हो सकता है। मंगलवार को सरकारी राजिंदरा अस्पताल के डाक्टरों की टीम भी डल्लेवाल के चेकअप के लिए बॉर्डर पहुंची।

किसान नेताओं ने कहा कि 10 जनवरी को पूरे देश में ग्रामीण स्तर पर मोदी सरकार के पुतले जलाए जाएंगे, ताकि केन्द्र सरकार को पता लग जाए कि गांवों के लोग एमएसपी गारंटी कानून के मुद्दे पर डल्लेवाल के संघर्ष के साथ खड़े हैं। 13 जनवरी को नई खेती नीति के ड्राफ्ट की कॉपियां देशभर में जलाई जाएंगी। 26 जनवरी को देशभर में ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि संघर्ष की अगली रणनीति की घोषणा दोनों मोर्चों से जल्द ही की जाएगी।

जवाब नहीं दिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वित्तीय अनियमितता हुई है तो उसे इसके दोषी अफसर या सक्षम प्राधिकरण से वसूला जाएगा। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आरपी सिंह और हरेन्द्र नील ने कहा कि शुरुआत में राज्य सरकार ने जवाब पेश करने के लिए दो सप्ताह का समय लिया था। वहीं, एक माह बीतने के बाद भी सरकार ने जवाब नहीं दिया, बल्कि अदालती आदेशों की अवमानना करते हुए ट्रेनी एसआई को फील्ड पोस्टिंग में भेजने के आदेश दे दिए।

फी ट्रेड, फ्री इन्वैस्टमैंट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मूल्यवाल और इंटरनैट कंपनी, टैन्सैंट पर सैन्य संबंध होने का आरोप लगाया है। वर्तमान में यह सबसे बड़ी मीडिया कंपनियों में से एक है और भविष्य में उच्च स्तरों तक पहुँचने की राह पर है।

अमेरिका ने कहा है कि टैन्सैंट के चीनी रक्षा विभाग के साथ गहरे सम्बंध है तथा इस प्रकार से एक सुरक्षा के लिए खतरा हैं। यह चीज़ अमेरिकन और चीनी नैट-आधारित कम्पनियों में अलगाव पैदा कर देगी। चीन ने प्रतिद्वंदी सोशल मीडिया कम्पनियाँ विकसित कर ली हैं जो आकार और जनसम्पर्क के मामले में, अमेरिकन कम्पनियों से मुकाबला कर रही हैं।

वस्तुत: 2025 अमेरिकनों के लिये चीनियों के साथ डीलिंकिंग तथा प्रतिबंधों के सिलसिलों का वर्ष बनता जा रहा है। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय ने सी.ए.टी.एल., जो विश्व की सबसे बड़ी विद्युत वाहन बैटरी निर्माता कम्पनी है, पर भी चीनी रक्षा गतिविधियों के साथ सम्बंध रखने का लेबल लगा दिया है।

अन्तर्राष्ट्रीय बैटरी मार्केट में सी.ए.टी.एल. की व्यापक उपस्थिति है। यह एक ऐसी कम्पनी है, जिसने इस क्षेत्र ऐसी विशिष्टताएं विकसित की हैं कि यह पूरी दुनिया को बैटरी तकनीक दे रही है।

ऐसी स्थिति में, जब से क्रॉस लिंकेज की चर्चा शुरु हुई है, अमेरिकन और चीनी मार्केट एक दूसरे की विपरीत दिशा में जा रहे हैं। बाजार बड़ी उत्सुकता के साथ इस बिन्दु पर नजर रखे हुये हैं कि अमेरिका ने इस स्थिति को कहाँ तक बिगाड़ने का निश्चय कर लिया है।

न्याय मित्र महिला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की ओर से मामले में जवाब पेश करने के लिए समय मांगा गया। इस पर अदालत ने सरकार को चार सप्ताह का समय देते हुए शौचालयों के वर्तमान हालातों और उनमें सुधार की कार्य योजना बताने को कहा है। दरअसल हाईकोर्ट की एकलपीठ ने 3 दिसंबर को महिलाओं के लिए टॉयलैट्स की कमी को गंभीरता से लिया था और संबंधित अफसरों से पूछा था कि क्यों ना सभी नगर निगम और बोर्ड आदि सार्वजनिक क्षेत्र, गलियों और स्कूल आदि में टॉयलैट निर्माण के लिए समग्र स्कीम बनाई जाए तथा क्यों ना संबंधित स्थानीय निकाय के आयुक्त या अतिरिक्त आयुक्त की अध्यक्षता में कमेटी गठित की जाए अदालत ने कहा था कि घर से बाहर निकली महिलाएं अपने लिए टॉयलेट तलाश करती हैं, लेकिन उन्हें या तो टॉयलेट नहीं मिलता या मिलता है तो उसमें पर्याप्त साफ सफाई नहीं होती। जिसके कारण महिला वापस घर पहुंचने तक यूरिन रोकती है, जो गंभीर है।

राहुल गांधी बरेली कोर्ट में पेश नहीं हुए

बरेली, 07 जनवरी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद राहुल गांधी मंगलवार को एक मामले में बरेली जिला न्यायालय में पेश नहीं हुए। उनकी ओर से कोई पक्षकार भी नहीं आया।

कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए, राहुल गांधी को 17 जनवरी को पेश होने के लिये समय दिया है, अगर राहुल गांधी पेश नहीं होते है तो कोर्ट नोटिस जारी कर सकता है।

दरसअल, बीते लोकसभा चुनाव

- जिला न्यायालय ने 17 जनवरी को पेश होने का समय दिया।

के दौरान, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आर्थिक सर्वेक्षण को लेकर बयान दिया था। इसका हिंदूवादी संगठनों ने तीखा विरोध किया था।

अखिल भारतीय हिंदू महासभा मंडल अध्यक्ष पंकज पाठक की ओर से बरेली कोर्ट में अर्जी दी गई थी। एमपी-एमएलए कोर्ट ने उस वक्त अर्जी को खारिज कर दिया था। इसके बाद पंकज पाठक ने जिला एवं सत्र न्यायालय में अपील कर दी थी।

उत्तर प्रदेश में नये अपराधिक कानून जल्दी लागू करें

अमित शाह और योगी आदित्यनाथ ने नये कानूनों के क्रियान्वयन के लिये समीक्षा बैठक की

नयी दिल्ली, 07 जनवरी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के सातों कमिश्नरेट्स में इस वर्ष 31 मार्च तक नए आपराधिक कानूनों का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए कहा है। शाह ने मंगलवार को यहां उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की। बैठक में उत्तराखंड में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में केन्द्रीय गृह सचिव, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के महानिदेशक और राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो सहित गृह मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में चर्चा के दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि तीन नए आपराधिक कानून दंड-केन्द्रित नहीं बल्कि पीड़ित-

- केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि तीन नये अपराधिक कानून दंड-केन्द्रित नहीं बल्कि पीड़ित-केन्द्रित हैं।

केन्द्रित हैं और इनका उद्देश्य त्वरित न्याय सुनिश्चित करना है। गृह मंत्री ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से फरवरी माह में नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा कर इन कानूनों को राज्य में पूरी तरह जल्द से जल्द लागू करने को कहा।

शाह ने कहा कि इस बात की नियमित और निरंतर निगरानी होनी चाहिए कि दर्ज की गई कुल जीरो प्राथमिकी में से कितनी राज्यों को स्थानांतरित की गईं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को हर 15 दिन में और मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ तीन नए कानूनों के कार्यान्वयन की प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा करनी चाहिए।

दिल्ली की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी जैगुआर कम्पनी से खरीदे गए। माउण्ट शावर क्रोम पॉलिश वाला है और पीतल के हैंडल हटाकर स्टेन लैस स्टीन के हैंडल लगाए गए है, सिर्फ इन्हीं पर 54 लाख रु. खर्च हुए हैं।

नाबालिग...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि अभियुक्त ने उसे अमरूद देने का लालच देकर अपने कमरे में बुलाया था और उसके साथ छेड़खानी की थी।

बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा रद्द नहीं होगी

नयी दिल्ली, 07 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने कथित तौर पर परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने के आधार पर बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (प्रारंभिक) रद्द करने की मांग वाली याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार

- सुप्रीम कोर्ट ने प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने के कारण परीक्षा रद्द करने की याचिका खारिज कर दी।

एवं न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए याचिकाकर्ता को संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत, पटना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को कहा। पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता आनंद लीगल एड फोरम ट्रस्ट के अधिवक्ता ने दलील देते हुए कहा कि सभी ने देखा कि कैसे बिहार पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर बेरहमी से लाठीचार्ज किया था। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने और कदाचार के मुद्दे पर जोर देते हुए दलील दी कि जिस तरह से पेपर लीक हो रहे हैं।

सांसद पप्पू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में कई गंभीर अनियमितताएं, पारदर्शिता का अभाव और प्रशासनिक विफलताएं सामने आई हैं।

राजभवन के बाहर संवाददाताओं से बात करते हुए यादव ने कहा कि प्रशांत किशोर शिखंडी हैं, और उसकी यह मांग कि आंदोलन में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव छात्रों का नेतृत्व करें, हास्यास्पद है। किशोर ने अपनी राजनीतिक दुकान चलाने के लिए छात्रों के आंदोलन को मोहरा बनाया है। सत्याग्रह के दौरान छात्रों पर बिहार पुलिस ने तीन बार लाठी चार्ज किया। उन्होंने 12 जनवरी को महागठबंधन के सभी नेताओं से बिहार बंद में शामिल होने का भी आग्रह किया है।

राज्यपाल को ज्ञापन सौंपते समय सांसद के साथ प्रेमचंद सिंह, राजेश पप्पू, राघवेन्द्र कुशवाहा, फैजान अहमद, उपस्थित थे।

चीन अरुणाचल प्रदेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस ओर लगाने को बाध्य होना पड़ सकता है।

इसके अलावा चीन पूर्वोत्तर राज्यों के आर्थिक विकास क भारत के प्रयासों को कमजोर करना चाहता है क्योंकि इससे क्षेत्र में चीन का प्रभाव कम हो रहा है।

हाल ही में यू.टी.ए. ने अरुणाचल की बांध परियोजनाओं के विरोध में बयान जारी किया। इसने चकमा शरणार्थियों को दूसरी जगह भेजने की मांग की साथ ही कहा कि नॉन ए.पी.एस.टी. (अरुणाचल प्रदेश शिड्यूल ट्राइब) को दिए गए अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र रद्द किए जाए। ये मांगे राज्य के आदिवासी समुदायों से संबंधित है और इनसे भारी तनाव पैदा हो सकता है।

बयान का समय महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी समय एन.एच.पी.सी. (नैशनल हाइड्रो इलैक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन) को सिआंग अपर मल्टीपरपज प्रोजैक्ट के प्रीफिजिबिटी अध्ययन में सहायता देने के लिए सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। सिआंग व अपर सिआंग जिलों के लोग इस प्रोजैक्ट का विरोध कर रहे हैं और अब इस बयान से टकराव बढ़ रहा है। इसके अलावा यू.टी.ए. की मांग गैर आदिवासी से विवाद करने वाली आदिवासी महिलाओं के बच्चों को एस.टी. प्रमाणपत्र देने से सम्बंधित है, जिससे स्थानीय लोगों की नाराजगी बढ़ रही है।

यू.टी.ए. इन संवेदनशील मुद्दों पर युवा वर्ग का समर्थन जुटाने की कोशिश में लगा है क्षेत्र के कई युवा काफी निराश है उन्हें लगता है सरकार उनकी चिंता का समाधान नहीं कर रही है।

इस निराशा की वजह से युवा वर्ग के यू.टी.ए. में शामिल होने का खतरा है। उन्हें यह लग सकता है कि यह संगठन उनकी समस्याओं का समाधान कर सकता है।

इसलिए सरकार के लिए जरुरी है कि इन चुनौतियों पर सक्रियता से काम करे।

यू.टी.ए. के स्वघोषित अध्यक्ष एंथनी डोक का विवादास्पद इतिहास है वे पूर्व में नैशनल लिबरेशन काउंसिल ऑफ टानी लैंड से जुड़े हुए थे, जिसे 2010 में राज्य पुलिस ने खत्म कर दिया था। यह संगठन लोगों से वसूली भी करता था। एंथनी भी गिरफ्तार हुआ और फिर रिहा हो गया बाद में वह आम नागरिक का जीवन बिताने लगा और इटा नगर में एक रैस्त्राँ चलाने लगा।

अब उसके यू.टी.ए. के नेता के रुप में अचानक सामने आना चिंताजनक है। सुरक्षाबलों को संदेह है कि वह म्यांमार व नागालैंड आता जाता है और बागी नागा संगठनों से उसे मदद मिल रही है।

क्या बिहार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। सूत्रों का कहना है कि नीतीश कुमार द्वारा लालू यादव से मुलाकात करने पर प्रधानमंत्री मोदी सख्त नाराज है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव 5 फरवरी को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया था, जिसमें टूट-फूट चुके तंत्र को ठीक करने के लिये राजनैतिक छलाँग लगाई है।

जहाँ तक विपक्षी गठबंधन, "इंडिया", जिसका हिस्सा आप भी है, का संबंध है, के लिये यह चुनाव ज्यादा महत्वपूर्ण है, क्योंकि विपक्षी खेमे में कांग्रेस के अलावा आप ही ऐसी इकलौती पार्टी है, जो एक से अधिक राज्य की सत्ता में है। केजरीवाल के व्यक्तिगत संबंध विपक्षी नेताओं के साथ अच्छे हैं, जबकि कांग्रेस, जो ब्लॉक का नेतृत्व कर रही है, के साथ विपक्षी नेताओं के रिश्ते उतने मधुर नहीं हैं। अगर आप दिल्ली में तीसरी बार जीतती है, तो इंडिया ब्लॉक में केजरीवाल की हैसियत बढ़ेगी तथा कांग्रेस और अधिक दबाव में आ जायेगी। इसके विपरीत, आप का नुकसान होने से कांग्रेस को थोड़ी राहत मिलेगी।

पंजाब को छोड़कर, दिल्ली उत्तरी भारत का ऐसा इकलौता राज्य है, जहाँ भाजपा ने पिछले लगभग ढ़ाई दशक से सत्ता का स्वाद नहीं चखा है। लेकिन पिछले तीन दशक के भाजपा के वोट शेयर पर नज़र डालने पर ज्ञात होता है कि पार्टी अपना संतोषजनक जनाधार बनाये हुये है।

1998 से लेकर अब तक, सत्ता से बाहर रहने के बावजूद, तब से लेकर अब तक हुये 6 विधानसभा चुनावों में भाजपा का वोट शेयर 32 प्रतिशत से नीचे नहीं रहा है।

2015 में भी, जब आप को इकतरफा जीत मिली थी तथा भाजपा केवल तीन सीटों पर सिमट गई थी, उसका वोट शेयर 32.19 प्रतिशत रहा था। पाँच साल बाद, जब इसने 8 सीटें जीतीं तथा शेष सभी सीटें आप की झोली में गई थीं, इसका वोट शेयर उछलकर 38.51 प्रतिशत पर पहुँच गया था।

वोट शेयर कायम रहने के अलावा, भाजपा को एक यही बात संबल देती आ रही है कि 2014 से लेकर अब तक, इसने दिल्ली में सभी सात सीटें जीती हैं।

1998 में सत्ता से बाहर होने के बाद, भाजपा 1998, 2003 तथा 2008 के लगातार तीनों चुनाव कांग्रेस से हारी थी तथा 2013, 2015 एवं 2020 के तीन लगातार चुनाव आप से हारी है। भाजपा के साथ एक बड़ी कमी यह रही है कि पहले कांग्रेस की शीला दीक्षित तथा 2013 से आप के केजरीवाल जैसा पार्टी का कोई लोकप्रिय चेहरा भाजपा के पास नहीं रहा।

अपने पहले दो चुनावी भाषणों में, मोदी ने अपनी सरकार का मॉडल आप की सरकार के मॉडल के विरूद्ध रखा। उनका फोकस आप सरकार के मॉडल के प्रमुख स्तम्भों की काट करने पर था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार एक ज्यादा सक्षम कल्याणकारी व्यवस्था संचालित कर रही है। जब आप का उदय राजनैतिक क्षितिज पर हुआ था, तो इसने अपने आप को "आम आदमी" की पार्टी के रूप में प्रस्तुत किया था तथा उसी को रेखांकित करने के लिये अपना चुनाव चिन्ह "झाड़ू" रखा था। मोदी और भाजपा सीधे कच्ची बस्तियों के निवासियों तक पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्हें आप सरकार में बिजली-पानी मुफ्त मिल रहे हैं, वे ऑटोरिक्शा चालकों को प्रभावित करना चाह रहे हैं, जिनका स्नेह पाने के लिये आप ने बहुत मेहनत और काम किया है।

लोकसभा चुनाव में मिले झटके के बाद, भाजपा ने हरियाणा और महाराष्ट्र में धमाकेदार वापसी की सराहनीय क्षमता दर्शाई थी। वह जीत के इस सिलसिले को दिल्ली तक लाना चाहेगी, ताकि इस आधात से विपक्ष पूरी तरह पंगु होकर रह जाये।

दिल्ली में कांग्रेस का उत्थान और पतन बड़ा नाटकीय रहा है। पार्टी 1998 में दिल्ली की सत्ता में आई, जबकि कुछ ही महीने पहले, वह लोकसभा चुनावों में बुरी तरह हार गई थी। दिल्ली में भी, भाजपा ने सात में से छ: सीटें जीती थीं। कांग्रेस की ओर से इकलौती विजेता मीरा कुमार थीं, जो करोग बाग सीट से जीती थीं और तो और, दीक्षित, जो कुछ ही माह बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री बनीं, पूर्वी दिल्ली सीट पर भाजपा के लाल बिहारी तिवारी से हार गई थीं।

लेकिन, इन लोकसभा चुनावों के कुछ माह बाद हुये विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने 70 मे से 52 सीटें जीतीं तथा इसका वोट शेयर 47.7 प्रतिशत रहा तथा उस समय मुख्यमंत्री बनीं शीला दीक्षित 15 साल तक इस पद पर आसीन रहीं। उनका शासन 2013 में समाप्त हुआ, जब कांग्रेस केवल 8 सीटों पर सिमट गई तथा स्वयं दीक्षित, केजरीवाल से हार गईं।

2015 में पार्टी को और भी बड़ा धक्का लगा, क्योंकि दिल्ली में अपना खाता तक नहीं खोल सकी। इसका वोट शेयर 10 प्रतिशत से नीचे आ गया, जबकि 2008 में इसका वोट शेयर 40.31 प्रतिशत तथा 2013 में 24.55 प्रतिशत था।

और पिछले विधानसभा में पार्टी का वोट शेयर घट कर मात्र 4.26 प्रतिशत रह गया तथा इसके 66 में से 63 उम्मीदवारों की जमानतें जब्त हो गईं।

पार्टी के 15 साल के शासन का श्रेय शीला दीक्षित को भले ही मिला हो, लेकिन उस समय, दिल्ली में कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा काफी मजबूत था, जिसमें लगभग सभी समुदाय के लोग शामिल थे। दिल्ली में पार्टी के बहुत से दत्रप थे, जिनमें से कई तो मुख्यमंत्री पद की प्रतिस्पर्धा में भी थे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600